निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, मंगलवार 30 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 44 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

नियुक्ति पत्र का वितरण करने के बाद नवनियुक्त शिक्षकों का अभिवादन करते सीएम हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री ने नवचयनित 1042 सहायक शिक्षकों को दिया नियुक्ति पत्र

ईमानदारी से निभाएं जिम्मेदारी : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य के प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 1,042 नवचयनित सहायक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। रांची के खेलगांव में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यहां नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी सहायक आचार्य अपने परिवारों के साथ आए हैं, जिनके चेहरे पर बहुत खुशी है। नवनियुक्त शिक्षकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक केवल पढ़ाने का काम नहीं करते बल्कि वे आने वाली पीढ़ी का भविष्य भी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना अब इन शिक्षकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी। यदि सभी अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाएं तो राज्य में बेहतर माहौल बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपको आने वाली पीढ़ी का भविष्य तय करना है। सरकारी संस्थानों पर बहुत उंगलियां उठती है। कुछ सही भी होती है और कुछ गलत भी। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी हमेशा बड़ी होती है। इस

साढ़े तीन करोड़ जनता और यहां के हवा-पानी से लेकर विधि-व्यवस्था तक की जिम्मेदारी होती है। ऐसे में अगर हम सभी एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में व्यवहार करें तो कोई भी सरकार पर गलत नहीं बोल सकता। अगर हम अपना सिविक सेन्स मजबूत कर ले तो खुद हीं स्थिति ठीक हो जाएगी। श्री सोरेन ने कहा कि यहां उपस्थित हर कोई बौद्धिक रूप से मजबूत है। पिछले कार्यकाल को मिला लिया जाए तो हमने 55 हजार से भी अधिक पदों पर नियुक्ति दी है। इस राज्य ने हमेशा देने का काम किया है। इस वजह से हमारी शिक्षा थोड़ी देर से शुरू हुई। इसे संवारने में मैं हमेशा लगा हुआ हूं। आज अपने हित को साधने में राजनीति की जा रही है। कुछ विकृत विचारधारा के लोग बस आग लगाने में जुटे हैं। ऐसे में हमें इस बात का भी ध्यान रखना है कि हम अपने आसपास ऐसी स्थिति को आने ना दें। सरकारी स्कूल पर पहले उंगलियां उठती थी लेकिन हमनें सीएम स्कूल ऑफ एक्ससिलेंस खोला, जहां भर्ती के लिए 50 हजार से भी अधिक आवेदन आ रहे हैं। हमारे सामने शिक्षण क्षेत्र में चुनौतियां रही हैं लेकिन हम सुधार कर रहे हैं। यहां कई विज्ञान के भी शिक्षक हैं जिससे सरकारी स्कूलों में बच्चों को इसकी कमी महसूस ना हो और यहां से भी पढ़कर बच्चें इंजीनियर और डॉक्टर बन सके। मंच पर मौजूद वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि जिस सपने के तहत झारखंड अलग राज्य का गठन हुआ था उस सपने को कोई भी सरकार पहले पूरी नहीं कर सकी लेकिन हेमंत सोरेन इस सपने को पूरा करना चाहते थे। आज झारखंड के सामने बेरोजगार युवा सबसे बड़ी चुनौती थे। इसे दूर करने के लिए मुख्यमंत्री ने 38,903 भर्तियां 2020 से की है। आज जिन्हें ये नई जिम्मेदारी मिली है उनके सामने कई चुनौतियां भी है। एक शिक्षक को खुद भी सीखने और उसके आधार पर अपने बच्चों को सिखाने की बड़ी जिम्मेदारी है। छात्रों को बेबाक होकर सवाल पूछने की आजादी देना, उन्हें नौकरी एवं आने वाले समय के लिए तैयार करना ये बड़ी चुनौती है। जिसे सभी सहायक आचार्यों को पूरा करना है। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वर्ष 2026 के लिए सीपीडी कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इसका लक्ष्य झारखंड में शिक्षण स्तर में बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में मंच पर राज्यसभा सांसद महुआ माजी और झारखण्ड के मुख्य सचिव भी मौजूद रहे।

पोटका में ब्रेन मलेरिया का कहर, 72 घंटे में चार बच्चों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में ब्रेन मलेरिया ने खतरनाक रूप धारण कर लिया है। लगातार बढ़ रहे संक्रमण और बच्चों की हो रही मौतों ने पूरे क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। बीते 72 घंटों के भीतर चार बच्चों की मौत हो चुकी है जबकि 20 से अधिक मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें कई बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं लेकिन जिस तेजी से मरीज सामने आ रहे हैं, उसने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। ब्रेन मलेरिया के कारण जिन बच्चों की मौत हुई है उनमें कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्रा लखी सरदार, आठ वर्षीय राहुल सरदार, आठ वर्षीय सुबोला सरदार और सुबोली सरदार की छोटी बहन एक साल की खुशबू सरदार शामिल हैं। इन बच्चों की मौत के बाद पूरे इलाके में शोक और भय का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में लगातार बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं। कई लोग समय पर इलाज नहीं मिलने और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी की शिकायत भी कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई जांच में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की तीन छात्राओं समेत नौ नए मरीजों की पहचान की गई है। विद्यालय में एक साथ कई छात्राओं के बीमार होने से अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। प्रशासन ने विद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वास्थ्य जांच अभियान शुरू कर दिया है। साथ ही छात्राओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जा रही है। ब्रेन मलेरिया से संक्रमित कई बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। इनमें एक साल की मासूम बच्ची भी शामिल थी, जिसकी बाद में मौत हो गई। अस्पताल सूत्रों के अनुसार कई मरीजों को तेज बुखार, उल्टी, बेहोशी और दौरे पड़ने जैसी गंभीर समस्याओं के साथ भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की टीम लगातार मरीजों के इलाज में जुटी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित गांवों में विशेष अभियान शुरू किया है।

संक्षिप्त समाचार

मौर्या एक्सप्रेस में लगेंगे और कोच

रांची(नबिटा ब्यूरो)। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने ट्रेन संख्या 15028/15027 गोरखपुर-संबलपुर-गोरखपुर मौर्या एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 15028 गोरखपुर-संबलपुर एक्सप्रेस में 1 से 31 जुलाई तक एसी 3-टियर का एक अतिरिक्त कोच जोड़ा जाएगा। वहीं, वापसी दिशा में चलने वाली ट्रेन संख्या 15027 संबलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस में 3 जुलाई से 2 अगस्त तक एसी 3-टियर का एक अतिरिक्त कोच उपलब्ध रहेगा।

कोयला लदा ट्रक पलटा, दो गंभीर

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले की संघारी घाटी में कोयला लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रक का चालक और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार ट्रक पिपरवार से कोयला लेकर बिहार की ओर जा रहा था। घाटी के खतरनाक और घुमावदार मोड़ों से नीचे उतरते समय चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक अचानक पलट गया।

ट्रैक्टर ने शिक्षिका को रौंदा, मौत

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुआ-चक्रधरपुर मुख्य सड़क पर निश्चितपुर स्कूल के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से 23 वर्षीय शिक्षिका वंदना महतो की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सोनुआ-चक्रधरपुर मुख्य सड़क को जाम कर दिया। मृतका वंदना महतो सोनुआ के एसएस प्लस-2 हाई स्कूल में घंटी आधारित शिक्षिका के रूप में कार्यरत थीं।

कुएं में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जिले के अनगड़ थाना क्षेत्र के चन्द्राटोली में सोमवार सुबह 6 बजे एक हृदय विदारक घटना सामने आई है जहां कुएं में डूबने से दो सगे भाइयों सुखराम मुंडा (42 वर्ष) और विनोद मुंडा (35 वर्ष) की मौत हो गई। इस दोहरे हादसे के बाद से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार खेतों में सुबह फ्रैश होने के बाद छोटा भाई विनोद मुंडा कुएं से पानी निकालने गया था। इसी दौरान वह अनियंत्रित होकर कुएं में डूब गया। भाई को डूबता देख बड़े भाई सुखराम मुंडा ने उसे बचाने के लिए बिना सोचे-समझे कुएं में छलांग लगा दी। सुखराम ने अपने भाई को बचाने की काफी मशक्कत की और उसे पानी के ऊपर तक खींच भी लाया था लेकिन कुएं में पानी का स्तर अधिक होने के कारण वह उसे बाहर नहीं निकाल सका। अंततः दोनों भाइयों की कुएं में ही डूबने से मौत हो गई। बताया जाता है कि विनोद मुंडा पूर्व में मिर्गी का रोगी था और वह अविवाहित था। वह अपने बड़े भाई का बेहद प्रिय था। बताया गया कि जिस कुएं में यह हादसा हुआ उसकी गहराई करीब 30 फीट है जिसमें 22-23 फीट पानी भरा हुआ था। इस सिंचाई कुप का निर्माण दो वर्ष पूर्व मृतकों के पिता बिरसा मुंडा ने मनरेगा योजना के तहत कराया था। यह घर से थोड़ी दूर पर है। कुएं का मुंडेर अभी तक नहीं बंधा था। ग्रामीणों के अनुसार कूप निर्माण के बाद पुरी मिट्टी बैठ जाने के 1-2 साल बाद ही उसका मुंडेर बांधा जाता है, जो इस हादसे का एक मुख्य कारण बना। घटना के बाद पूर्व मुखिया मधुसूदन मुंडा की सूचना पर अनगड़ा थाना प्रभारी गौतम रजवार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से दोनों शवों को कुएं से बाहर निकाला और पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

रहस्यमय बीमारी से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पड़वा प्रखंड के सिक्का गांव में रहस्यमय बीमारी से पिछले 10 दिनों में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। सिक्का के रहने वाले कुलदीप महतो की सबसे पहले 19 जून को मौत हुई। उनकी बेटी बबीता कुमारी की मौत 20 जून को हुई। इसके बाद उनकी दूसरी बेटी इंदु कुमारी की 26 जून को, बहू श्वेता कुमारी की 28 जून को और बेटे नकुल महतो की 29 जून को मौत हो गई। बहू श्वेता कुमारी और बेटा नकुल महतो की मौत रिम्स में हुई है जबकि कुलदीप महतो की पत्नी लाखो देवी, एक बेटा और पोता इलाज के लिए रिम्स में भर्ती हैं। दरअसल पूरा परिवार रहस्यमय बीमारी की चपेट में है, परिवार के लोगों का शरीर सूज रहा है और बाद में उनकी मौत हो जा रही है। शुरुआत के तीन मृतकों के शव का पोस्टमार्टम मेदिनीराय

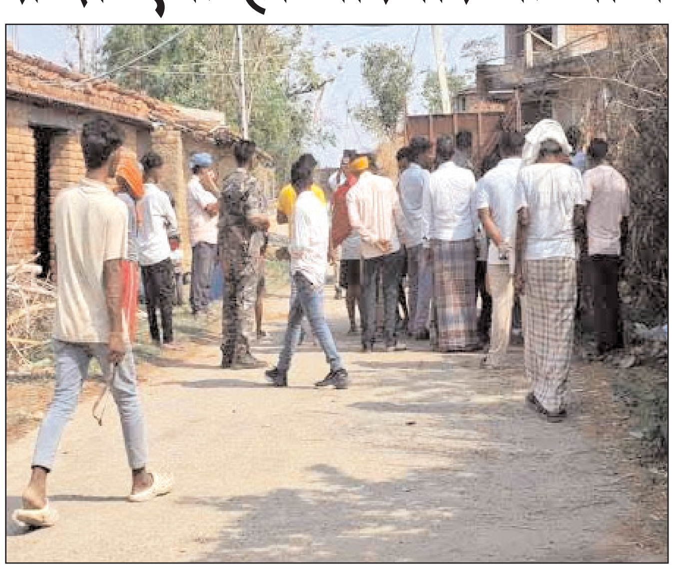

मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में करवाया गया। सभी मृतकों के विसरा के नमूने सुरक्षित रख लिए गए हैं। उन्हें अभी तक एफएसएल जांच के लिए नहीं भेजा गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इस मामले की जांच की जिसमें अब तक कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। कुलदीप महतो और उनका पूरा परिवार बीमार होने के बाद झाड़-फूंक का सहारा ले रहा था। कुलदीप महतो और उनकी बेटी बबीता कुमारी की मौत के बाद पूरा परिवार इलाज के बहाने झाड़-फूंक करवाने चला गया था। पूरा परिवार लेस्लीगंज के पूर्णाडीह इलाके में झाड़ फूंक करवा रहा था। इस दौरान लोग लंबे समय से राख खा रहा था। स्वास्थ्य विभाग की टीम फिर से सिक्का गांव और पूर्णाडीह पहुंची है और उस राख को कलेक्ट कर रही है, जिसे परिवार खा रहा था। पाटन चिकित्सा पदाधिकारी श्रवण कुमार ने बताया कि रिम्स में पांचवीं मौत हुई है। राख के खाने की बात सामने आई है। टीम के साथ वे खुद गांव पहुंचे हैं और खान-पान के बारे में जानकारी ले रहे हैं। वहीं मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के डॉ आरके रंजन ने बताया कि सभी मृतकों के विसरा को सुरक्षित रखा गया है। पुलिस इसे जांच के लिए भेजेगी।

बंद दो घरों से लाखों की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। जिला मुख्यालय के सिंधीपाड़ा मोहल्ले में बीती देर रात को अज्ञात चोरों ने दो मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जिस वक्त चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है उस वक्त दोनों मकान मालिक अपने रिश्तेदार के घर गए थे। सोमवार को जब मकान मालिक अपना घर पहुंचे तो घर का दरवाजा टूटा हुआ था और जेवरात, नकदी समेत अन्य सामान गायब मिले। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर नगर थाना की पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। मिली जानकारी के मुताबिक सिंधीपाड़ा मोहल्ला निवासी अमित कुमार आर्या और मृदुल भट्टाचार्य अपने घर पर नहीं थे। इसी मौके का फायदा उठाते हुए दोनों मकान में अज्ञात चोरों ने घर में घुस कर आलमारी, बॉक्स से सोना एवं चांदी के जेवरात, नकदी व कई घरेलू सामान ले गये। सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव दलबल के साथ पहुंचे और मकान मालिक सहित आसपास के लोगों से पूछताछ की। इस दौरान मकान मालिक सहित स्थानीय लोग पुलिस के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया और रात्रि गश्ती नहीं करने, समय पर पुलिस नहीं पहुंचने की बात कही। इस मामले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव ने बताया कि दो घरों में चोरी की घटना घटी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। एसडीपीओ ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला गया है और कुछ चेहरे सामने आए हैं। जिसकी जांच पुलिस कर रही है। उन्होंने कहा कि इस कांड में शामिल अपराधी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

अनियंत्रित कार ने छह लोगों को कुचला, चार गंभीर

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। जिले में देर रात एक कार ने छह से अधिक लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि दो लोगों को मामूली चोट आई है। घायलों का इलाज मिशन अस्पताल एवं शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में चल रहा है। बताया जाता है कि नशे में धूत ड्राइवर ने इस घटना को अंजाम दिया है। बता दें कि देर रात ही स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,चालक नशे की हालत में तेज गति से वाहन चला रहा था। कई लोगों को टक्कर मारने के बाद कार बिजली के पोल और चापाकल से टकरा गई जिससे चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही सांसद प्रतिनिधि रंजन चौधरी अस्पताल पहुंचे और घायलों के इलाज में सहयोग करते हुए सभी का हालचाल लिया। साथ ही उन्होंने नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील की।

इडी ऑफिस नहीं पहुंचे पूर्व वित्त मंत्री और उनके बेटे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से झारखंड में कथित शराब घोटाले की जांच तेज कर दी गई है। इसी क्रम में पूर्व वित्त मंत्री और लोहरदगा के विधायक रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव को रांची स्थित ईडी कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया था लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए। जानकारी के अनुसार रोहित उरांव ने ईडी को पत्र लिखकर पूछताछ के लिए समय मांगा है। वहीं पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव को भी 30 जून को पूछताछ के लिए समन जारी किया गया है। पिता-पुत्र ने अपने पत्र में कहा है कि उन्हें अपने पक्ष में आवश्यक दस्तावेज तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय चाहिए। फिलहाल ईडी ने उनके अनुरोध पर कोई निर्णय नहीं लिया है। सूत्रों के मुताबिक यदि वे निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होते हैं तो एजेंसी एक सप्ताह के भीतर दोबारा समन जारी कर सकती है। दोनों को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। जांच एजेंसी ने इससे पहले 23 अगस्त 2023 को रांची, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा व कोलकाता में 32 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान रोहित उरांव के रांची आवास पर भी छापे पड़े थे। इसमें रोहित के घर से 30 लाख रुपए बरामद हुए थे। ईडी की छापेमारी के बाद यह बात सामने आई श्क्षी कि रोहित उरांव ने राज्य के सबसे बड़े शराब सिंडिकेट और एक कारोबारी के साथ मिलकर शराब के कारोबार में निवेश किया था।

कल्याण मंत्री ने 800 छात्र-छात्राओं के बीच किया साइकिल का वितरण

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : लिंडा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में सोमवार को राजधानी रांची के धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर के टीवीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक भव्य साइकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान कक्षा के 800 मेधावी और जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के बीच नई साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्य के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद अपने हाथों से बच्चों को साइकिलों की चाबी सौंपी। इस दौरान मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का वास्तविक मकसद केवल बच्चों को साइकिल बांटना नहीं है बल्कि इसके जरिए

विद्यार्थियों की राह आसान कर उन्हें स्कूल की दहलीज से लेकर देश की राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं के शिखर तक पहुंचाना है। श्री लिंडा ने सरकार की शिक्षा कल्याणकारी योजनाओं का खाका पेश किया। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर और होनहार बच्चों के लिए आईआईटी-जेईई और मेडिकल सहित अन्य बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग की शानदार व्यवस्था की जा रही है। इसी कड़ी में उन्होंने एक घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब यूपीएससी जैसी सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी देश के शीर्ष और प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों के माध्यम से मुफ्त कोचिंग और आवासीय व्यवस्था उपलब्ध कराने के मेगा प्लान पर तेजी से काम कर रही है। इस कदम से झारखंड के दूर-दराज और गरीब परिवारों के मेधावी बच्चों का आईएएस-आईपीएस बनने का सपना सच हो सकेगा। कल्याण मंत्री ने इस योजना के फायदों पर बात करते हुए कहा कि साइकिल मिलने से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के बच्चों, खासकर बालिकाओं की स्कूल तक पहुंच बेहद आसान और सुरक्षित हो जाएगी। दूरी और परिवहन के साधनों की कमी के कारण जो बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते थे, वे अब नियमित रूप से स्कूल आ सकेंगे जिससे विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ेगी और उनके भीतर पढ़ाई के प्रति एक नया उत्साह और ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने दोहराया कि हेमंत सोरेन सरकार हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। बजटीय आवंटन में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इस गरिमामयी और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम में टीवीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, कल्याण विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी, बड़ी संख्या में आए अभिभावक और सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। साइकिल पाकर बेहद खुश नजर आ रहे विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री और कल्याण मंत्री का आभार जताया।

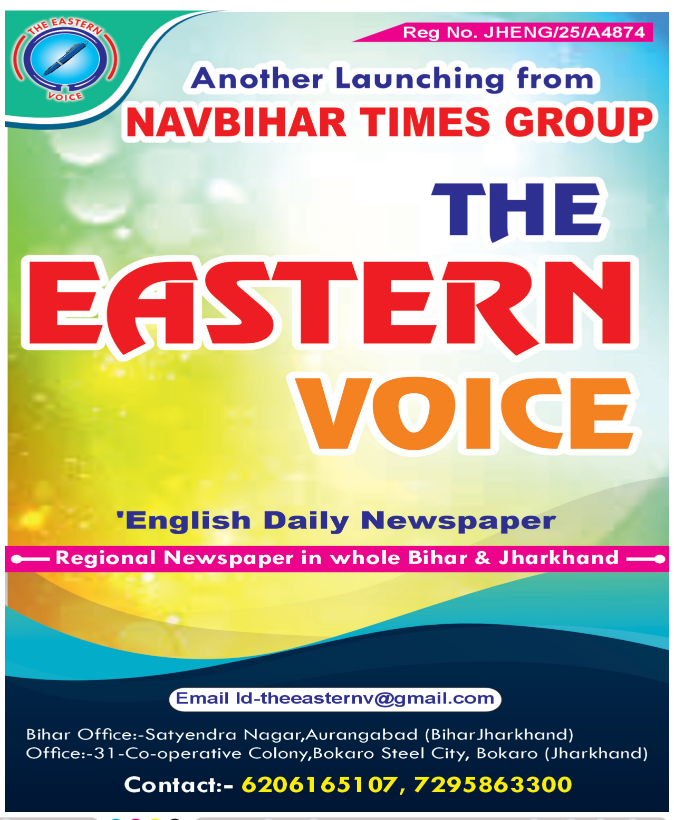

C M Y K

सीईओ ने की भ्रामक प्रचार से बचने की अपील

पांच श्रेणियों के अनकलेक्टेबल फार्म प्रारूप सूची में नहीं होंगे शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार ने स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान किसी भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और कुछ अन्य माध्यमों से यह भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे, जबकि वास्तविकता यह है कि आयोग का उद्देश्य केवल मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाना है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक चलने वाले इन्यूमरेशन चरण में जो भी मौजूदा मतदाता अपना हस्ताक्षरित इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे, उन्हें बिना किसी दस्तावेज की मांग के 5 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केवल पांच श्रेणियों के अनकलेक्टेबल इन्यूमरेशन फॉर्म प्रारूप सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। इनमें डुप्लिकेट/एकाधिक प्रविष्टि वाले मतदाता, मृत मतदाता, स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाता, अनुपस्थित/अप्राप्य मतदाता तथा इन्यूमरेशन फॉर्म पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने वाले (विदेशी नागरिकों से संबंधित मामलों सहित) शामिल हैं। इन सभी मामलों को एएसडीडी (एब्सेंट, शिफ्टेड, डुप्लीकेट, डेथ) सूची में प्रकाशित किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 5 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर मिलेगा। इस अवधि में पात्र नागरिक अपना नाम जोड़ने, सुधार कराने अथवा किसी प्रविष्टि पर आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि रोजगार, शिक्षा या अन्य कारणों से झारखंड से बाहर रहने वाले मतदाता ईसीनेट के माध्यम से, 'बुक ए-कॉल' सुविधा का उपयोग कर अथवा अपने बीएलओ से संपर्क कर इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे किसी भी भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें और समय पर अपना हस्ताक्षरित इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

30 जून से घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) कार्यक्रम के तहत 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। इस दौरान मतदाताओं के विवरण का भौतिक सत्यापन कर आवश्यक जानकारी एकत्र की जाएगी, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनायी जा सके जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव ने बताया कि 20 जून से 29 जून तक प्रशिक्षण एवं आवश्यक सामग्री के मुद्रण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। अब निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बीएलओ घर-घर पहुंचकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 जुलाई तक मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन पूरा किया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होगी। प्रारूप सूची के प्रकाशन के बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जबकि 5 अगस्त से 3 अक्टूबर तक उनका निष्पादन किया जाएगा। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। उपायुक्त यादव ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि बीएलओ के घर-घर भ्रमण के दौरान पूरा सहयोग करें और अपने मतदाता संबंधी विवरणों का सत्यापन अवश्य कराएं। यदि नाम जोड़ने, हटाने अथवा किसी प्रकार के संशोधन की आवश्यकता हो तो निर्धारित अवधि के भीतर दावा एवं आपत्ति दर्ज कराएं, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सही रूप से दर्ज हो सके उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची पर निर्भर करती है। इसलिए सभी नागरिक एसआईआर 2026 अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने में सहयोग करें।

विभिन्न प्रखंडों में वोलेंटियरों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो0 जावेद हुसैन के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न प्रखंडों में चरणबद्ध तरीके से वोलेंटियर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस क्रम में खूँटी समेत अन्य प्रखंडो में चरणबद्ध तरीके से मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से वोलेंटियर्स को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी सुषमा लकड़ा, मास्टर ट्रेनर नवीन चंद्र झा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमती ज्योति कुमारी उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि वोलेंटियर्स किसी भी योग्य नागरिक अथवा प्रवासी मतदाता का फॉर्म स्वयं नहीं भरेंगे, बल्कि पात्र मतदाताओं को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। वोलेंटियर्स का मुख्य कार्य मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं अन्य प्रक्रियाओं के संबंध में नागरिकों को जागरूक करना तथा आवश्यकतानुसार सहायता उपलब्ध कराना होगा। प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि वोलेंटियर्स को बीएलओ के स्थान पर कार्य नहीं करना है, बल्कि उनके सहयोगी के रूप में कार्य करते हुए योग्य नागरिकों की पहचान करने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देने तथा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने में सहयोग करना है। वोलेंटियर्स को बताया गया कि वे वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पीवीटीजी समुदाय सहित सभी पात्र मतदाताओं तक पहुंच सुनिश्चित करें तथा उन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दें। प्रशिक्षण के दौरान वोलेंटियर्स को voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से मतदाता सूची में नाम खोजने, आवश्यक जानकारी प्राप्त करने एवं पीडीएफ डाउनलोड करने की प्रक्रिया का भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही प्रशिक्षण वीडियो के माध्यम से सभी बिंदुओं को विस्तारपूर्वक समझाया गया, ताकि वोलेंटियर्स अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन एवं गणना प्रपत्रों का संकलन किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 05 अगस्त 2026 को होगा, जबकि दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने की अवधि 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक निर्धारित है। सभी दावों एवं आपत्तियों के निराकरण के उपरांत 07 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रखंडों में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है।

विकसित भारत, रोजगार एवं आजीविका मिशन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी/ कटिहार। प्रखंड कार्यालय सभागार में विकसित भारत, रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण वीवी जी राम जी विषय पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख अनीता देवी ने की। इस दौरान मिशन के उद्देश्यों, ग्रामीण रोजगार सृजन, आजीविका सशक्तिकरण एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कार्यक्रम पदाधिकारी आलेंदु कुमार ने मिशन की रूपरेखा, योजनाओं के संचालन एवं उनके प्रभावी कार्यान्वयन की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक पात्र परिवार तक रोजगार एवं आजीविका से जुड़ी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों से योजनाओं को धरातल पर सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की। इस अवसर पर प्रखंड के सभी रोजगार सेवक, सभी पंचायत तकनीकी सहायक, सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन एवं योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए।

बारसोई स्टेशन पर नौ लोगों से वसूला गया जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई/कटिहार। बारसोई रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और अनुशासन बनाए रखने के लिए रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ ने विशेष जांच अभियान चलाकर नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। जन विश्वास संशोधन एवं प्रावधान अधिनियम-2026 के तहत संशोधित रेलवे अधिनियम-1989 के प्रावधानों के अनुसार कुल नौ मामलों में कार्रवाई करते हुए 13,500 का जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान दिव्यांग यात्रियों के लिए आरक्षित कोच में अनधिकृत रूप से यात्रा करने वाले चार लोगों को रेलवे अधिनियम की धारा 155(1) के तहत पकड़ा गया। प्रत्येक पर 2,000 के हिसाब से कुल 8,000 का दंड लगाया गया। रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि दिव्यांग कोच केवल विशेष जरूरत वाले यात्रियों के लिए है और उसके दुरुपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, स्टेशन परिसर के नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने वाले तीन लोगों पर धारा 159 के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 1,500 का जुर्माना लगाया गया। इसके अतिरिक्त रेलवे परिसर और ट्रेनों में धूम्रपान करते पाए गए दो व्यक्तियों पर धारा 167 के अंतर्गत 4,000 का दंड वसूला गया।

युवा एवं फ्यूचर वोटर्स को एसआइआर के प्रति किया गया जागरूक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो0 जावेद हुसैन के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के अंतर्गत चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा एवं भावी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मतदाता सूची के महत्व तथा झारखंड में संचालित स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन अभियान के प्रति जागरूक करना था। चुनाव पाठशाला के दौरान विद्यार्थियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता, इसके उद्देश्य तथा प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची में शामिल कराने के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें मतदान के अधिकार एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका से भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को झारखंड में संचालित एसआईआर कार्यक्रम की समय-सारिणी की जानकारी देते हुए बताया गया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन एवं गणना प्रपत्रों का संकलन किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 05 अगस्त 2026 को होगा, जबकि दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने की अवधि 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक निर्धारित है। सभी दावों एवं आपत्तियों के निराकरण के उपरांत 07 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर की भूमिका, गणना प्रपत्र सही तरीके से भरने, आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने तथा समय पर जमा करने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। विद्यार्थियों से आग्रह किया गया कि वे अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी एसआईआर अभियान की जानकारी देकर उन्हें सहयोग के लिए प्रेरित करें। मतदाता जागरूकता को रचनात्मक रूप देने के उद्देश्य से विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा एसआईआर विषय पर पेंटिंग, पोस्टर निर्माण, निबंध, रंगोली एवं स्लोगन के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने अपने आकर्षक चित्रों एवं पोस्टरों के माध्यम से स्वच्छ, त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संदेश दिया। जिला प्रशासन ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करें, गणना प्रपत्र सही एवं पूर्ण रूप से भरकर समय पर जमा करें तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। उपायुक्त मो0 जावेद हुसैन ने आज सदर अस्पताल, खूंटी से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की तथा जिलेवासियों से अपील की कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। उपायुक्त ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक पात्र बच्चे तक पोलियोरोधी खुराक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को अभियान के दौरान पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ

कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 जून को जिले के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई जा रही है। वहीं 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीम, सहिया एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इस अवसर पर राज्य पर्यवेक्षक डॉ अरविंद कुमार, सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक सहित अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

कोई अयोग्य जुड़ेगा नहीं, कोई पात्र मतदाता छूटेगा नहीं : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। सोमवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ), झारखंड के. रवि कुमार ने बोकारो जिला दौरे के दौरान समाहरणालय सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा, सभी निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिले की तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एसआईआर-2026 का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई अयोग्य मतदाता सूची में नहीं जुड़ेगा और कोई भी पात्र भारतीय मतदाता सूची से नहीं छूटेगा।

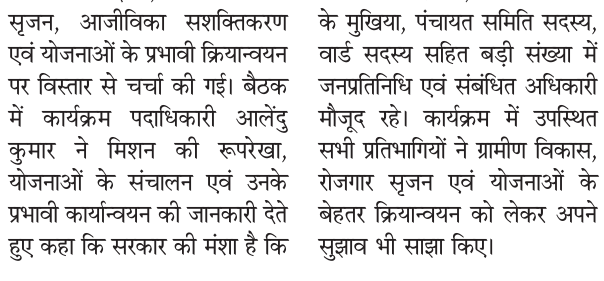

30 जून से घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, समय पर भरें इन्यूमरेशन फॉर्म

उन्होंने कहा कि 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। मतदाताओं से अपील की कि फॉर्म प्राप्त होते ही आवश्यक जानकारी भरकर एवं हस्ताक्षर कर यथाशीघ्र अपने बीएलओ को वापस करें, ताकि उनका नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल हो सके।

मैपिंग से कोई पात्र मतदाता नहीं छूटे

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि विगत विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से सभी मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित की जाए। जिन मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो जाएगी, उन्हें सामान्यतः अतिरिक्त दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि एब्सेंट, स्थायी रूप से स्थानांतरित (परमानेंटली शिफ्टेड), मृत, डुप्लीकेट एवं गैर-भारतीय श्रेणी के व्यक्तियों का नाम प्रारूप मतदाता सूची में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिक अथवा भारतीय नागरिकता छोड़ चुके व्यक्ति इन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं करें। यदि उनके पास फॉर्म पहुंचे तो उसे बिना भरे एवं बिना हस्ताक्षर किए बीएलओ को वापस कर दें।

गलत घोषणा करना दंडनीय अपराध

उन्होंने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म में गलत घोषणा कर जानकारी देना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा-31 के तहत दंडनीय अपराध है। सभी मतदाता सही एवं सत्य जानकारी ही उपलब्ध कराएं।

एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं सहभागी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एसआईआर-2026 पूरी तरह पारदर्शी एवं सहभागी प्रक्रिया है। प्रत्येक चरण की जानकारी सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने सभी अधिकारियों, बीएलओ, बीएलए-2 एवं वॉलिंटियर्स से समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

गिरिडीह पुलिस ने लौटाई लोगों की मुस्कान

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पुलिस केंद्र गिरिडीह के मल्टीपर्पज हॉल में सोमवार को दोपहर 12 बजे 'आपका मोबाइल फिर से आपका' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार के नेतृत्व में आम जनता के खोए हुए एवं बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। इस अवसर पर डीएसपी, एसडीपीओ, जिले के सभी थाना प्रभारी, साइबर सेल के पदाधिकारी एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बरामद मोबाइल फोन का सत्यापन कराने के बाद उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को विधिवत सुपुर्द किया। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने गिरिडीह पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया और इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि मोबाइल खोने या चोरी होने पर तत्काल संबंधित थाना या साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर मोबाइल बरामद किया जा सके। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव और मोबाइल सुरक्षा के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिले के सभी थानों के थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी, पुलिसकर्मी तथा बड़ी संख्या में मोबाइल प्राप्त करने वाले नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

संत कबीर दास की मनी जयंती

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के समाजसेवी प्रदीप कुमार पासवान के आवास पर संत कबीर दास की जयंती धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर संत कबीर दास के तेल चित्र पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। वक्ताओ ने कहा कि उत्तर प्रदेश काशी के लहरतारा में इनका जन्म 1398 में हुआ था। संत कबीर दास निरक्षर थे इनकी प्रमुख रचनाएं साखी, सबद, रमैनी, बीजक, अनुराग सागर, कबीर दोहावली एवं कबीर शब्दावली हैं। कबीर साहब की उल्टी बानी बरसे कंबल भीगे पानी। जाति धर्म को ऊपर रखते हुए मानव कल्याण के लिए छुआछूत की बेड़ियों को तोड़ा। इस अवसर पर कबीर पंथ के रामचरित्र साहेब, राजकुमार साहेब, विश्वनाथ पासवान, जगन्नाथ पासवान, राजेंद्र साह, बेचन परिहार, सरस्वती देवी, भामा देवी, कंचनमाला देवी,अश्विनी कुमार, अमन कुमार, धर्मेंद्र पासवान, पुरण पासवान, मोजिबुर रहमान आदि उपस्थित रहे ।

नशा मुक्ति व महिला सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

मनिहारी /कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मनिहारी प्रखंड समेत मनोहरपुर पंचायत भवन में पंचायत विकास दिवस के अवसर पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया शबनम कुमारी यादव ने की।जबकि मनिहारी व्यापार मंडल अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि ललन कुमार यादव सहित पंचायत प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।बैठक में नशा मुक्त समाज के निर्माण, महिला सशक्तिकरण, महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान, ग्रामीण विकास, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा पंचायत के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पंचायत स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाने, सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और विकास कार्यों में आम लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। मुखिया शबनम कुमारी यादव ने कहा कि पंचायत विकास दिवस का उद्देश्य गांवों के सर्वांगीण विकास के साथ समाज को जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाना है। वहीं मुखिया प्रतिनिधि ललन कुमार यादव ने कहा कि नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण और जनसहयोग से ही एक सशक्त एवं विकसित पंचायत का निर्माण संभव है। बैठक के अंत में पंचायत के विकास को नई गति देने और समाज हित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

तेज रफ्तार बाइक सवार ने मारी ठोकर

आजमनगर /कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आजमनगर दिल्ली दीवानगंज महानंदा बांध पर सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति को तेज रफ्तार बाइक सवार के द्वारा ठोकर मार कर एक पैर तोड़ दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना बैरिया चांदपुर दल के निकट का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार बाइक सवार व्यक्ति के द्वारा चांदपुर ढाला के निकट सड़क किनारे खड़े व्यक्ति को ठोकर मार दी जिससे विजय चौधरी पिता सुग्रीव चौधरी का एक पैर टूट गया तथा काफी गंभीर चोट पहुंची है। ग्रामीणों के सहयोग से विजय चौधरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर में भर्ती कराया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर के डॉक्टर का कहना है कि स्थिति काफी गंभीर है। प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल कटिहार रेफर कर दिया गया है।

पुलिस पर पथराव मामले में दो पर प्राथमिकी

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मनसाही थाना क्षेत्र के चकमन गांव में एक पक्ष के द्वारा दूसरे पक्ष के घर और दुकान उजाड़ने एवं पुलिस गाड़ी पर पथड़ाव करने को लेकर मनसाही पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है। एक प्राथमिकी पीड़ित विद्यानंद मंडल के द्वारा दर्ज कराई गई है जिसमें घर और दुकान उजाड़ने वाले 12 नामजद सहित 150 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है जबकि दूसरी प्राथमिकी पुलिस के द्वारा दर्ज की गई है। थाने के एसआई अखिलेश बैठा के बयान पर पुलिस गाड़ी पर पथड़ाव करने के मामले में दर्जन पर नामजद सहित कई अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने दोनों प्राथमिकी के आधार पर त्वरित एक्शन लेते हुए दोनों पक्षों के दो-दो लोगों को गिरफ्तार किया है और उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक पक्ष के मो जसीम एवं मो. नजीर जबकि दूसरे पक्ष के मृत्युंजय कुमार एवं कपिल मंडल शामिल है।

आज मनिहारी पहुंचेंगे अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य

मनिहारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य तल्लू बासकी आज सीमांचल दौरे के क्रम में मनिहारी पहुंचेंगे। किशनगंज जिले के भ्रमण के बाद वे कटिहार जिले के जनजाति बहुल क्षेत्रों का दौरा कर अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लेंगे। जिले के अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान वे बलरामपुर, डंडखोरा, छोटी तेलडांगा, हसवर तथा मनिहारी गंगा घाट सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वे संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे और यह जानने का प्रयास करेंगे कि सरकारी योजनाओं का लाभ लाभुकों तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंच रहा है। आयोग सदस्य योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं और चुनौतियों की भी जानकारी लेंगे तथा आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। जनजाति समुदाय की समस्याओं और आवश्यकताओं को समझने की दृष्टि से इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि आयोग सदस्य के निरीक्षण से योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और जनजाति समुदाय के विकास को नई गति मिलेगी।

इलाज के दौरान पूर्व मुखिया पति का निधन

कोढ़ा /कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सड़क दुर्घटना में घायल पूर्व मुखिया प्रतिनिधि जनार्दन यादव की मौत सिल्लीगुड़ी में इलाज के दौरान विगत रात हो गई। बताया जाता है कि राजगीर से लौटने के क्रम में कोढ़ा प्रखण्ड के पवई पंचायत की पूर्व मुखिया साधना देवी पूरे परिवार के साथ महेशखूट में राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर वाहन से दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। जिसमें घटनास्थल पर ही पूर्व मुखिया साधना देवी की मौत हो गई थी। दिवंगत मुखिया के पति जनार्दन यादव सहित पुत्र और पुत्री भी घायल हो गये थे। मृतक जनार्दन यादव का इलाज सिल्लीगुड़ी में चल रहा था। दिवंगत मुखिया का शनिवार को श्राद्ध कार्यक्रम का अंतिम दिन था। देर रात्रि मुखिया प्रतिनिधि जनार्दन यादव भी इलाज के दौरान अपनी इहलीला समाप्त कर ली। उनके निधन की खबर ने जहां उनके परिजनों पर दुख का पहाड़ लाद दिया वहीं प्रखण्ड के प्रबुद्धजनों को भी आहत कर दिया। क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों में विधायक कविता देवी, जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह, मुखिया संघ के अध्यक्ष मो. काजिम, जगतनारायण सिंह, भोला चौरसिया, मुख्य पार्षद धीरज सिंह, पंचायत समिति सदस्य प्रेम कुमार महलदार, मो. नईमुद्दीन, समाजसेवी धीरेन्द्र प्रसाद मेहता, सुनील दास सहित दर्जनों लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

वांछित अभियुक्त के घर से पांच लाख बरामद

कोढ़ा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार एसटीएफ एवं कटिहार जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त के घर से छिनतई की राशि 5,00,000 बरामद की है। यह कार्रवाई 28 जून 2026 को पतरघट थाना कांड संख्या 123/26 दिनांक 25 जून 2026) के संदर्भ में की गई। पुलिस के अनुसार कोढ़ा थाना क्षेत्र के जुराबगंज निवासी आरोपी राम कुमार यादव के घर पर छापेमारी की गई। जहां से छिनतई की पूरी रकम बरामद कर ली गई। हालांकि छापेमारी के दौरान अभियुक्त घर से फरार पाया गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

CMYK

उपायुक्त ने घर-घर जाकर बच्चों को पिलाई पोलियो रोधी दवा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने पलामू जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से संचालित तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान के दूसरे दिन सोमवार को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने स्वयं मेदिनीनगर शहर के हमीदगंज क्षेत्र में घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई तथा अभियान की प्रगति का जायजा लिया। इस अवसर पर सिविल सर्जन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित रहे।

इस दौरान उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की टीमों के साथ विभिन्न घरों का भ्रमण कर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायी और अभिभावकों से बातचीत करते हुए उन्हें पोलियो उन्मूलन अभियान के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक बच्चे को समय पर पोलियो की खुराक देना अत्यंत आवश्यक है। उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि "इस पल्स पोलियो अभियान का उद्देश्य जिले के एक भी बच्चे को इस सुरक्षा कवच से वंचित नहीं रहने देना है। सभी अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि उनके पांच वर्ष तक की आयु के बच्चे पोलियो रोधी दवा की खुराक अवश्य ग्रहण करें।" उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिला रही हैं। ऐसे में अभिभावक टीमों का सहयोग करें तथा यदि किसी कारणवश कोई बच्चा दवा पीने से छूट गया हो तो इसकी जानकारी तत्काल संबंधित स्वास्थ्यकर्मी को दें। ज्ञातव्य है कि दिनांक 28 जून 2026 को जिले में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया था। अभियान के तहत जिले में 3 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के प्रथम दिन रविवार को जिले के 1600 से अधिक पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई थी। वहीं दूसरे और तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाने का कार्य कर रही हैं।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में युवाओं ने दिखाई सहभागिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर झारखंड सरकार के तत्वावधान में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जसलपीएस) द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं एवं लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया जसलपीएस के प्रबंधक जेवियर एक्का ने स्वयं रक्तदान कर दूसरों को भी प्रेरित किया। कार्यक्रम में जसलपीएस के पदाधिकारी, कर्मचारी और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उपायुक्त रामनिवास यादव ने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है।

कबीर ज्ञान मंदिर में दो दिवसीय महायज्ञ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

कबीर की वाणी आज भी सामाजिक समरसता, मानवता और अंधविश्वास के विरुद्ध संघर्ष की देती है प्रेरणा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सतगुरु कबीर साहेब के प्रकाश दिवस के उपलक्ष्य में कोड स्थित कबीर ज्ञान मंदिर में आयोजित दो दिवसीय कबीर ज्ञान महायज्ञ का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ जारी है। कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महायज्ञ के दूसरे दिन सोमवार की सुबह सत्संग का आयोजन किया गया। इसके बाद गुरु मां ने सतगुरु कबीर साहेब के जीवन, उनके विचारों और मानव समाज के लिए दिए गए संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कबीर साहेब के बताए सत्य, प्रेम, समानता और मानवता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया इसके उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन संपन्न कराया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने आहुति देकर विश्व कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के दौरान सतगुरु कबीर साहेब के जन्मोत्सव पर आधारित एक एनिमेटेड फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। श्रद्धालुओं ने फिल्म को बड़े ध्यान और उत्साह के साथ देखा तथा कबीर साहेब के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक घटनाओं से रूबरू हुए। कबीर ज्ञान मंदिर के पदाधिकारी सिद्धांत कुमार ने बताया कि इस दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा देश के कई राज्यों से श्रद्धालु पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कर रहे हैं महायज्ञ के दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला।

30 जून से चलेगा विशेष मतदाता जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर 30 जून को जिलेभर में विशेष जनजागरूकता एवं सोशल मीडिया अभियान चलाया जाएगा अभियान के तहत सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम और यूट्यूब सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर #झारखण्डसीर हैशटैग के माध्यम से मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां और जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे उपायुक्त ने सभी विभागों को समन्वय के साथ निर्वाचन आयोग के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। साथ ही सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक और फर्जी सूचनाओं पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी तथा अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे निर्वाचन संबंधी जानकारी केवल निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन के आधिकारिक माध्यमों से ही प्राप्त करें तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन और स्थानांतरण जैसी प्रक्रियाओं का लाभ उठाकर एसआईआर 2026 अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

आर.के. महिला महाविद्यालय में प्रो. पी.सी. महालनोबिस को दी गई श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आर.के. महिला महाविद्यालय, गिरिडीह में सोमवार को महान भारतीय सांख्यिकीविद् प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को स्मरण किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णानन्द शर्मा ने कहा कि प्रो. पी.सी. महालनोबिस को भारत में आधुनिक सांख्यिकी का जनक माना जाता है। उन्होंने भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना कर देश में वैज्ञानिक आंकड़ा संग्रह एवं विश्लेषण की सशक्त नींव रखी। आर्थिक योजना एवं नीति निर्माण के क्षेत्र में उनका योगदान आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने कहा कि आर.के. महिला महाविद्यालय की स्थापना में भी प्रो. महालनोबिस का योगदान अविस्मरणीय है।इस अवसर पर डॉ. आतिश रंजन, प्रो. लक्ष्मण राम, सच्चिदानंद सिंह, जितेंद्र चौरसिया, सौमीत सामंता, पिंकी मिश्रा, राखी प्रसाद, ज्योति प्रकाश सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के सफल क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, समय-सीमा, बीएलओ एवं बीएलए-2 की भूमिका तथा जनसहभागिता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा झारखंड राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 संचालित किया जा रहा है। इसके तहत 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा तथा भरे हुए प्रपत्रों को प्राप्त कर प्रविष्टि की जाएगी। 05 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा तथा दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया 04 सितंबर 2026 तक चलेगी। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 07 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं पारदर्शी बनाने में राजनीतिक दलों और उनके द्वारा नामित बीएलए-2 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपने-अपने मतदान केंद्रों पर बीएलए-2 की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बीएलए-2, बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को अधिक प्रभावी एवं विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। बैठक में बताया गया कि एन्यूमरेशन चरण के दौरान बीएलओ एवं बीएलए-2 के बीच नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी। घर-घर भ्रमण के दौरान बीएलए-2 भी बीएलओ के साथ शामिल हो सकेंगे तथा मतदाताओं से संवाद की प्रक्रिया में सहयोग करेंगे। विशेष रूप से अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान एवं सत्यापन में बीएलए-2 की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। डीसी ने स्पष्ट किया कि एन्यूमरेशन चरण के दौरान मतदाताओं से किसी प्रकार का दस्तावेज एकत्र नहीं किया जाएगा। यदि कोई पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं है, तो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र प्रविष्टियों को नियमानुसार हटाना है। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता जागरूकता अभियान में भी सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया गया। उपायुक्त ने कहा कि 30 जून 2026 से प्रारंभ होने वाले एन्यूमरेशन चरण के दौरान अधिक से अधिक लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया एवं जनजागरूकता गतिविधियों का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित जागरूकता अभियान एवं अभियान में सहयोग करने की अपील की।

ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। बड़कागांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से ब्राउन शुगर के अलावा एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू और स्मोक लाइटर भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक को सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि बड़कागांव थाना क्षेत्र के बाबुपारा स्थित गोन्दलपुरा जाने वाली सड़क किनारे एक बंद पड़े घर की चारदीवारी के भीतर कुछ युवक ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागांव अमित आनंद के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी के दौरान पुलिस टीम को देखते ही दो युवक भागने लगे, जिन्हें सशस्त्र बल की मदद से पकड़ लिया गया। पूछताछ में उनकी पहचान बाबुपारा निवासी आदित्य कुमार और बादम निवासी विपिन कुमार पाण्डेय के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आदित्य कुमार के पास से करीब 12 ग्राम ब्राउन शुगर और एक सिल्वर रंग का इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद हुआ, जबकि विपिन कुमार पाण्डेय के पास से 10 पुड़िया में करीब 4 ग्राम ब्राउन शुगर तथा एक ब्लू रंग का स्मोक लाइटर बरामद किया गया। इस प्रकार कुल 16 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई।

इस मामले में बड़कागांव थाना कांड संख्या 115/2026, दिनांक 29 जून 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(b), 22(b) एवं 27(a) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद, थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अमित कुमार तथा बड़कागांव थाना के रिजर्व गार्ड शामिल रहे।

रफीगंज शहर के डाक बंगला के समीप मारपीट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज शहर के डाक बंगला के समीप मारपीट की घटना में एक युवक घायल हो गया। इस मामले में मुख्य बाजार सिनेमा हॉल के समीप निवासी सुनैना देवी ने रफीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने चौधरी मोहल्ला निवासी राकेश कुमार गुप्ता, मुकेश कुमार गुप्ता, सनी कुमार गुप्ता, गोलू कुमार गुप्ता एवं विक्की कुमार को नामजद आरोपी बनाया है। दर्ज प्राथमिकी में सुनैना देवी ने बताया कि 28 जून की संध्या करीब 6 बजे उनका पुत्र आयुष शर्मा बारात में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान डाक बंगला के समीप आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। रफीगंज थाना अध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच करते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य व कार्ययोजना का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि 30 जून से 29 जुलाई तक जब बीएलओ मतदाता के घर-घर जाएं तो मतदाताओं को विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से उनकी मैपिंग अवश्य सुनिश्चित करें। राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में विगत की विशेष गहन पुनरीक्षण वाले मतदाता सूची से मैपिंग की विवरणी को नागरिकता हेतु वांक्षित दस्तावेज के रूप में माना गया है। जिन मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो जाएगी उन्हें मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में सामान्यतः कोई अन्य दस्तावेज नहीं देने होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सोमवार को धनबाद जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण हेतु चल रहे कार्य एवं कार्ययोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। धनबाद जिले के भ्रमण के क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ जिले के ईवीएम वेयर हाउस के निरीक्षण में भाग लिया। वेयर हाउस निरीक्षण के अवसर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इसके उपरांत के. रवि कुमार ने धनबाद जिले के भूली बस्ती स्थित मतदान केंद्र संख्या 38 उत्क्रमित मध्य विद्यालय एवं मतदान केंद्र संख्या 210 गुरुनानक मध्य विद्यालय में बीएलओ द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में किए जा रहे कार्य एवं कार्ययोजना की समीक्षा की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म की 2 प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। जिसे मतदाता भरकर एक प्रति अपने बीएलओ को देंगें और दूसरी प्रति पावती के रूप में अपने पास रखेंगे। सभी मतदाता जो इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे उनका नाम मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में 5 अगस्त को प्रकाशित किया जाएगा। के. रवि कुमार ने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय मतदाताओं को किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं देने होंगे। इस अवसर पर जब बीएलओ घर घर आये तो वैसे मतदाता जिनकी अभी भी विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हुई है वे बीएलओ को अपना विवरण बताकर मैपिंग करा लें। वैसे मतदाता जिनकी मैपिंग नहीं हो सकेगी उन्हें बीएलओ द्वारा ईआरओ स्तर पर नोटिस उपलब्ध कराए जाएंगे। इस नोटिस के जवाब में मतदाता आवश्यकतानुसार वांक्षित दस्तावेज अपने बीएलओ को समर्पित करेंगें जिसके उपरान्त उनका नाम मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में शामिल किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भारत के संविधान के आर्टिकल 326 का जिक्र करते हुए कहा कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से नहीं छूटेंगे और एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे।

211 खोए मोबाइल लौटाकर गिरिडीह पुलिस ने लौटाई लोगों के चेहरों पर मुस्कान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस ने "आपका मोबाइल, फिर से आपका" अभियान के तहत तकनीकी सहायता से बरामद 211 खोए हुए मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए। पुलिस केंद्र स्थित मल्टीपर्पस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार, एसडीपीओ, डीएसपी, टेक्निकल सेल, साइबर सेल के अधिकारी तथा जिले के सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने कहा कि आज के समय में मोबाइल केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि लोगों की मेहनत की कमाई और महत्वपूर्ण यादों का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी गिरिडीह पुलिस 426 खोए हुए मोबाइल उनके मालिकों को वापस कर चुकी है और अब 211 मोबाइल लौटाकर इस अभियान को आगे बढ़ाया गया है इस दौरान लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए एसपी ने अपील की कि मोबाइल खोने पर तुरंत नजदीकी थाने में सनहा दर्ज कराएं और सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत करें। साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर तथा किसी भी आपात स्थिति में 112 पर संपर्क करने की सलाह दी गई एसपी ने टेक्निकल सेल, साइबर सेल और जिले के सभी थाना प्रभारियों की सराहना करते हुए लोगों से बिना बिल या पहचान पत्र के सेकेंड हैंड मोबाइल नहीं खरीदने की अपील की। मोबाइल वापस मिलने पर लाभुकों ने गिरिडीह पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की।

नोटरी पब्लिक की सतर्कता से भी जमीन व अन्य अनियमितताओं पर लगेगी रोक : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिले के नोटरी पब्लिक सदस्यों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भूमि संबंधी मामलों में नोटरी की भूमिका, पारदर्शिता एवं सतर्कता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि हाल के दिनों में गलत एवं भ्रामक दस्तावेजों के आधार पर नोटरी कराकर भूमि की रजिस्ट्री कराने के मामले सामने आए हैं, जो अत्यंत गंभीर विषय है। उन्होंने सभी नोटरी पब्लिक सदस्यों को निर्देश दिया कि किसी भी दस्तावेज का नोटरीकरण करने से पूर्व उसकी विधिवत जांच-पड़ताल करें तथा सभी तथ्यों से पूर्णतः संतुष्ट होने के बाद ही नोटरी की प्रक्रिया पूरी करें। उपायुक्त ने कहा कि नोटरी करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आप सभी के पास है। इसलिए प्रत्येक मामले में पूरी सावधानी एवं कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। किसी भी प्रकार की लापरवाही से भू-माफियाओं एवं असामाजिक तत्वों को गलत तरीके से भूमि हस्तांतरण का अवसर मिल सकता है, जिससे वास्तविक भू-स्वामियों के अधिकार प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि भू-माफियाओं द्वारा फर्जी अथवा भ्रामक दस्तावेजों के माध्यम से भूमि पर अवैध कब्जा करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाने में नोटरी पब्लिक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों में आपकी सतर्कता, निष्पक्षता एवं गहन जांच ही इस प्रकार की अनियमितताओं को रोक सकती है। उपायुक्त ने सभी नोटरी पब्लिक सदस्यों से अपील की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता एवं विधिसम्मत तरीके से करें तथा किसी भी संदिग्ध मामले की जानकारी तत्काल जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमि संबंधी फर्जीवाड़े एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध जिला प्रशासन की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या मिलीभगत पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

वार्ड संख्या 9 में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को गिरिडीह नगर निगम के वार्ड संख्या 9 में वार्ड पार्षद संगीता कुमारी ने अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरुआत की।इस अवसर पर वार्ड पार्षद संगीता कुमारी ने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपने घर के 5 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि पोलियो की यह दवा पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावी और बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। किसी भी बच्चे को इस अभियान से वंचित नहीं रहने देना चाहिए उन्होंने कहा कि "दो बूंद जिंदगी की" केवल एक नारा नहीं, बल्कि हर बच्चे को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाने का संकल्प है। सभी नागरिकों के सहयोग से ही पोलियो-मुक्त भारत के लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम, आंगनबाड़ी सेविकाएं, आशा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे और लोगों को पल्स पोलियो अभियान के प्रति जागरूक किया। वार्ड पार्षद ने सभी नागरिकों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने की अपील की।

पूर्व रेलवे

सं.: ओ–एसी–टी–91 से 95–26–27 (खुली), दिनांक 26.06.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, केस सं. ओ–एसी–टी–91–26–27, कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में उखरा, पान्डवेश्वर, दुबराजपुर, कुनुरी और दूसरे यार्ड में यार्ड के सुधार के संबंध में यार्ड ड्रेनेज के प्रावधान के साथ–साथ दूसरे सहायक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 13,22,99,183.51, **बयाना राशि:** रु. 26,46,000/– **कार्य की समापन अवधि:** 18 माह। **क्रम सं. 2, केस सं. ओ–एसी–टी–92–26–27, कार्य का नाम:** मंडल अभियंता/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में अण्डाल–तापसी के बीच ब्रिज नं. 35, 43 और 44 (टीबी कॉर्ड लाइन) एवं ब्रिज नं.13, 18, 19 और 20 की क्षतिग्रस्त विंग वॉल आदि की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 2,68,18,955.21, **बयाना राशि :** रु. 5,36,400/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 3, केस सं. ओ–एसी–टी–93–26–27, कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में एईएन/2/अण्डाल के खंड में लेवल क्रॉसिंग गेट लॉज की मरम्मत, नवीनीकरण और लेवल क्रॉसिंग गेटों पर अन्य विविध बुनियादी ढांचे की सुविधाओं के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 79,71,762.40, **बयाना राशि:** रु. 1,59,400/–, **कार्य की समापन अवधि:** 9 माह। **क्रम सं. 4, केस सं. ओ–एसी–टी–94–26–27, कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में सिउड़ी में टॉयलेट, डाइनिंग, किचन/मेस आदि सहित प्रशासनिक भवन के साथ 20 बेड वाले नए आरपीएफ बैरक के निर्माण के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 1,23,04,860.94, **बयाना राशि:** रु. 2,46,100/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 5, केस सं. ओ–एसी–टी–95–26–27, कार्य का नाम:** वरिष्ठ डीईएन/I/आसनसोल के अधीन एईएन/II/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में कालूबथान स्टेशन यार्ड में अप और डाउन लूप लाइनों के विस्तार के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 4,19,03,415.19, **बयाना राशि:** रु. 8,38,100/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 22.07.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है।

ASN-155/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अनियंत्रित इनोवा कार ने दो लोगों को कुचला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत पीरो-बिहटा हाईवे पर सिकरहटा खुर्द स्थित पोल्ट्री फार्म के समीप सोमवार की दोपहर तेज रफ्तार अनियंत्रित इनोवा कार ने सेवानिवृत्त शिक्षक समेत दो लोगों को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार सड़क किनारे नाले में पलट गई। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई।

मृतकों की पहचान सिकरहटा खुर्द निवासी 65 वर्षीय मो. रमजान अली एवं 25 वर्षीय मो. जाबीर उर्फ मुन्ना अंसारी के रूप में हुई है। मो. रमजान अली सेवानिवृत्त शिक्षक थे। बताया जाता है कि वह बैंक से पैसे निकालकर साइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान चालक का संतुलन बिगड़ गया और कार ने पहले उन्हें टक्कर मारी, फिर बिजली के पोल से टकराने के बाद निमार्णाधीन मकान की देखरेख कर रहे मो. जाबीर को भी अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बिजली का पोल टूट गया और मो. जाबीर कार के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इनोवा सड़क किनारे नाले में पलट गई। दुर्घटना के तुरंत बाद चालक समेत कार में सवार अन्य लोग मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही सिकरहटा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने दोनों शवों के साथ पीरो-बिहटा हाईवे जाम कर मुआवजा, स्पीड ब्रेकर निर्माण और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

करीब साढ़े तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। बाद में पीरो सर्किल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, सीओ सुमित कुमार और पुलिस अधिकारियों के समझाने पर जाम समाप्त हुआ। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा है।

डूबे छात्र का शव बरामद

सारण। जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र की सबलपुर मध्यवर्ती पंचायत के बभनटोली गांव निवासी 20 वर्षीय उत्पल कांत शर्मा उर्फ हर्ष कुमार का शव सोमवार को गंगा नदी से बरामद किया गया। वह रविवार शाम गंगा नदी में स्नान के दौरान गहरे पानी में डूब गया था। करीब 24 घंटे तक चले खोज अभियान के बाद एसडीआरएफ की टीम ने शव बरामद किया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, बभनटोली निवासी श्रीराम शर्मा का पुत्र उत्पल कांत शर्मा अपने एक साथी के साथ सबलपुर नया बाजार के सामने स्थित बदरी घाट पर स्नान करने गया था। स्नान के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। साथ मौजूद युवक ने शोर मचाकर ग्रामीणों को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना मिलने पर सोनपुर थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और खोज अभियान शुरू किया।

बाल मजदूरी अभियान का दो दिवसीय राज्य सम्मेलन प्रारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बाल मजदूरी विरोधी अभियान का दो दिवसीय राज्य सम्मेलन पटना के एएन सिंह इंस्टीट्यूट में नवलेश कुमार सिंह एवं प्रमोद कुमार शर्मा के संयोजन में शुरू हुआ। सम्मेलन में बिहार के 22 जिलों के 72 साथियों ने भाग लेकर श्रम नहीं शिक्षा 26का समर्थन करते हुए बाल मजदूरी समाप्त करने का संकल्प लिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाल मजदूरी अभियान के राष्ट्रीय संयोजक श्री अशोक भाई ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा पहले 2026 तक बाल मजदूरी को समाप्त करने की घोषणा एस डी जी के माध्यम से किया था,अब यह यह 2030 हो गया है,उन्होंने कहा कि श्रम नहीं शिक्षा तभी हो सकता है जब न्यूनतम मजदूरी नहीं ,सम्मान पूर्वक मजदूरी तय होना चाहिए।

सम्मेलन का उद्घाटन बाल श्रम आयोग के अध्यक्ष अशोक कुमार, बाल संरक्षण आयोग के राकेश कुमार,यूनिसेफ के प्रतिनिधि अमर, बाल श्रम आयोग के पूर्व सदस्य तारकेश्वर , लोकतंत्र रक्षा अभियान के अक्षय कुमार,बिहार सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष चंद्र भूषण,राजेंद्र मलिक,सत्येंद्र शांडिल्य, सांत्वना भारती सुप्रिया ,रामचंद्र भाई ,राम विनय भाई के अलावा कई साथियों ने भाग लेकर अपना विचार व्यक्त किया।

सम्मेलन में व्यापक स्तर पर बाल मजदूरी का सर्वे,बाल पंचायत, महिला हितैषी पंचायत,बाल मजदूरी को समाप्त करने के लिए ग्राम कचहरी को शामिल करना,बाल मजदूरी विरोधी अभियान के 44दिन का अभियान में 4लाख व्यक्तियों के बीच बाल मजदूरी को समाप्त करने का जानकारी दिया। सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया गया कि अगर हम सभी मिलकर गांव के सभी बच्चों को स्कूल और आंगनवाड़ी में नामांकन करा दिया जाय,तो बाल मजदूरी समाप्त हो जाएगा।

खेतों में किसान तो बाजारों में व्यावसायियों ने बारिश का किया स्वागत

भीषण गर्मी से लोगों को मिली राहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रसूलपुर। थाना क्षेत्र में सोमवार को हुए झमाझम बारिश से किसान सहित समाज के हर वर्ग ने मानसून की पहली बारिश का स्वागत झूमते हुए किया।खेतों में धान ,मक्का, अरहर की मुरझाते बिचड़ो को जान में जान आई देख ग्रामीण लोगों के चेहरे पर मुस्कान छा गई।किसानों की मानें तो एक दो दिनों में बारिश नहीं होती तो धान ,मक्का अरहर ,बाजरा,ज्वार आदि फसलों को काफी नुकसान होता।किसानों की मानें तो रसूलपुर क्षेत्र में मानसून पूर्व पिछली बारिश में ही करीब एक तिहाई से ज्यादा लोगों ने बावग (खेतों में अरहर ,मकई का बीज डालना) कर चुके हैं।जिन किसानों ने मक्का, अरहर, धान के बीज आदि खेतों में डाल चुके हैं वे मानसून की बारिश की बाट जोह रहे थे। सोमवार की बारिश देख बावग कर चुके और बावग करने की योजना बना रहे दोनों तरह के किसान खुश हो गये।

भीषण गर्मी से त्रस्त लोगों ने भी सोमवार की झमाझम बारिश से खुश दिखे। रसूलपुर चट्टी पर झमाझम बारिश को देख युवकों ने चैनपुर रोड में नृत्य करते हुए बारिश का स्नान किया और खुशी प्रकट की। बारिश में स्नान का आनंद लेते उपमुखिया मनोज सोनी 'नन्हे', रंजीत सोनी, विजय प्रसाद, कृष्णा सोनी, रुपेश कुमार, विवेक सोनी, बिट्टू साह ने कहा कहां कि हम मानसून की पहली बारिश का स्वागत में झूमते हुए कर रहे हैं।यह किसान सहित आम लोगों के लिए राहत लेकर आया है।

मानवीय संवेदना, सात्विक प्रेम और राष्ट्रीय पुनर्जागरण की कहानी है 'गुंडा' : पवन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। महान साहित्यकार जय शंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध कहानी गुंडा मानवीय संवेदना, नैतिकता ,कर्तव्यबोध, सात्विक प्रेम तथा राष्ट्रीय पुनर्जागरण की मार्मिक प्रस्तुति है।

नगर के हैप्पी किड्स स्कूल परिसर में आयोजित कहानी विद कॉफी कार्यक्रम की 22 वीं कड़ी में कहानी गुंडा के पाठ एवं चर्चा के दौरान वक्ताओं ने इन पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही सभी प्रतिभागियों ने इस बात की प्रशंसा की कि पिछले 22 माह से इस साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन लगातार किया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरूआत पवन सर द्वारा कहानी पाठ से हुई। कहानी से जुड़े कई पहलुओं पर उन्होंने बड़ी ही बेबाक टिप्पणी की और कहा कि गुंडा कहानी के माध्यम से हमारे समाज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक चरित्रों को बहुत ही बेहतर तरीके से उकेरा गया है।

उन्होंने बताया कि यह कहानी व्यवस्था के बागी 'गुंडा' कहे जाने वाले व्यक्ति के महान चरित्र और बलिदान की मार्मिक गाथा है।

कहानी के नायक बाबू नन्हकू सिंह हैं। वे काशी के एक संभ्रांत और प्रतिष्ठित जमींदार परिवार से थे, लेकिन परिस्थितियों और एकतरफा प्रेम के कारण बागी (गुंडा) बन गए। नन्हकू सिंह पन्ना नामक स्त्री से प्रेम करते थे, जिसे बाद में राजा बलवंत सिंह ने बलपूर्वक अपनी रानी बना लिया। इससे निराश होकर नन्हकू सिंह ने अपनी सारी संपत्ति लुटा दी और समाज के शोषितों के रक्षक बन गए, लेकिन एवं ब्रिटिश शासक उन्हें गुंडा समझती थी।

अपने सात्विक प्रेम की खातिर नन्हकू सिंह आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करते हैं। संकट की घड़ी में कहानी का नायक राजमाता पन्ना एवं उनके परिवार की रक्षा खातिर अकेले ब्रिटिश सैनिकों का मुकाबला करता है, एवं उनकी रक्षा की खातिर अपने प्राणों का बलिदान दे देता है।

सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु शेखर ने कहा कि यह कहानी राष्ट्रभक्ति और अमरत्व प्रेम की कहानी है। इतिहास के शोधार्थी बैजू चौधरी ने कहा कि यह कहानी भारत के राष्ट्रीय पुनर्जागरण की गाथा है। आयोजक संजय अथर्व ने कहा कि यदि उसे दौर

में एक गुंडा का चरित्र इतना महान हो सकता है, तो फिर संत के चरित्र कैसा होता होगा? रामेश्वर उच्च विद्यालय बेलागंज के प्राचार्य अबरार आलम ने कहा कि इस तरह के चरित्र का अनुसरण करना चाहिए।

शहर के लोकप्रिय शिक्षक डॉ राजन ने कहा कि समाज से तिरस्कृत शब्द गुंडा का लेखक ने उद्धार कर दिया। कार्यक्रम में कई श्रोता ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़े और अपनी प्रतिक्रियाएं साझा की। कार्यक्रम का संचालन अबरार आलम ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन आयोजक संजय अथर्व ने की।

तेल फैक्ट्री में आग लगने के बाद जागा प्रशासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। दीदारगंज स्थित तेल फैक्ट्री में भीषण आग की घटना के बाद पटना की औद्योगिक इकाइयों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक ऑडिट शुरू हो गई है। बिहार अग्निशमन सेवा ने 27 विशेष टीमों को मैदान में उतारा है, जो चरणबद्ध तरीके से फैक्ट्रियों, गोदामों और अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों का फायर ऑडिट करेंगी।

अभियान के तहत सबसे पहले उन इकाइयों की जांच होगी, जहां केमिकल, खाद्य तेल, प्लास्टिक, पेंट और अन्य ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण या उत्पादन होता है। जिला अग्निशमन पदाधिकारी रितेश पांडेय ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत गंभीर खामियां मिलने पर सबसे पहले नोटिस जारी होगा।

इसके बाद भी यदि निर्धारित समय में सुधार नहीं किया गया, तो एनओसी रद्द करने, फैक्ट्री को सील करने और मालिकों पर कानूनी कार्रवाई तक की जा सकती है। विभाग ने साफ कर दिया है कि सुरक्षा मानकों को लेकर अब किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पटना जिले में विभिन्न श्रेणी की करीब 700 से 1000 छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों और गोदामों के संचालित होने का अनुमान है। इनमें खाद्य तेल, आटा, प्लास्टिक, पैकेजिंग, दवा, इंजीनियरिंग, स्टील, केमिकल और वेयरहाउस प्रमुख हैं। इनमें से लगभग 150 से 200 इकाइयां ऐसी हैं जिन्हें हाई-रिस्क (उच्च जोखिम) श्रेणी में माना जाता है, जहां आग लगने की आशंका अपेक्षाकृत बहुत अधिक रहती है। मिली जानकारी के अनुसार औद्योगिक गतिविधियों की दृष्टि से दीदारगंज-फतुहा बेल्ट को सबसे संवेदनशील माना जाता है।

इसके अलावा पटना सिटी, गुलजारबाग, संपतचक, बेउर, बाईपास क्षेत्र और बिहटा औद्योगिक क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में फैक्ट्रियां और गोदाम मौजूद हैं।

दो स्कार्पियो की आमने-सामने की टक्कर में तीन की गई जानें

नौ लोग गंभीर, इलाजरत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। सिंघौल थाना क्षेत्र के अंग्रेजी ढाला के समीप बीती देर रात भयानक सड़क हादसा हो गया। इससे कोहराम मच गया।

दो स्कार्पियो की आमने-सामने टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

मृतकों में पोखरिया वार्ड संख्या-37 निवासी ललन पासवान का 26 वर्षीय पुत्र ऋषभ कुमार, बैजू शर्मा का 24 वर्षीय पुत्र सन्नी कुमार और वार्ड संख्या-36 निवासी चिक्कू साह उर्फ राजन का 22 वर्षीय पुत्र हिमांशु कुमार शामिल हैं। बताया जाता है कि पोखरिया के छह दोस्त देर रात स्कॉर्पियो से गंगा स्नान के लिए सिमरिया जा रहे थे। इसी दौरान अंग्रेजी ढाला के समीप सामने से आ रही दूसरी स्कार्पियो से जोरदार टक्कर हो गई।

गाड़ियों की तेज रफ्तार के बीच हुई टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। आठ घायलों का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

मृतक ऋषभ एसबीएस कालेज में बीए पार्ट वन का छात्र था। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। वहीं सन्नी चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। घटना के बाद पोखरिया मोहल्ले में मातम पसरा है। लोगों के बीच घटना को लेकर चर्चा है। सभी इनकी दोस्ती, घटना के कारण समेत अन्य बातों पर चर्चा कर रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थिति में छात्रा की मौत

डोभी। प्रखंड के अच्छवा गांव निवासी एलएलबी अंतिम वर्ष की छात्रा दिव्या कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद उसके स्वजनों ने कथित प्रेमी राहुल कुमार पर हत्या का आरोप लगाया है। शनिवार को झारखंड के हंटरगंज थाना क्षेत्र के जजलों स्थित एक परित्यक्त माइंस के गड्ढे से बरामद शव की पहचान होने के बाद पुलिस ने हजारीबाग में पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। शव गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। माता-पिता और स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका के पिता चमारी पासवान ने बताया कि दिव्या शेरघाटी न्यायालय में एक अधिवक्ता के मुंशी के रूप में कार्य करती थी और गया स्थित अनुग्रह नारायण मेमोरियल कॉलेज में एलएलबी अंतिम वर्ष की छात्रा थी। उनके अनुसार, 24 जून की सुबह दिव्या अपनी बहन से झारखंड के कालेश्वरी मंदिर जाने की बात कहकर घर से निकली थी।

छात्र सम्मेलन में गया से हजारों छात्र करेंगे शिरकत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। पेपर लीक से लेकर शिक्षा व्यवस्था के हत्यारे धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी के मांग को लेकर कॉंग्रेस पार्टी के बैनर के तले 11 जुलाई को आयोजित होने वाले छात्र सम्मेलन में देश के करोडों छात्रों की आवाज राहुल गांधी के आह्वान पर गयाजी से हजारों, हजार की संख्या में छात्र-युवा भाग लेंगे ।

बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि प्रो विजय कुमार मिट्टू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, टिंकू गिरी, राम प्रमोद सिंह, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, मोहम्मद शामिम आलम, मुन्ना मांझी आदि ने कहा कि देश के दूसरे भगवान कहे जाने वाले डॉक्टर की पढ़ाई हेतु आयोजित होने वाले प्रतियोगिता परीक्षा नीट परीक्षा पेपर लीक की घटना मोदी सरकार के बारह वर्षों के कार्यकाल में लगातार कई बार होने से इसमें शामिल होने वाले लाखों, लाख परीक्षार्थी सहित उनके अभिभावकों में व्यापक रोष, गुस्सा एवं मायूसी है, परंतु देश के प्रधानमंत्री के चहेते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मीडिया के सामने परीक्षा में हुए भ्रष्टाचार एवं धांधली को स्वीकार करने के बाद भी इस्तीफा नहीं देने से आमजनों में भयानक आक्रोश है।

नेताओं ने कहा कि देश के सजग, सहसी , संघर्षशील, लोकप्रिय, जनप्रिय नेता, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संपूर्ण देश के छात्रों की आवाज बन कर देश के महत्पूर्ण शहरों में छात्रों का विशाल सम्मेलन कर देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी की मांग कर रहे हैं, जिसके तहत 11 जुलाई को पटना में होने वाले छात्रों के सम्मेलन में गयाजी जिला से ज्यादा से ज्यादा संख्या में छात्र, युवाओं को शामिल कराने हेतु जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है।

दोहरे हत्याकांड के गवाह की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सारण। जिले में रविवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में अधिवक्ता-पिता और पुत्र के दोहरे हत्याकांड के एक महत्वपूर्ण गवाह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पुलिस के अनुसार, 28 और 29 जून की मध्यरात्रि करीब 12:20 बजे सूचना मिली कि मेथवलिया चौक से चनचौरा जाने वाली सड़क पर एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में पड़ी है। सूचना मिलते ही गश्ती दल मौके पर पहुंचा, जहां दो युवक गंभीर रूप से घायल मिले। उनकी पहचान मेथवलिया गांव निवासी पंकज राय और मनीष कुमार के रूप में हुई। दोनों को तत्काल सदर अस्पताल, छपरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पंकज राय को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल मनीष कुमार को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच, पटना रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रारंभिक जांच में दोनों के शरीर पर गोली लगने के निशान मिले हैं। इससे स्पष्ट हुआ कि मामला सड़क दुर्घटना का नहीं, बल्कि सुनियोजित हमले का है।

घटना की सूचना मिलते ही सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार और सदर-1 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामपुकार सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से मुलाकात कर घटनास्थल का जायजा लिया। जांच के दौरान सामने आया कि मृतक पंकज राय मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 336/2024 में दर्ज अधिवक्ता-पिता और पुत्र के दोहरे हत्याकांड के अहम गवाह थे। उन्होंने पूर्व में पुलिस सुरक्षा के बीच अदालत में गवाही भी दी थी। ऐसे में पुलिस हत्या के पीछे पुरानी रंजिश और गवाही के एंगल से भी जांच कर रही है।

वारदात के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग को लेकर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देश पर विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया है। वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है तथा कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। घायल मनीष कुमार से मिली प्रारंभिक जानकारी के आधार पर पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मरीज की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही स्वजन का गुस्सा फूट पड़ा और अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू हो गया।

आक्रोशित स्वजन ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक और नर्सों पर इलाज में घोर लापरवाही बरतने और गलत इंजेक्शन देने का गंभीर आरोप लगा रहे थे। हंगामा इतना बढ़ गया कि सुरक्षा के डर से चिकित्सक समेत सभी कर्मी अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए, जिससे इमरजेंसी सेवा पूरी तरह ठप हो गई।

मखदुमपुर थाना क्षेत्र के दाउदपुर गांव की 50 वर्षीय राजमुनी देवी को सिर में तेज दर्द की शिकायत थी। रविवार रात स्वजन उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर आए थे। इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टर ने प्राथमिक जांच के बाद कुछ दवाइयां और इंजेक्शन लिखा।

स्वजन के अनुसार नर्स द्वारा इंजेक्शन लगाए जाने के कुछ ही मिनटों बाद महिला की तबीयत अचानक और ज्यादा बिगड़ने लगी। डाक्टरों ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया,लेकिन देखते ही देखते महिला ने दम तोड़ दिया। हंगामे की सूचना पर नगर थानाध्यक्ष उमेश प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने आक्रोशित स्वजन को समझाकर शांत कराने का प्रयास किया,लेकिन वे डॉक्टरों पर तत्काल एफआईआर की मांग पर अड़े रहे। इस बीच अस्पताल की व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए प्रभारी अधीक्षक डॉ प्रमोद कुमार खुद इमरजेंसी वार्ड पहुंचे।

उन्होंने डॉक्टरों को वापस बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया और अन्य मरीजों का इलाज शुरू करवाया। थानाध्यक्ष ने पीड़ित परिवार से कहा कि अगर उन्हें इलाज में लापरवाही का संदेह है, तो वे लिखित आवेदन दें। लेकिन परिवार की ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया और न ही शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

सिपाही भर्ती परीक्षा के सॉल्व्ड आंसर के साथ धराये दो वीक्षक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार, पटना द्वारा बिहार पुलिस, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस, बिहार पुलिस दूरसंचार (वितंतु) तथा तकनीकी अराजपत्रित संवर्ग में सिपाही (प्रचालक) पदों पर नियुक्ति के लिए 28 जून को आयोजित लिखित परीक्षा में बड़ी धांधली पकड़ी गई।

नोबेल क्रिएटिव एकैडमी वासुदेवपुर चपुता केंद्र पर दो वीक्षक संदिग्ध गतिविधि करते पकड़े गए। मामले में स्टेटिक दंडाधिकारी ने केंद्र अधीक्षक सहित तीन के विरुद्ध काजीपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

हाजीपुर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सह स्टेटिक दंडाधिकारी सुशील कुमार ने वीक्षक मुकुल कुमार, सचिन कुमार एवं केंद्र अधीक्षक डॉ. आराधना के विरुद्ध काजीपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस प्राथमिकी के आधार पर जांच में जुट गई है।

प्राथमिकी के अनुसार 28 जून को 12:00 से 02:00 बजे तक एकल पाली में परीक्षा आयोजित थी। परीक्षा समाप्ति के बाद स्टेटिक दंडाधिकारी सुशील कुमार, जोनल दंडाधिकारी सह वरीय उप समाहर्ता तनुजा एवं नगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक कुमार प्रमोद सिंह जब कमरा संख्या-1 में पहुंचे तो दो वीक्षकों को संदिग्ध गतिविधि करते देखा। पूछताछ में वीक्षकों ने अपना नाम मुकुल कुमार एवं सचिन कुमार बताया।

मुकुल कुमार के हाथ में एक कागज का टुकड़ा मिला, जिस पर क्रमांक 1 से 100 तक उत्तर लिखा था। प्रत्येक क्रमांक के सामने 1-अ, 2-अ, 3-इ, 4-इ से लेकर 99-इ, 100-उ तक लिखा हुआ पाया गया। उक्त उत्तर पत्र को जब्त कर लिया गया।

इसी दौरान केंद्र अधीक्षक डॉ. आराधना भी कमरे में पहुंचीं। दोनों वीक्षकों को नोवेल क्रिएटिव एकेडमी के कार्यालय में बैठाकर पूछताछ शुरू की गई। इस बीच केंद्र अधीक्षक ने अधिकारियों से बकझक करते हुए दोनों वीक्षकों को भगा दिया और कहा कि जरूरत पड़ने पर बुला दिया जाएगा। बार-बार कहने पर भी केंद्र अधीक्षक ने वीक्षकों को नहीं बुलाया।

स्टेटिक दंडाधिकारी के अनुसार, वीक्षक के पास से प्रश्न पत्र के हल जैसी आपत्तिजनक सामग्री मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जिम्मेदारी केंद्र अधीक्षक की थी, लेकिन उन्होंने थाना जाकर प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया और घर वापस चली गईं। कई बार फोन करने पर भी उन्होंने वीक्षक के विरुद्ध कार्रवाई से इनकार किया। इससे स्पष्ट है कि वीक्षकों की संदिग्ध गतिविधि में केंद्र अधीक्षक की मिलीभगत है। मुकुल कुमार, सचिन कुमार और केंद्र अधीक्षक डॉ. आराधना सहित अन्य के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

नशेड़ी गिरफ्तार

बक्सर। वाहन जांच के दौरान नगर थाना की पुलिस ने भाजपा क्रीड़ा मंच के जिला संयोजक दुर्गेश उपाध्याय उर्फ विद्रोही को नशे की हालत में कार चलाते गिरफ्तार किया गया है।

इसके साथ ही उनकी कार भी जब्त कर ली गई है। नई बाजार इलाके में पुलिस वाहन जांच कर रही थी।इसी दौरान एक कार को रोककर जांच शुरू की गई। चालक शराब के नशे में था। इसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान भाजपा क्रीड़ा मंच के जिला संयोजक दुर्गेश उपाध्याय उर्फ विद्रोही के रूप में की गई है।

इस दौरान गाड़ी रोके जाने को लेकर उन्होंने पुलिस के साथ हंगामा भी किया। ब्रेथ एनालाइजर से जांच में शराब पीने की पुष्टि होते ही उन्हें गिरफ्तार करते हुए कार को जब्त कर लिया गया।

आरोपित को जुमार्ना के लिए कोर्ट भेज दिया गया है। उनकी कार अभी जब्त है और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही छूटेगी।

दुर्गेश की बीते दिनों एक मामले को लेकर नगर थाना में पुलिस अधिकारियों से कहासुनी हुई थी।

अवैध हथियार और कारतूस के साथ तीन लोग धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नाथनगर थाना क्षेत्र के शंकरपुर दियारा से तीन अपराधियों को अवैध हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे।

भागलपुर के सिटी एसपी अतुलेश झा ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी शंकरपुर दियारा इलाके में हथियार जमा कर बड़ी घटना की साजिश रच रहे हैं। सूचना के आधार पर नाथनगर थाना पुलिस, एसटीएफ और सशस्त्र बल की संयुक्त टीम ने छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने नाथनगर थाना क्षेत्र के लालूचक निवासी भरत कुमार, सबौर थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी नंदकिशोर मंडल तथा परबत्ता थाना क्षेत्र के शंकरपुर दियारा निवासी भोला मंडल को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक देसी मस्केट, एक दोनाली बंदूक, एक देसी कट्टा, 39 जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

सिटी एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ की जा रही है।

उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बरामद हथियारों का इस्तेमाल किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए किया जाना था।

कृषि और सहकारिता से होगा विकसित बिहार का सपना पूरा : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में कृषि और सहकारिता के माध्यम से राज्य को वर्ष 2047 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जल्द ही बिहार सहकारिता नीति-2026 लागू की जाएगी। यह जानकारी सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने सोमवार को पटना के शास्त्री नगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में आयोजित सहकारिता सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर दी। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के गठन के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल), नई दिल्ली एवं बिहार सहकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 6 जुलाई 2021 को अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद देश में सहकारिता आंदोलन को नई दिशा मिली है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सहकारी नीति-2025 लागू की गई है जिसके अनुरूप बिहार भी अपनी नई सहकारिता नीति-2026 लाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की युवा आबादी राज्य की सबसे बड़ी ताकत है। सहकारिता क्षेत्र के विस्तार से गांवों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और पलायन पर रोक लगेगी। उनके अनुसार प्रत्येक पंचायत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मंत्री ने बताया कि राज्य के सभी 8,463 पैक्स में मॉडल बायलॉज लागू कर उन्हें मल्टीपर्पस पैक्स के रूप में विकसित किया जा चुका है। वहीं सभी प्रखंडों में प्राथमिक सब्जी सहकारी समितियों में भी मॉडल बायलॉज लागू करने की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा बिहार में अब तक 13,370 डेयरी सहकारी समितियों का गठन हो चुका है तथा 'सात निश्चय-3' के तहत अगले तीन वर्षों में राज्य के सभी 45 हजार गांवों में डेयरी सहकारी समितियों का गठन किया जाएगा। सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि सहकारिता सप्ताह के तहत 6 जुलाई तक राज्य के सभी जिलों एवं प्रखंडों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य पैक्स तथा जमीनी स्तर की सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाना और सहकारिता आंदोलन को गांव-गांव तक पहुंचाना है। इस अवसर पर बिस्कोमान के अध्यक्ष विशाल सिंह ने कहा कि पिछले दो वर्षों में सहकारी समितियों को व्यापक जनसमर्थन मिला है जो इनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। समारोह में बीबीएसएसएल के अध्यक्ष योगेंद्र कुमार, सहकारिता विभाग के निबंधक रजनीश कुमार सिंह, अपर सचिव अभय कुमार सिंह, वेजफेड के प्रबंध निदेशक डॉ. गगन, बिहार राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह, पैक्स प्रतिनिधियों सहित सहकारिता क्षेत्र से जुड़े बड़ी संख्या में हितधारक उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर प्रवास के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने श्रीनगर और गुलमर्ग का किया भ्रमण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने जम्मू एवं कश्मीर प्रवास के दौरान सपरिवार श्रीनगर के प्रमुख ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक का दौरा कर उसके सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। प्रवास के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने विश्वप्रसिद्ध डल झील में पारंपरिक शिकारा पर नौकाविहार का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि डल झील की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत देश-विदेश के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। उन्होंने जम्मू एवं कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र में हुए सकारात्मक विकास और बेहतर आधारभूत सुविधाओं की भी सराहना की। डॉ. प्रेम कुमार ने विश्वविख्यात पर्यटन स्थल गुलमर्ग का भी भ्रमण किया। वहां स्थित गुलमर्ग क्लब में उन्होंने गोल्फ खेला और क्षेत्र की मनोरम प्राकृतिक छटा का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि गुलमर्ग की हरी-भरी वादियां, प्राकृतिक सौंदर्य और विश्वस्तरीय पर्यटन सुविधाएं इसे भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विशेष पहचान दिलाती हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू एवं कश्मीर की प्राकृतिक संपदा, सांस्कृतिक विविधता और यहां के लोगों का आत्मीय व्यवहार 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और अधिक सशक्त बनाता है। डॉ. प्रेम कुमार ने देशवासियों से जम्मू एवं कश्मीर के पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर वहां की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर का अनुभव करने का आह्वान किया।

राज्यभर में तैयार होंगे मास्टर ट्रेनर्स, अधिकारी से लेकर कर्मियों तक को मिलेगा नियमों का प्रशिक्षण : मुख्य सचिव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा नियमों एवं अनुशासनिक प्रक्रियाओं में दक्ष बनाने के लिए राज्यभर में मास्टर ट्रेनर्स का विशेष समूह तैयार कर रही है। इन प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने के बाद वे पूरे राज्य में अधिकारियों और कर्मियों को संबंधित नियमों की जानकारी देंगे। यह बात मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने नई दिल्ली स्थित सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) में आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कही। बिहार मुख्य जांच आयुक्त निदेशालय की ओर से आयोजित यह प्रशिक्षण अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1969 तथा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 पर आधारित है। मुख्य सचिव ने कहा कि आईएसटीएम प्रशासनिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में देश का प्रतिष्ठित संस्थान है। यहां प्रशिक्षित होने वाले सभी मास्टर ट्रेनर्स बिहार लौटकर अपने ज्ञान का प्रसार करेंगे और राज्य के प्रशासनिक पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों को सेवा नियमों और अनुशासनिक प्रक्रियाओं में दक्ष बनाएंगे। उन्होंने बताया कि यह बिहार में प्रशिक्षकों का विशेष समूह तैयार करने की दिशा में एक पायलट परियोजना है। भविष्य में इन प्रशिक्षकों के माध्यम से राज्यभर में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन सत्र में महानिदेशक सह मुख्य जांच आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि यह मास्टर ट्रेनर्स के लिए पहला पायलट बैच है और आने वाले समय में अन्य बैचों को भी आईएसटीएम में प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि बिहार में अनुशासनिक कार्रवाई से जुड़े लगभग 99 प्रतिशत मामले प्रक्रियागत त्रुटियों के कारण न्यायालय में टिक नहीं पाते। अधिकांश मामलों का निस्तारण तकनीकी आधार पर हो जाता है जिससे सरकार की छवि प्रभावित होती है और आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए भविष्य में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ लिपिकीय कर्मचारियों तक के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अनुशासनिक मामलों की प्रक्रिया में होने वाली त्रुटियों को कम किया जा सके और प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी बन सके।

राज्य की प्रमुख विकास योजनाओं के लिए 45,748 एकड़ भूमि का अधिग्रहण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में आधारभूत संरचना और विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने भूमि अधिग्रहण अभियान में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। विभाग ने राज्य की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए अब तक 45,748 एकड़ से अधिक भूमि का अधिग्रहण किया है। विभाग के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार की कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में करीब 30 हजार करोड़ रुपये की लागत से यह अधिग्रहण किया गया है। उद्योगों के विस्तार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 24 जिलों में उद्योग विभाग के लिए भूमि अधिग्रहित की गई है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच), राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ), एक्सप्रेसवे, रेलवे तथा पथ निर्माण विभाग की विभिन्न परियोजनाओं के लिए भी बड़े पैमाने पर भूमि उपलब्ध कराई गई है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी), जल संसाधन विभाग, विभिन्न हवाई अड्डों तथा मधुबनी, सुपौल और कटिहार में व्यवहार न्यायालयों के निर्माण के लिए भी आवश्यक भूमि का अधिग्रहण किया है। विभाग का कहना है कि भूमि अधिग्रहण की इस तेज प्रक्रिया से राज्य की आधारभूत संरचना, औद्योगिक विकास, परिवहन नेटवर्क और प्रशासनिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन को गति मिलेगी।

दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न, संगठन सशक्त बनाने का लिया संकल्प

जनता के बीच सक्रिय रहें कार्यकर्ता, तभी मजबूत होगी कांग्रेस : कृष्णा अल्लावरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्षों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में संपन्न हो गया। समापन अवसर पर पार्टी के प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि संगठन को मजबूत किए बिना किसी भी कार्यक्रम को सफल नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। केवल चुनाव के समय सक्रिय होकर नेता बनने से किसी का भला नहीं होगा। कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए लगातार जनता के बीच रहकर काम करना आवश्यक है। प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी डॉ. कन्हैया कुमार ने कहा कि कांग्रेस बूथ स्तर पर मजबूत होगी तभी दिल्ली में भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि प्रखंड अध्यक्ष ही प्रदेश अध्यक्ष की वास्तविक ताकत हैं। जनता किसी समस्या को लेकर नेता के पास पहुंचे, उससे पहले नेता स्वयं जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझे और समाधान का प्रयास करे। यही कांग्रेस की कार्यशैली और पहचान है। दूसरे दिन प्रशिक्षुओं ने प्रभातफेरी निकाली। इस दौरान पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम से कुर्जी मोड़ होते हुए प्रभातफेरी साईं बाबा मंदिर पहुंची। वहां से पाटलीपुत्र गोलंबर होते हुए गोसाईं टोला के रास्ते सदाकत आश्रम वापस लौटी। प्रभातफेरी के बाद प्रशिक्षुओं ने आश्रम परिसर में श्रमदान से सफाई की। प्रशिक्षण शिविर का समापन कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक मजबूत बनाने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के संकल्प के साथ हुआ।

एस.बी.आई. पेंशनर्स एसोसिएशन के कार्यालय का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एस.बी.आई. पेंशनर्स एसोसिएशन, पटना मंडल के कार्यालय का उद्घाटन अनुराग जोशी, मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, पटना मंडल के कर कमलों द्वारा पटना मुख्य शाखा के प्रथम तल पर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सी पी सिंह द्वारा मुख्य महाप्रबंधक को पुष्प गुच्छ तथा महासचिव हरेन्द्र प्रसाद द्वारा शॉल प्रदान कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस शुभ अवसर पर उपस्थित योगेंद्र शेल्के, महाप्रबंधक (दक्षिण बिहार), बिजय कुमार सामल, महाप्रबंधक (उत्तर बिहार), बेणुधर पाढ़ी, महाप्रबंधक (झारखंड), देवेश मित्तल, उप महाप्रबंधक तथा मंडल विकास अधिकारी को भी पुष्प गुच्छ तथा शॉल प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। राजीव कुमार दास उपाध्यक्ष ने पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से मुख्य महा प्रबंधक के स्वागत और सम्मान में अभिनंदन पत्र पढ़ कर उन्हें भेंट किया। मुख्य महाप्रबंधक ने पेंशनर्स द्वारा बैंक में उनके निष्ठावान तथा समर्पित सेवा और उनके योगदान का स्मरण करते हुए उनके सुखद एवं शांतिमय जीवन की कामना की तथा आश्वस्त किया कि बैंक पेंशनर्स के बैंक से संबंधित किसी भी समस्या के प्रति बैंक सदा सजग और सचेष्ट है।

छात्र सम्मान समारोह में मेधावियों को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के बोरिंग रोड स्थित सिविल्स फोड़ो के प्रांगण में आज 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के सम्मान में छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न रैंक हासिल करने वाले सफल अभ्यर्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। सम्मानित होने वाले अभ्यर्थियों में शाहीन आफरीन (रैंक-49), अविनाश कुमार (78), शिवेंदु आनंद (87), धनंजय कुमार (368), सेजल कुमार (475), श्वेता भारती (505), अमरजीत कुमार (736), प्रांजलि राज (1172), प्रकृति कुमारी

(1847), मयंक कुमार (3412) तथा किरण कुमारी (4049) शामिल रहे। कार्यक्रम में सभी सफल अभ्यर्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें प्रशासनिक सेवा के माध्यम से समाज और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। समारोह के आयोजक एवं प्रबंध निदेशक दीपक प्रकाश (एम.ए. इन इंटरनेशनल रिलेशंस, यूनिवर्सिटी ऑफ इंडियानापोलिस, यूएसए) ने कहा कि बीपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि आज के युवा अपनी मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के बल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं जो अन्य अभ्यर्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। दीपक प्रकाश ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा में ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करना ही उनकी सबसे बड़ी पहचान होगी। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से निरंतर मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखने का आह्वान किया तथा कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि निरंतर प्रयास ही मंजिल तक पहुंचाता है।

'मिशन निपुण' के पांच वर्ष पूरे होने पर विद्यालयों में मनाया जाएगा पठन पर्व

1 से 7 जुलाई तक सभी प्राथमिक विद्यालयों में पठन पर्व मनाने का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षा विभाग ने 1 से 7 जुलाई तक राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में पठन पर्व मनाने का आदेश दिया है। यह पर्व मिशन निपुण के 5 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में मनाया जाएगा। शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी डीईओ, डीपीओ (समग्र शिक्षा) और बीईओ के पास पत्र भेजकर इसे मनाने का आदेश दिया है। पत्र में कहा गया है कि इस कार्यक्रम के तहत दूसरी कक्षा के सभी बच्चे रोज 15 मिनट तक अपनी पसंदीदा भाषा हिन्दी, उर्दू, बांग्ला, मैथिली या अंग्रेजी में कहानी, कविता या अनुच्छेद का जोर-जोर से वाचन करेंगे। सामग्री का चयन बच्चों की आयु व कक्षा के अनुरूप स्कूल के शिक्षक करेंगे। पठन सामग्री का चयन सिलेबस के अलावा स्कूल की लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों एवं अन्य पठन सामग्रियों से किया जाएगा। 'पठन पर्व' को अधिक प्रभावी बनाने के लिए उच्चतर कक्षाओं के विद्यार्थी छोटे बच्चों को जरूरत के अनुसार वाचन में सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही जो बच्चे किसी कारणवश स्कूल में उपस्थित नहीं हो सकेंगे, उनके लिए घर से ही सहभागिता की व्यवस्था की गई है। स्कूल के शिक्षक अपने पोषण क्षेत्र के बच्चों के अभिभावकों को व्हाट्सएप के माध्यम से कहानियां, कविताएं एवं अन्य पठन सामग्री उपलब्ध कराएंगे तथा जरूरी दिशा-निर्देश साझा करेंगे।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एक्शन समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगामी 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के मद्देनजर एक्शन समिति की पहली बैठक गांधी संग्रहालय, पटना में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, समाजसेवियों एवं एक्शन ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने किया। इस अवसर पर कुमार अनुपम ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा उपस्थित सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को छात्रों के बीच जाकर उनसे संपर्क एवं संवाद स्थापित करना है तथा उन्हें 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व की जानकारी देनी है। उन्होंने आगे कहा कि आज भारत की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था सिलेक्शन (चयन) प्रक्रिया कम और रिजेक्शन (अस्वीकृति) प्रक्रिया अधिक बन गई है। लाखों युवा वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन सीमित अवसरों, भर्ती में देरी और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के कारण अधिकांश छात्रों को निराशा का सामना करना पड़ता है। बैठक में कांग्रेस नेता एवं एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने भी उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'छात्रों की गूंज' कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशभर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं की आवाज है। यह उन छात्रों और उनके परिवारों की पीड़ा एवं संघर्ष को सामने लाने का प्रयास है जो वर्षों की कठिन मेहनत के बावजूद अपने परिश्रम का उचित परिणाम नहीं प्राप्त कर पाते। कन्हैया कुमार ने कहा कि यदि देश की शीर्ष पांच प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों द्वारा खर्च की जाने वाली राशि को जोड़ दिया जाए तो वह भारत सरकार के कई मंत्रालयों के कुल बजट से भी अधिक होगी। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि छात्रों की समस्याओं, चुनौतियों और अपेक्षाओं को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया जाए।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर प्रो. पी.सी. महालनोबिस को श्रद्धांजलि

छात्रों को सांख्यिकी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए किया प्रेरित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में सोमवार को प्रख्यात सांख्यिकीविद् प्रो. पी.सी. महालनोबिस की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कर्पूरी सदन परिसर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में किया गया। इस वर्ष समारोह की थीम 'एडमिनिस्ट्रेटिव डेटा की क्षमता को अनलॉक करना' रही जिसका उद्देश्य आधिकारिक सांख्यिकी तंत्र को मजबूत करना तथा जनहित में विश्वसनीय आंकड़ों के उपयोग के प्रति

जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं प्रो. महालनोबिस की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। उद्घाटन उप महानिदेशक एवं क्षेत्रीय प्रमुख रोशन लाल साहू ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सांख्यिकी केवल अनुसंधान का माध्यम नहीं, बल्कि सुशासन की मजबूत आधारशिला भी है। उन्होंने युवाओं से सांख्यिकी के महत्व को समझने और इस क्षेत्र में करियर बनाने का आह्वान किया। उपनिदेशक परिमल ने प्रशासनिक आंकड़ों के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जनगणना, जन्म-मृत्यु, स्वास्थ्य एवं विवाह से जुड़े आंकड़े देश की नीतियों के निर्माण और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथियों में बिहार सरकार के उपनिदेशक (डीईएस) वीरेन्द्र कुमार तथा पटना विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. प्रमित कुमार, डॉ. डौली भारती एवं डॉ. सुरभि सुमन ने सांख्यिकी के शैक्षणिक और व्यावहारिक महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने विद्यार्थियों में सांख्यिकी विषय के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी सुशील कुमार सिंह द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के सांख्यिकी विषय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में स्वागत भाषण सहायक निदेशक आर.के. झा ने दिया। इस अवसर पर सहायक निदेशक रश्मि रंजन, सुधीर कुमार झा, ए.के. पाठक, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी, कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी तथा कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी मंजूषा कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बाबा नागार्जुन की जयंती पर डॉ. प्रेम कुमार ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हिंदी और मैथिली साहित्य के प्रख्यात कवि, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता बाबा नागार्जुन की जयंती पर बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बाबा नागार्जुन भारतीय साहित्य के ऐसे जनकवि थे जिन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज के वंचित, गरीब, किसान और मजदूर वर्ग के संघर्षों को सशक्त स्वर दिया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बाबा नागार्जुन का मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र था और वे मैथिली साहित्य में 'यात्री' नाम से रचनाएं करते

थे। उनकी रचनाओं में जनवादी विचारधारा की स्पष्ट झलक मिलती है और उन्होंने सामाजिक सरोकारों को साहित्य के केंद्र में स्थापित किया। उन्होंने बताया कि बाबा नागार्जुन ने कविता के साथ-साथ उपन्यास, लघुकथाएं, आत्मकथाएं और यात्रा-वृत्तांत भी लिखे। उनकी प्रमुख कृतियों में 'बादल को घिरते देखा है', 'युगधारा', मैथिली की चर्चित कृति 'पत्रहीन नग्न गाछ' तथा 'हजार-हजार बांहों वाली' शामिल हैं जो आज भी साहित्य प्रेमियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि साहित्य के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा कि बाबा नागार्जुन का साहित्य सामाजिक चेतना, मानवीय संवेदना और जनपक्षधरता का सशक्त दस्तावेज है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

हिन्दुस्तान जिंक ने पूरे किये 60 साल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 सिल्वर उत्पादकों में से एक वेदांता ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपनी 60वीं वार्षिक आम बैठक में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। संचालन के छह दशक पूरे होने पर हिंदुस्तान जिंक 2.0 विजन को और मजबूत किया जो भविष्य के लिए तैयार मल्टी-मेटल एंटरप्राइज बनने की दिशा में एक निरंतर बदलाव की प्रक्रिया है। चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों में घरेलू क्षमताओं का विकास भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक प्रमुख आधार होगा। इसी दिशा में हिंदुस्तान जिंक की भूमिका लगातार विकसित हो रही है। हमारा लक्ष्य एक भविष्य तैयार ऊर्जा परिवर्तन कंपनी बनना है जो अनेक धातुओं और महत्वपूर्ण खनिजों में अपनी ताकत बढ़ाते हुए भारत के औद्योगिक विकास को गति दे और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को सशक्त बनाए।

केवाइपी परीक्षा के लिए कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी में तैयारियां पूरी

एक से तीन जुलाई तक आयोजित होगी परीक्षा: डॉ. आनंद रंजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जन्दाहा (वैशाली)। कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जन्दाहा के निदेशक डॉ. आनंद रंजन झा ने बताया कि बिहार कौशल विकास मिशन के अंतर्गत 1 जुलाई से 3 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाली केवाईपी नॉन-डोमेन परीक्षा के लिए पात्र प्रशिक्षुओं के स्लॉट-वाइज हॉल टिकट जारी कर दिए गए हैं। सभी प्रशिक्षुओं को उनके निर्धारित परीक्षा स्लॉट की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है तथा परीक्षा को लेकर आवश्यक

तैयारियां पूरी कर ली गई है। डॉ. झा ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे अपने निर्धारित परीक्षा स्लॉट के अनुसार समय से परीक्षा केंद्र पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों। उन्होंने कहा कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए संस्थान द्वारा प्रशिक्षुओं को लगातार मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ परीक्षा दें तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर एक मजबूत कदम बढ़ाएं। बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा जारी परीक्षा कार्यक्रम एवं स्लॉट के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो,मंगलवार 30 जून 2026

संपादकीय

वेनेजुएला : भूकंप की विनाशलीला

दक्षिणी अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए भयंकर भूकंप से हुई विनाशलीला दिल दहला देने वाली है। वहां भूकंप के एक के बाद एक झटके आए, जोकि अपने आप में बहुत विरल माना जाता है। भयानक भूकंप से इस देश की राजधानी कराकस समेत कई शहर तबाह हो गए हैं। वहां गुरुवार को 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंपों से तबाही मच गई। महज 40 सेकेंड में राजधानी कराकास की ऊंची इमारतें मलबे के ढेर में बदल गईं। अब तक इस हादसे में 235 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और 4300 से घायल हैं। वेनेजुएला सरकार के मुताबिक 39 हजार से अधिक लोग लापता हैं। कई लोग मलबे के अंदर दबे हुए हैं। जिन्हें निकालने का काम बचाव टीमें कर रही हैं। भूकंप से मरने वालों की संख्या अनुमानित से कहीं ज्यादा हो सकती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वेनेजुएला में भूकंप के बाद 30 आफ़्टर शॉक्स भी इतनी तेजी से आए कि बहुत से लोगों को जूते पहनने का भी नहीं मिला मौका। राष्ट्रपति रोड्रिगेज़ ने आगे बताया कि क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे और घरों के पुनर्निर्माण में मदद के लिए इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ़) से 20 करोड़ डॉलर का फ़ंड बनाया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लगी पाबंदी हटा दी गई है। लोग सोशल मीडिया की ओर शिफ़्ट कर रहे हैं और लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। वैसे भी भूकंप कभी कह कर नहीं आता। लेकिन इस प्रमुख तेल उत्पादक देश में 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30% आशंका है। इस भूकंप की विनाशकता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिगेज़ ने कहा कि शहर में 'दर्जनों' इमारतें ढह गई हैं। उन्होंने ला ग्वेइरा को 'आपदा क्षेत्र' और 'वास्तविक त्रासदी' बताया। इसके अलावा मिरांडा, अरागुआ, काराबोबो और फाल्कोन राज्य भी भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। एक और अहम बात यह है कि वेनेजुएला में भूकंप के दो झटके आए, उन्हें जुड़वा भूकंप कहा जाता है। जब कभी एक ही फॉल्ट लाइन पर दो बार प्लेटों के टूटने से एनर्जी निकलती है और दोनों बार बड़े भूकंप आते हैं। इनका एपिसेंटर यानी उद्गम केंद्र एक-दूसरे के बहुत करीब होता है। जुड़वा भूकंपों के बीच कुछ सेकेंड से लेकर कई सालों का अंतर हो सकता है। वेनेजुएला में ये महज 38 सेकेंड के भीतर आ गया। इस बीच देश में आपातकाल लगा दिया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोड्रिगेज़ से बात कर मानवीय आधार पर मदद की पेशकश की है। दरअसल यह लातिनी अमेरिकी देश पिछले कुछ महीनों से काफी उथल-पुथल से गुज़र रहा है। इसी साल की शुरुआत में अमेरिका ने वामपंथी नेता निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया था और उन पर मुक़दमा चलाने के लिए उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया। तबसे वेनेजुएला का कामकाज रोड्रिगेज़ कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर मादुरो की सहयोगी और पूर्व उप राष्ट्रपति डेल्सी संभाल रही हैं। वेनेजुएला में यह भूकंप 'गरीबी में आटा गीला' जैसी स्थिति है। कार्यवाहक राष्ट्रपति पहले ही अमेरिका के दबाव में काम कर रही है।

क्या आपका बच्चा भी स्कूल के खेल दिवस ,दौड़ प्रतियोगिता या क्लास के सामने स्पीच देने वाले दिन सुबह-सुबह चिड़चिड़ा या अड़ियल रवैया अपनाने लगता है? क्या वह स्कूल जाने या कक्षा के सामने बोलने से साफ मना कर देता है? अगर हाँ, तो माता-पिता के तौर पर आप अकेले नहीं हैं जो इस स्थिति का सामना कर रहे हैं।

बच्चा चुनौतियों से भाग रहा है या डर रहा है? पैरेंट्स सिखाएं साहस का असली मतलब

(रेनू तिवारी)

दौड़ प्रतियोगिता या क्लास के सामने स्पीच देने वाले दिन सुबह-सुबह चिड़चिड़ा या अड़ियल रवैया अपनाने लगता है? क्या वह स्कूल जाने या कक्षा के सामने बोलने से साफ मना कर देता है? अगर हाँ, तो माता-पिता के तौर पर आप अकेले नहीं हैं जो इस स्थिति का सामना कर रहे हैं। क्या आपका बच्चा भी स्कूल के खेल दिवस ,दौड़ प्रतियोगिता या क्लास के सामने स्पीच देने वाले दिन सुबह-सुबह चिड़चिड़ा या अड़ियल रवैया अपनाने लगता है? क्या वह स्कूल जाने या कक्षा के सामने बोलने से साफ मना कर देता है? अगर हाँ, तो माता-पिता के तौर पर आप अकेले नहीं हैं जो इस स्थिति का सामना कर रहे हैं। कई बच्चों के लिए ऐसे मौके गहरी चिंता, घबराहट और मानसिक दबाव का कारण बन जाते हैं। उनके मासूम मन में कई तरह के डरावने सवाल उठते हैं– 'अगर मैं सबसे पीछे रह गया तो?', 'अगर सब मेरा मज़ाक उड़ाएंगे तो?', 'अगर मुझसे कोई गलती हो गई तो?' ऐसे समय में पैरेंट्स एक अजीब कशमकश में फंस जाते हैं। बहुत ज्यादा दबाव डालने पर सुबह का माहौल तनावपूर्ण हो जाता है, वहीं बच्चे को घर पर रुकने की छूट देने पर यह चिंता सताती है कि कहीं हम उसे चुनौतियों से भागना तो नहीं सिखा रहे? आइए समझते हैं कि इस स्थिति को समझदारी और संवेदनशीलता से कैसे संभालें।

डर से भागना समस्या को और बढ़ाता है- साइकोलॉजी क्या कहती है? – जब हम किसी ऐसी चीज़ से बचते हैं जिससे हमें डर लगता है, तो हमारे दिमाग को तुरंत राहत महसूस होती है। यह तात्कालिक राहत बहुत असरदार होती है, जो बच्चे के मस्तिष्क को यह गलत संदेश देती है कि चुनौती से बचना ही सबसे सुरक्षित रास्ता है। डर का चक्र- समय के साथ डर और ज्यादा बड़ा होता जाता है और उससे भागने की प्रवृत्ति मजबूत हो जाती है। इसीलिए बच्चों के लिए यह बेहतर है कि वे अपने डर का सामना जल्द करें, इससे पहले कि वह उनकी आदत बन जाए। नोट- इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि बच्चे को उसकी घबराहट के बावजूद जबरन किसी मुश्किल स्थिति में धकेल दिया जाए। अत्यधिक दबाव उसके मन में इस डर को स्थायी बना सकता है।

परेशानी की असल वजह को पहचानें – अगर आपको पहले से अंदेशा है कि स्कूल में कोई ऐसा कार्यक्रम है जिससे बच्चा असहज हो सकता है, तो पहले ही शांत माहौल में उससे बात करें। सहज तरीके से यह समझने की कोशिश करें कि वह वास्तव में किस बात से डर रहा है

क्या पिछली बार उसके साथ कुछ बुरा हुआ था?

क्या दोस्तों या क्लासमेट्स से जुड़ी कोई परेशानी है?

क्या उसे असफल होने या मज़ाक उड़ाए जाने का डर है?

टिप- बच्चों से हमेशा आमने-सामने बैठकर बात करने के बजाय सोने से पहले, टहलते समय या गाड़ी में सफर के दौरान बात करें। जब सीधा आंखों का संपर्क नहीं होता, तो बच्चे अपनी कठिन भावनाओं को ज्यादा आसानी से व्यक्त कर पाते हैं। तुरंत यह न कहें कि चिंता मत करो, सब ठीक हो जाएगा–इससे बच्चे को लगता है कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। उसकी भावनाओं को स्वीकार करें समाधान सुझाने से पहले बच्चे को यह महसूस कराएं कि उसका डरना बिल्कुल स्वाभाविक है। आप कह सकते हैं, मैं समझ सकता हूँ कि यह बात अभी तुम्हें बहुत बड़ी लग रही है। ऐसे में चिंतित होना बिल्कुल नॉर्मल है। इसके बाद थोड़ा मौन रहें, यदि बच्चा रोता है तो उसे रोने दें। उसे गले लगाकर कहें, यह सचमुच मुश्किल लग रहा है, लेकिन हम साथ हैं।

मिलकर बनाएं माइक्रो-प्लान – बच्चे के साथ मिलकर एक ऐसी योजना बनाएं जो उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराए। उससे पूछें, वहां जाना थोड़ा आसान कैसे हो सकता है? ऐसा कौन सा छोटा कदम है जिसे तुम संभाल सकते हो? यदि वह दौड़ने से डरता है, तो उसे दौड़ने के बजाय केवल पैदल चलकर रेस पूरी करने का विकल्प दें।यदि वह स्टेज पर बोलने से डरता है, तो पूरी क्लास के बजाय पहले किसी एक भरोसेमंद टीचर को अपना भाषण सुनाने की योजना बनाएं।शुरुआत में केवल कार्यक्रम में उपस्थित रहना और दूसरों को देखना भी एक बड़ा कदम हो सकता है।

कार्यक्रम या प्रतियोगिता वाले दिन क्या करें? – शांत रहें- उस दिन सुबह शांत भाव से उसे पहले हुई बातचीत और बनाई गई योजना की याद दिलाएं। दबाव न डालें- आप कह सकते हैं, स्कूल जाने का समय हो गया है। मुझे पता है कि यह आसान नहीं है और तुम्हारा मन वहां जाने का नहीं कर रहा है। साथ होने का अहसास- उसकी पीठ पर हल्का हाथ रखना या सिर्फ इतना कहना, मैं तुम्हारे साथ हूँ, बच्चे को बहुत हिम्मत देता है। साहस का मतलब डर का न होना नहीं है, बल्कि डर के बावजूद आगे बढ़ पाना है।

क्या पिछली बार कुछ बुरा हुआ था? – क्या दोस्तों से जुड़ी कोई परेशानी है? क्या उसे असफल होने, दूसरों के फैसले का सामना करने या मजाक उड़ाए जाने का डर है? आप कह सकते हैं, ''जब पापा ने खेल दिवस का जिक्र किया था, तब मैंने देखा कि तुम अचानक चुप हो गए थे। क्या इसकी कोई बात तुम्हें परेशान कर रही है?'' बच्चे हमेशा तुरंत अपने मन की बात शब्दों में नहीं कह पाते, इसलिए उन्हें समय दें। अक्सर आमने-सामने बैठकर बात करने के बजाय सोने से पहले, टहलते समय या साथ गाड़ी में सफर करते हुए ऐसी बातचीत करना ज्यादा आसान होता है। आंखों में सीधा संपर्क न होने पर बच्चों को कठिन भावनाओं के बारे में सोचना और बताना अपेक्षाकृत आसान लगता है। कोशिश करें कि तुरंत यह न कहें, ''सब ठीक हो जाएगा'' या ''चिंता की कोई बात नहीं है''। बच्चे को यह लग सकता है कि उसकी भावनाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। कई बार सिर्फ ध्यान से सुनना ही बच्चे को खुलकर बात करने में मदद करता है। उसकी भावना को स्वीकार करें जब आपको स्थिति की कुछ समझ हो जाए, तो समाधान सुझाने से पहले बच्चे को यह महसूस कराएं कि उसकी भावना स्वाभाविक है। जब बच्चों को लगता है कि उनकी बात सुनी गई है, तब वे समाधान के बारे में सोचने के लिए ज्यादा तैयार होते हैं। आप कह सकते हैं, ''मैं समझ सकता हूं कि यह बात अभी तुम्हें बहुत बड़ी लग रही है। ऐसे में चिंतित होना बिल्कुल स्वाभाविक है।'' इसके बाद कुछ क्षण चुप रहें। संभव है बच्चा रोने लगे। कई बार डर और चिंता को समझने तथा स्वीकार करने की प्रक्रिया का यह भी हिस्सा होता है। यही वह समय होता है जब माता-पिता का मन बच्चे को तुरंत बचाने या ढांढस बंधाने का करता है। लेकिन इसके बजाय उसके साथ बने रहने की कोशिश करें। आप उसे गले लगाकर बस इतना कह सकते हैं, ''यह सचमुच मुश्किल लग रहा है।'' फिर मिलकर योजना बनाएं अब बच्चे की मदद करें ताकि वह सोच सके कि किसी गतिविधि में शामिल होने का ऐसा कौन-सा तरीका हो सकता है जो उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराए। आप पूछ सकते हैं, ''तुम्हें क्या लगता है, वहां जाना थोड़ा आसान कैसे हो सकता है? ऐसा कौन-सा छोटा कदम है जिसे तुम संभाल सकते हो?'' संभव है वह दौड़ने के बजाय क्रॉस-कंट्री में पैदल चलना चाहे, या पूरी कक्षा के सामने बोलने से पहले अपना भाषण किसी भरोसेमंद शिक्षक को सुनाना चाहे। कभी-कभी शुरुआत में केवल कार्यक्रम में उपस्थित रहना और दूसरों को देखना भी एक अच्छा कदम हो सकता है। कुछ मामलों में शिक्षक से भी बात करना उपयोगी रहता है, ताकि स्कूल और घर दोनों जगह एक जैसी योजना पर काम हो सके। उद्देश्य यह नहीं है कि बच्चा शानदार प्रदर्शन करे, बल्कि यह है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार भागीदारी कर सके। जल्दबाजी या दबाव से बचें। अगर बच्चा कहे, ''मुझे नहीं पता'', तो यह स्वीकार करें कि चिंता की स्थिति में सोचना मुश्किल होता है। कई बार थोड़ी देर का विराम लेकर बाद में विकल्पों पर चर्चा करना बेहतर रहता है। कार्यक्रम वाले दिन क्या करें उस दिन शांत भाव से उसे पहले हुई बातचीत और योजना की याद दिलाएं। आप कह सकते हैं, ''चलने का समय हो गया है। मुझे पता है कि यह आसान नहीं है और तुम्हारे मन में अब भी वहां जाने के लिए मना कर रहा है।'' अगर बच्चा परेशान हो जाए, तो उसके साथ बने रहें और उसकी भावनाओं को समझें। आपको हर समस्या का तुरंत समाधान ढूंढ़ने या उसे जल्दी संभालने की जरूरत नहीं है। पीठ पर हल्का हाथ रखना या सिर्फ इतना कहना, ''मैं तुम्हारे साथ हूं'', अक्सर काफी होता है। बच्चों को कई बार अपने डर को महसूस करने की जरूरत होती है, तभी वे उससे आगे बढ़ पाते हैं। यहीं से साहस पैदा होता है। साहस का मतलब डर का न होना नहीं है, बल्कि डर के बावजूद आगे बढ़ पाना है। जब बच्चे यह अनुभव करते हैं कि वे अपनी चिंताओं के साथ भी किसी गतिविधि में हिस्सा ले सकते हैं, तो चुनौतियों का सामना करने की उनकी क्षमता पर विश्वास बढ़ने लगता है। क्या कभी बच्चे की इच्छा के अनुसार चलना ठीक है? कुछ परिस्थितियों में हां। अगर बच्चा बहुत ज्यादा परेशान है, तो कभी-कभी एक कदम पीछे हटना उसे दोबारा नियंत्रण महसूस करने में मदद कर सकता है। किसी एक अवसर पर भाग न लेना कोई बड़ी समस्या नहीं है। बच्चों को कुछ चीजें पसंद न हों, यह भी स्वाभाविक है। चिंता तब होती है जब यह एक आदत बन जाए–जब बच्चा बार-बार बचने लगे या उन गतिविधियों से भी दूर रहने लगे जिन्हें वह वास्तव में करना चाहता है। अगर वह परेशान किए जाने (बुलिंग) का डर महसूस कर रहा है तो हो सकता है उसके साथ कुछ बुरा अनुभव रहा हो, तो किसी मनोवैज्ञानिक से परामर्श लेना उपयोगी हो सकता है। उपलब्धि और भागीदारी को लेकर घर में कैसी सोच विकसित करें बच्चे को किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करने वाली अधिकांश बातें कार्यक्रम वाले दिन नहीं, बल्कि घर की रोजमर्रा की बातचीत में होनी चाहिए। यह धीरे-धीरे ऐसी सोच विकसित करने का विषय है जिसमें बच्चा समझे कि हर बार जीतना, सबसे बेहतर होना या बिल्कुल सही करना जरूरी नहीं है। कुछ बातें बार-बार दोहराना उपयोगी होता है। पहली बात, हर व्यक्ति का शरीर और मस्तिष्क अलग होता है। कुछ काम किसी को आसानी से आते हैं, तो किसी को नहीं। अलग होना सामान्य बात है और इसकी तुलना करने के बजाय इसकी सराहना की जानी चाहिए। आप कह सकते हैं, ''आज मैंने अपने सहकर्मी पेनी से बहुत कुछ सीखा। उन्हें पर्यावरण के बारे में बहुत जानकारी है।'' दूसरी बात, कौशल जन्मजात नहीं बल्कि अभ्यास का परिणाम होता है। बच्चे अक्सर सोचते हैं कि खेल, संगीत या मंच पर प्रदर्शन जैसी चीजें केवल प्रतिभा पर निर्भर हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि क्षमता अभ्यास से विकसित होती है। जो बच्चा रोज खेलता है, उसके लिए खेल दिवस पर दौड़ना आसान होगा, क्योंकि उसने उसके लिए मेहनत की है, केवल इसलिए नहीं कि वह जन्म से ही ऐसा था। तीसरी बात, बच्चों को दूसरों से तुलना करने के बजाय अपने पुराने प्रदर्शन की तुलना खुद से करना सिखाएं। लक्ष्य निडर बच्चा बनाना नहीं है वास्तविक लक्ष्य बच्चे में ऐसे गुण विकसित करना है जो धीरे-धीरे और छोटे-छोटे कदमों के माध्यम से यह सीख सके कि वह कठिन काम कर सकता है, और यह कि उसके बगल में खड़े बच्चे से अलग होना जीवन का एक सामान्य और स्वीकार्य हिस्सा है।

घरेलू मोर्चे पर झटके खा रहे ट्रंप पर पड़े असर के राजनीतिक व कूटनीतिक मायने

(कमलेश पांडे)

उल्लेखनीय है कि एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए रोक दिया, जिसमें मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने कहा कि चुनावी नियम तय करना राष्ट्रपति का नहीं बल्कि राज्यों और कांग्रेस का अधिकार है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हाल के दिनों में घरेलू मोर्चे पर दो बड़े झटके लगे हैं, जिनका असर उनकी राजनीतिक ताकत, चुनावी रणनीति और राष्ट्रपति पद की सीमाओं पर पड़ सकता है। लिहाजा विश्व राजनीति और कूटनीति पर भी इन घटनाओं का असर लाजिमी है। पहले हम बात करते हैं, उन दो बड़े झटके का-जहां पहला झटका- मतदान संबंधी आदेश पर अदालत की रोक का है, वहीं दूसरा झटका राष्ट्रपति की शक्तियों पर बढ़ता न्यायिक अंकुश है। उल्लेखनीय है कि एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए रोक दिया, जिसमें मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने कहा कि चुनावी नियम तय करना राष्ट्रपति का नहीं बल्कि राज्यों और कांग्रेस का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर ट्रंप की कई नीतियां–जैसे व्यापक टैरिफ, दूसरी प्रशासनिक एजेंसियों पर नियंत्रण और कुछ आव्रजन कदम–अदालतों में चुनौती का सामना कर रही हैं। गौरतलब है कि इसी वर्ष अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने उनके व्यापक टैरिफ अधिकारों को खारिज करते हुए कहा कि कराधान और शुल्क निर्धारण का मूल अधिकार कांग्रेस के पास है। इसे ट्रंप के आर्थिक एजेंडे पर बड़ा आघात माना गया। यह स्थिति दुनिया के अघोषित थानेदार के लिए उचित नहीं है। इसके निम्नलिखित राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं- पहला, मजबूत राष्ट्रपति की छवि को चुनौती- ट्रंप ने स्वयं को एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है जो तेज़ी से निर्णय लेकर व्यवस्था बदल सकते हैं। अदालतों द्वारा बार-बार हस्तक्षेप होने से उनके समर्थकों के बीच यह धारणा बन सकती है कि संस्थागत ढांचा उनकी नीतियों को रोक रहा है। दूसरा, रिपब्लिकन आधार का और ध्रुवीकरण- ट्रंप इन फैसलों को न्यायिक सक्रियता या डीप स्टेट की बाधा बताकर अपने समर्थकों को और अधिक संगठित करने की कोशिश कर सकते हैं।

इससे रिपब्लिकन मतदाता आधार में लामबंदी बढ़ सकती है। तीसरा, डेमोक्रेटिक पार्टी को राजनीतिक अवसर- डेमोक्रेट्स इन घटनाओं को संवैधानिक संस्थाओं की जीत और सत्ता के केंद्रीकरण पर अंकुश के रूप में पेश कर रहे हैं। इससे वे 2026 के मध्यावधि चुनावों में लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा का मुद्दा उठा सकते हैं। चौथा, कांग्रेस बनाम राष्ट्रपति की बहस तेज- टैरिफ और चुनावी नियमों पर आए फैसलों ने यह संदेश दिया है कि अमेरिकी व्यवस्था में राष्ट्रपति की शक्तियां असीमित नहीं हैं। इससे कार्यपालिका और कांग्रेस के बीच अधिकारों की खींचतान और बढ़ सकती है। पांचवां, 2026 मध्यावधि चुनावों पर प्रभाव- यदि ट्रंप अपनी प्रमुख नीतियों को लागू कराने में कठिनाई महसूस करते हैं, तो विपक्ष इसे प्रशासनिक विफलता बताएगा। वहीं ट्रंप समर्थक इसे व्यवस्था बनाम जनता की लड़ाई के रूप में प्रचारित कर सकते हैं। इसलिए ये झटके राजनीतिक रूप से नुकसान भी पहुंचा सकते हैं और ट्रंप के लिए सहानुभूति भी पैदा कर सकते हैं। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि ये दोहरे झटके केवल कानूनी पराजय नहीं हैं। इनके केंद्र में अमेरिकी संविधान में राष्ट्रपति, कांग्रेस और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन है। आने वाले महीनों में यह संघर्ष अमेरिकी राजनीति का प्रमुख विषय बन सकता है और 2026 के मध्यावधि चुनावों की दिशा भी प्रभावित कर सकता है। खास बात तो यह कि घरेलू मोर्चे पर ट्रंप की शक्तियों को मिले इन झटकों का प्रभाव केवल अमेरिकी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व राजनीति और कूटनीति पर भी दूरगामी असर डाल सकता है। पहला, अमेरिकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न- जब किसी राष्ट्रपति की प्रमुख नीतियां अदालतों या संस्थागत बाधाओं से रुकती हैं, तो सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी दोनों देशों के मन में यह सवाल उठता है कि अमेरिका की घोषित नीतियां कितनी स्थायी हैं। इससे अमेरिकी वादों और समझौतों की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। दूसरा, टैरिफ कूटनीति की धार कमजोर- ट्रंप ने व्यापार शुल्क (टैरिफ) को विदेश नीति के एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया था। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उनके व्यापक टैरिफ अधिकारों को सीमित किए जाने से चीन, यूरोपीय संघ, भारत, कनाडा और मेक्सिको जैसे देशों पर दबाव बनाने की उनकी क्षमता कम हुई है। तीसरा, चीन को रणनीतिक अवसर-यदि अमेरिकी राष्ट्रपति की आर्थिक और व्यापारिक शक्ति सीमित होती है, तो चीन स्वयं को अधिक स्थिर और दीर्घकालिक साझेदार के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा। इससे वैश्विक दक्षिण के देशों में चीन की कूटनीतिक सक्रियता बढ़ सकती है। चौथा, यूरोप और भारत की सौदेबाजी क्षमता बढ़ेगी- यूरोपीय देशों और भारत जैसे उभरते देशों को यह संकेत मिला है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अकेले बड़े व्यापारिक फैसले लागू नहीं कर सकते। इससे भविष्य की व्यापार वार्ताओं में इन देशों की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

रूस-यूक्रेन वार में पलट गया खेल, पुतिन के गढ़ में घुसकर हमले कर रहा यूक्रेन, दुनिया हैरान

(नीरज कुमार दुबे)

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने अब ऐसा मोड़ ले लिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यूक्रेन ने न केवल रूस के सीमावर्ती इलाकों बल्कि राजधानी मॉस्को के भीतर तक अपनी पहुंच साबित कर दी है। जिस क्रेमलिन से राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन पूरे रूस का शासन चलाते हैं, उसके आसपास तक ड्रोन हमलों की गूंज सुनाई देने लगी है। साथ ही मॉस्को पर हुए बड़े ड्रोन हमले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध अब केवल मोर्चों पर नहीं बल्कि रूस के दिल तक पहुंच चुका है।

रूसी अधिकारियों के अनुसार यूक्रेन की ओर से भेजे गए उनसठ ड्रोन राजधानी की तरफ बढ़ रहे थे जिन्हें रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। हालात इतने गंभीर हो गए कि मॉस्को के चारों प्रमुख हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने अब ऐसा मोड़ ले लिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यूक्रेन ने न केवल रूस के सीमावर्ती इलाकों बल्कि राजधानी मॉस्को के भीतर तक अपनी पहुंच साबित कर दी है। जिस क्रेमलिन से राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन पूरे रूस का शासन चलाते हैं, उसके आसपास तक ड्रोन हमलों की गूंज सुनाई देने लगी है। साथ ही मॉस्को पर हुए बड़े ड्रोन हमले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध अब केवल मोर्चों पर नहीं बल्कि रूस के दिल तक पहुंच चुका है।

राजधानी बचाने उतरा रूस – रूसी अधिकारियों के अनुसार यूक्रेन की ओर से भेजे गए उनसठ ड्रोन राजधानी की तरफ बढ़ रहे थे जिन्हें रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। हालात इतने गंभीर हो गए कि मॉस्को के चारों प्रमुख हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। विमानन विभाग ने कहा कि यात्रियों और उड़ानों की सुरक्षा के लिए यह कदम जरूरी था। राजधानी के लोगों ने रातभर धमाकों की आवाजें सुनीं और कई इलाकों में भय का माहौल बन गया। रूस के लिए यह केवल सुरक्षा चुनौती नहीं बल्कि प्रतिष्ठा का भी बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि यूक्रेन अब सीधे उस सत्ता केंद्र तक खतरा पैदा कर रहा है जहां से पुतिन युद्ध संचालन कर रहे हैं।

हमले बढ़ा रहा यूक्रेन – यूक्रेन ने हाल के महीनों में रूस की ऊर्जा व्यवस्था को भी निशाना बनाया है। मॉस्को और अन्य शहरों की तेल रिफाइनरियों पर लगातार हमले किए गए हैं। यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण कई तेल संयंत्रों का कामकाज प्रभावित हुआ और कुछ स्थानों पर ईंधन आपूर्ति बाधित हो गई।

अमेरिकी ऊर्जा अनुसंधान संस्थाओं के अनुसार रूस की लगभग एक तिहाई तेल शोधन क्षमता पर असर पड़ा है। रूस जैसे बड़े ऊर्जा उत्पादक देश में पेट्रोल की कमी दिखाई देना अपने आप में असाधारण स्थिति मानी जा रही है। कुछ इलाकों में पेट्रोल की बिक्री सीमित करनी पड़ी जबकि ईंधन निर्यात पहले ही रोका जा चुका है।

सबसे गंभीर स्थिति रूस के कब्जे वाले क्रीमिया क्षेत्र में दिखाई दे रही है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों में कर्च शहर के तेल भंडार और क्रास्नोदार क्षेत्र के ईंधन परिवहन केंद्रों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में कई लोगों की मौत और दर्जनों के घायल होने की खबर है। क्रीमिया प्रशासन ने आम नागरिकों को पेट्रोल बिक्री रोक दी है और केवल सरकारी सेवाओं को ही ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। सोशल मीडिया पर लोग पेट्रोल के लिए परेशान नजर आ रहे हैं जबकि कुछ लोग बाजार कीमत से दोगुने दाम पर ईंधन बेचते दिखे।

उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इन कार्रवाइयों को रूस की ऊर्जा व्यवस्था के खिलाफ लंबी दूरी की रणनीतिक कार्रवाई बताया। उनका कहना है कि रूस केवल ताकत की भाषा समझता है और यूक्रेन अब वही भाषा इस्तेमाल कर रहा है। यूक्रेन का दावा है कि इन हमलों का उद्देश्य रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करना है, क्योंकि तेल और ईंधन से होने वाली कमाई का इस्तेमाल रूस युद्ध संचालन में कर रहा है।

पूर्वी यूक्रेन में रूस की बढ़त – इसके अलावा, जहां एक ओर यूक्रेन रूस के भीतर गहरे हमले कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पूर्वी यूक्रेन में रूस की सेना लगातार आगे बढ़ रही है। डोनबास क्षेत्र का महत्वपूर्ण शहर कोस्त्यांतिनिवका इस समय युद्ध का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। यूक्रेनी सैनिकों के अनुसार रूसी सैनिक शहर के भीतर तक घुस चुके हैं और अब उसे चारों तरफ से घेरने की कोशिश कर रहे हैं। यह शहर रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बाद रूस के लिए क्रामातोर्स्क और स्लोवियांस्क जैसे प्रमुख शहरों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

यूक्रेनी ड्रोन संचालकों का कहना है कि शहर अब लगभग धुंधले नियंत्रण क्षेत्र में बदल गया है जहां किसी एक पक्ष का पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। रूसी सैनिक इमारतों और पेड़ों का सहारा लेकर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। यूक्रेनी सेना के सामने सबसे बड़ी चुनौती संसाधनों और सैनिकों की कमी है। कई सैनिकों ने स्वीकार किया कि उन्हें पर्याप्त सहायता नहीं मिल रही और रूसी सेना लगातार दबाव बना रही है।

देखा जाये तो रूस की रणनीति अब केवल सीधे हमले तक सीमित नहीं है। रूसी ड्रोन इकाइयां यूक्रेनी ड्रोन प्रक्षेपण स्थलों को नष्ट करने पर विशेष ध्यान दे रही हैं ताकि यूक्रेन की निगरानी और जवाबी कार्रवाई कमजोर हो सके। यूक्रेनी सैनिकों का कहना है कि यदि उन्होंने अपनी रणनीति नहीं बदली तो रूस धीरे-धीरे और इलाकों पर कब्जा करता जाएगा।

यूक्रेन-पोलैंड के बीच विवाद बढ़ा – उधर, युद्ध का असर केवल सैन्य मोर्चों तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीतिक संबंधों पर भी दिखाई दे रहा है। पोलैंड और यूक्रेन के बीच दूसरे विश्व युद्ध से जुड़े ऐतिहासिक मुद्दों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। पोलैंड के राष्ट्रपति कारोळ नावरोत्स्की ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से देश का सर्वोच्च सम्मान वापस ले लिया है। इसके विरोध में यूक्रेन के कई पूर्व राष्ट्रपतियों और वरिष्ठ नेताओं ने अपने पोलिश सम्मान लौटा दिए। दरअसल, विवाद उस यूक्रेनी सैन्य इकाई के नाम को लेकर है जिसे ऐसे राष्ट्रवादी संगठन के नाम पर रखा गया जिस पर दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पोलिश नागरिकों के नरसंहार का आरोप है।

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने इस टकराव को दोनों देशों के लिए खतरनाक बताया है। उनका कहना है कि ऐसे विवाद व्यापार, भू राजनीति और दोनों देशों की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाएंगे। वहीं जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन और पोलैंड मित्र बने रहेंगे और दोनों देशों के बीच टकराव केवल रूस को फायदा पहुंचाएगा।

बहरहाल, इन घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि रूस और यूक्रेन का युद्ध अब केवल सीमावर्ती संघर्ष नहीं रह गया है। यूक्रेन ने मॉस्को तक पहुंच कर रूस को चौंका दिया है, जबकि रूस पूर्वी यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को और तेज कर रहा है।

ऊर्जा संकट, ड्रोन युद्ध, राजनीतिक तनाव और नागरिकों की बढ़ती परेशानियां इस संघर्ष को और अधिक जटिल बना रही हैं इसलिए अब केवल रूस और यूक्रेन ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया इस युद्ध के अंत का इंतजार कर रही है। हालांकि मौजूदा हालात देखकर ऐसा लगता है कि पुतिन और जेलेंस्की, दोनों ही पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। साथ ही दुनिया के कई देशों की युद्ध आधारित अर्थव्यवस्था और हथियार उद्योग भी इस संघर्ष को जल्दी खत्म होने देने के पक्ष में दिखाई नहीं देते। ऐसे में शांति की उम्मीद फिलहाल दूर ही नजर आ रही है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

छात्रा से छेड़खानी के आरोप में अभिभावकों का हंगामा

- प्रभारी प्रधानाध्यापक पर लोगों का फूटा गुस्सा
- प्रशासन ने लोगों को कराया शांत, जांच शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरैयाहाट ।झारखंड की उप राजधानी दुमका के सरैयाहाट प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय दिग्घी में कक्षा सातवीं की एक छात्रा द्वारा विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक पर कथित छेड़छाड़ का आरोप लगाए जाने के बाद क्षेत्र में अभिभावकों और ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। सोमवार को विद्यालय में अभिभावकों ने विरोध में हंगामा किया। पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

पीड़ित छात्रा का आरोप है कि वह बीते बुधवार को किताब लेने विद्यालय गई थी। इसी दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक ने उसके साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार करते हुए छेड़छाड़ करने का प्रयास किया। घर पहुंचने पर छात्रा ने घटना की जानकारी अपने स्वजनों को दी। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और स्वजन आक्रोशित हो गए। सोमवार को विद्यालय में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। जिसके कारण स्कूल बंद कर दिया गया।

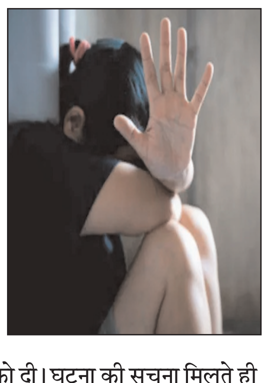

सूचना मिलने पर अंचलाधिकारी राहुल कुमार शानू एवं थाना प्रभारी राजेंद्र यादव पुलिस बल के साथ विद्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया और विद्यालय का ताला खुलवाया। इसके बाद पीड़ित छात्रा से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली तथा घटनास्थल का जायजा लिया। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

प्रभारी प्रधानाध्यापक पप्पू राम ने अपने ऊपर लगे आरोपों को पूरी तरह निराधार और झूठा बताया। उन्होंने कहा कि यह एक राजनीतिक षड्यंत्र है, जिसमें विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष की मुख्य भूमिका है। उनका आरोप है कि अध्यक्ष की मनमानी का विरोध करने के कारण उनके खिलाफ साजिश रची गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि वे पिछले दस वर्षों से विद्यालय में कार्यरत हैं और इस दौरान उनके खिलाफ कभी किसी प्रकार की शिकायत नहीं हुई।

430 गांवों के अभिलेख गायब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जिले के अभिलेखागार से गायब या क्षतिग्रस्त जमीन संबंधी दस्तावेजों का मामला गंभीर होता जा रहा है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से जारी सूची में सामने आया है कि कहलगांव अनुमंडल के 430 मौजों के कैडेस्ट्रल सर्वे से जुड़े कागजात रिकॉर्ड रूम में उपलब्ध नहीं हैं। अगर उपलब्ध है भी तो रद्दी है। इनमें सबसे अधिक 205 गांवों के दस्तावेज कहलगांव अंचल क्षेत्र के हैं।

विभागीय आंकड़ों के अनुसार, सन्हौला के 148 व पीरपैंती के 77 गांवों के कागजात भी अनुपलब्ध हैं। दस्तावेजों के अभाव में सर्वे कार्य और राजस्व न्यायालयों में भूमि विवाद से जुड़े मामलों के निष्पादन में परेशानी आ रही है।

विभागीय कर्मियों ने बताया कि आम रैयतों और अधिवक्ताओं से अपील की गई है कि यदि उनके पास पुराने कैडेस्ट्रल सर्वे की प्रमाणित प्रतियां हैं तो उन्हें स्कैनिंग के लिए उपलब्ध कराएं। स्कैनिंग के बाद दस्तावेज सुरक्षित रखते हुए मूल प्रति वापस कर दी जाएगी। इससे भविष्य में जमीन विवादों के निपटारे में सहूलियत होगी।

आदिम जनजाति समुदाय की दो महिलाओं सहित चार की पिटाई

बच्चा चोरी का लगाया आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। रामगढ़ थाना क्षेत्र की नौखेता पंचायत के बिंधासारे गांव में बच्चा चोरी के शक में ग्रामीणों ने आदिम जनजाति समुदाय की दो पुरुष व दो महिला की बेरहमी से पिटाई कर दी। ग्रामीणों की पिटाई से एक पुरुष एवं एक महिला बुरी तरह घायल हो गयी है वहीं दो अन्य महिलाओं को भी गंभीर चोट लगी है।

काठीकुंड थाना क्षेत्र के झगराई गांव के राजू देहरी, प्रदीप देहरी परिवार के साथ बरमसिया पंचायत के लेटो गांव में अपने साढ़ू उत्तम सिंह की बेटी की शादी समारोह में शामिल होने 25 जून को आया था।

27 जून की दोपहर राजू देहरी व प्रदीप देहरी का बच्चा जोरिया में स्नान करने गया था। जब बच्चे लोग काफी देर तक स्नान करने के बाद भी नहीं आए, तब राजू की पत्नी मिनी देवी, उसकी बेटी प्रीति कुमारी व दो अन्य महिला बच्चों को ढूंढने के लिए जोरिया की तरफ गई।

बच्चों को वहीं पर डांटा। इसके बाद बच्चा दूसरे छोर पर उठकर रोते हुए भागने लगा। वहीं, पर बिंधासारे गांव की भी एक आदिवासी महिला स्नान कर रही थी। बच्चे को रोता देख वह किडनी चोर किडनी चोर चिल्लाने लगी।

इसके बाद गांव के ग्रामीण जमा हो गए और सभी महिलाओं को पकड़ कर उनके साथ मारपीट प्रारंभ कर दी। सूचना मिलने पर राजू देहरी व प्रदीप देहरी आया और ग्रामीणों के चंगुल से महिलाओं को बचाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने उनकी भी पिटाई कर दी।

घटना में राजू देहरी के सिर पर गंभीर चोट लगी है। ग्रामीणों की पिटाई से दो अन्य महिला भी घायल हो गयी है जबकि अन्य को भी काफी चोट लगी है।

सभी लोग बार-बार अपनी सफाई दे रहे थे, लेकिन ग्रामीण किसी की बात सुनने के लिए तैयार नहीं हुए। घटना के बाद लेटो व बिंधासारे गांव के लोगों के बीच तनाव का माहौल है। रात लगभग नौ बजे सूचना मिलने पर रामगढ़ थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद तीन को दुमका मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। राजू को रेफर कर दिया गया है।

जबकि बाकी को इलाज के बाद घर भेज दिया गया। रामगढ़ थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि सभी घायलों को इलाज कराया गया है। पीड़ित पक्ष ने अभी तक कार्रवाई के लिए आवेदन नहीं दिया है। आवेदन मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमणकारियों को प्रशासन ने सात दिनों की दी मोहलत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। जिले से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ अब कार्रवाई तेज हो गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की गया इकाई ने अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेजना शुरू कर दिया है।

नोटिस में तीन दिनों के भीतर अपना पक्ष रखने और सात दिनों के अंदर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है।

नवादा जिले से राष्ट्रीय राजमार्ग-20 और राष्ट्रीय राजमार्ग-82 गुजरते हैं। नगर परिषद की रिपोर्ट के अनुसार जिले में 46 स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग की जमीन पर अवैध अतिक्रमण पाया गया है। परियोजना निदेशक के निर्देश पर सभी चिन्हित अतिक्रमणकारियों को प्रारंभिक नोटिस तामील कराया जा रहा है।

हाईवे प्रशासन की कार्रवाई शुरू होते ही अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है। हाल ही में नवादा शहर में आरओबी निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर लोग पहले से ही असमंजस में थे। अब एनएचएआई की ओर से नोटिस मिलने के बाद कई लोगों की चिंता बढ़ गई है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर नवादा के पुलिस अधीक्षक से पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

प्रशासन का कहना है कि यदि तय समय के भीतर कब्जा नहीं हटाया गया तो पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय राजमार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाने की कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के हालिया निदेशों के बाद और तेज हो गई है। अदालत ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हाईवे किनारे बने अवैध ढाबों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए हैं।

मनाई गई संत कबीर दास की जयंती

मनसाही। प्रखंड क्षेत्र के समाजसेवी प्रदीप कुमार पासवान के आवास पर संत कबीर दास की जयंती धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर संत कबीर दास के तेल चित्र पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। वक्ताओ ने कहा कि उत्तर प्रदेश काशी के लहरतारा में इनका जन्म 1398 में हुआ था। संत कबीर दास निरक्षर थे इनकी प्रमुख रचनाएं साखी, सबद, रमैनी, बीजक, अनुराग सागर, कबीर दोहावली एवं कबीर शब्दावली हैं। कबीर साहब की उल्टी बानी बरसे कंबल भीगे पानी। जाति धर्म को ऊपर रखते हुए मानव कल्याण के लिए छुआछूत की बेड़ियों को तोड़ा। इस अवसर पर कबीर पंथ के रामचरित्र साहेब, राजकुमार साहेब, विश्वनाथ पासवान, जगन्नाथ पासवान, राजेंद्र साह, बेचन परिहार, सरस्वती देवी, भामा देवी, कंचन माला देवी, अश्विनी कुमार, अमन कुमार, धर्मेंद्र पासवान, पुरण पासवान, मोजिबुर रहमान आदि उपस्थित रहे ।

मेयर के खिलाफ वार्ड पार्षदों ने तरेरी आंखें

55 पार्षदों में 22 के बदले तेवर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद नगर निगम चुनाव को चार महीने बीत चुके हैं। फरवरी 2026 में हुए चुनाव में संजीव सिंह मेयर चुने गए थे। लेकिन महज चार महीने के भीतर ही वार्ड पार्षद उनसे निराश होने लगे हैं। उनकी नाराजगी की वजह यह है कि एक ओर अपेक्षित विकास कार्य नहीं हो रहे हैं, तो दूसरी ओर उनकी सुनवाई भी नहीं हो रही है। आम लोगों के कामकाज की बजाय नगर निगम में ठेका-पट्टी पर अधिक जोर दिए जाने का आरोप लगाया जा रहा है। इसके विरोध में धनबाद नगर निगम के 55 वार्ड पार्षदों में से 22 ने मोर्चा खोल दिया है। पार्षदों ने एक जुलाई को बैठक बुलाई है जिसमें आगे की रणनीति तैयार की जाएगी।

धनबाद नगर निगम के अधिकारियों द्वारा विकास कार्यों में लगातार की जा रही उपेक्षा से नाराज पार्षदों ने रविवार की देर शाम वार्ड संख्या 41 स्थित आयुष्मान केंद्र पाथर बांग्ला में पार्षदों ने एक आपात बैठक की। इस बैठक में निगम प्रशासन के खिलाफ सीधे तौर पर मोर्चा खोलते हुए आंदोलन की रणनीति तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता वार्ड संख्या 13 की पार्षद कर्मी देवी ने की।

संचालन वार्ड संख्या 10 के पार्षद देवाशीष पासवान ने किया। बैठक में लगभग 22 वार्डों के पार्षदों और उनके प्रतिनिधियों ने हिस्सा लेकर निगम के खिलाफ एकजुटता दिखाई।

बैठक में पार्षदों ने अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि नगर निगम में पार्षदों द्वारा उठाई जाने वाली जन-समस्याओं को न तो मेयर सुन रहे हैं और न ही नगर आयुक्त। पार्षदों का सीधा आरोप है कि जनता द्वारा चुने गए पार्षदों की समस्याओं को प्राथमिकता देने के बजाय केवल निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की ही सुनी जा रही हैं।

भूमि सर्वे को ले हाईकोर्ट ने जतायी नाराजगी

वर्ष 1975 से चल रहा है सर्वे कार्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत में राज्य में भूमि सर्वेक्षण की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य में 50 वर्षों से लंबित भूमि सर्वेक्षण कार्य में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताई।

अदालत ने पूछा कि जब पिछली सुनवाई में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव को स्वयं शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया गया था, तो उनकी जगह विभाग के अवर सचिव ने हलफनामा क्यों दाखिल किया।

हाई कोर्ट ने सचिव को 15 जुलाई तक व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल कर राज्य में भूमि सर्वे की प्रगति, नई तकनीक के उपयोग और सभी जिलों में सर्वे कार्य पूरा होने की समय-सीमा बताने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपने 17 जून 2025 के आदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि तब सरकार को चार सप्ताह के भीतर भूमि सर्वे के लिए नई तकनीक अपनाने की प्रक्रिया पूरी करने तथा उसके छह माह के भीतर पूरे राज्य में सर्वेक्षण कार्य संपन्न करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद भी अब तक आदेश का पालन नहीं हुआ है।

इस पर महाधिवक्ता रोहितश्य राय ने अदालत से समय देने का आग्रह करते हुए कहा कि विभागीय सचिव स्वयं शपथपत्र दाखिल करेंगे। सरकार की ओर से पूर्व में दाखिल शपथपत्र में बताया गया था कि केरल, कर्नाटक सहित अन्य राज्यों में अपनाई जा रही आधुनिक भूमि सर्वे तकनीक का अध्ययन किया जा रहा है।

नई तकनीक के माध्यम से पुराने भू-अभिलेखों का डिजिटाइजेशन कर सर्वे कार्य को तेज किया जाएगा। सरकार ने यह भी कहा था कि वर्तमान तकनीक काफी पुरानी होने के कारण सर्वेक्षण कार्य में कठिनाई आ रही है।

इस पर हाई कोर्ट ने कहा था कि समयबद्ध तरीके से भूमि सर्वे पूरा होने से आम लोगों की जमीन के साथ-साथ सरकारी भूमि की भी बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। अदालत ने यह भी टिप्पणी की थी कि झारखंड में वर्ष 1975 से भूमि सर्वेक्षण का कार्य शुरू हुआ, लेकिन लगभग 50 वर्ष बाद भी यह पूरा नहीं हो सका है।

इसलिए आवश्यक मानव संसाधन की नियुक्ति और आधुनिक तकनीक अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए। इस संबंध में प्रार्थी गोकुल चंद ने जनहित याचिका दाखिल की है। जिसमें कहा है कि राज्य में अंतिम व्यापक भूमि सर्वे वर्ष 1932 में हुआ था।

इसके बाद 1980 से नए सिरे से सर्वेक्षण की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन आज तक पूरी नहीं हो सकी। सरकार ने अदालत को बताया था कि लातेहार और लोहरदगा सहित दो जिलों में भूमि सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि अन्य जिलों में कार्य जारी है।

एसआईआर-2026 को ले जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने दी जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

इस अवसर पर उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेशों एवं कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए जिलेवासियों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की।

उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के आलोक में 01 अक्टूबर 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराया जाएगा। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा अपात्र नामों को हटाया जा सके।

उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 20 जून से 29 जून 2026 तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं प्रिंटिंग कार्य संपन्न किया जा रहा है। इसके पश्चात 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण करेंगे।

29 जुलाई 2026 तक मतदान केंद्रों का पुनर्गठन किया जाएगा, 05 अगस्त 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक दावा एवं आपत्तियां दर्ज की जाएंगी तथा 05 अगस्त से 03 अक्टूबर 2026 तक नोटिस एवं दावे/ आपत्तियां का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 07 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि सभी पात्र मतदाता बीएलओ को गणना प्रपत्र हस्ताक्षर के साथ समय पर भरकर जमा करें। यदि किसी मतदाता का नाम छूट गया हो अथवा किसी प्रकार की त्रुटि हो, तो निर्धारित अवधि में दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत कर उसका निराकरण कराया जा सकता है।

उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। इसलिए सभी नागरिक इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें।

इस दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार एवं मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

वसूला गया जुर्माना

कटिहार। सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों के आलोक में नगर निगम कटिहार की ओर से गठित मोबाइल कोर्ट के माध्यम से शहर क्षेत्र में विशेष जांच एवं प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स - 2026 की अवहेलना करने तथा सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फैलाने वाले दुकानदारों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 56,000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया।इस दौरान नगर आयुक्त संतोष कुमार एवं नगर निगम की टीम ने डॉक्टर राजेंद्र पथ स्थित बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों, व्यवसायियों एवं मॉल संचालकों को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स - 2026 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए नियमों का पालन करने हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया गया। निगम आयुक्त संतोष कुमार ने सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को चार प्रकार के डस्टबिन रखने की आवश्यकता एवं उनके उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी ताकि गीला कचरा, सूखा कचरा तथा अन्य अपशिष्टों का पृथक्करण सुनिश्चित किया जा सके।

कोचिंग संस्थानों की बढ़ेगी सुरक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। देश में कोटा के बाद कोचिंग संस्थानों के सबसे बड़े हब के रूप में उभरे पटना में अब छात्रों की सुरक्षा को लेकर फायर विभाग बेहद सख्त रुख अपनाने जा रहा है। हाल ही में लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में लगी भीषण आग के बाद जागे अग्निशमन विभाग के मुख्यालय से लेकर अनुमंडल स्तर तक के अधिकारी अब पटना के कोचिंग सेंटरों की कुंडली खंगालने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में पटना जिला फायर अधिकारी रितेश पांडेय के नेतृत्व में एक बेहद आधुनिक और पारदर्शी योजना पर काम चल रहा है, जिसके तहत अब कोचिंग संस्थानों की फायर सेफ्टी का पूरा सच एक क्यूआर (क्यूआर) कोड में दर्ज होगा। फायर विभाग एक विशेष क्यूआर कोड तैयार करने की प्रक्रिया में है।

एसआईआर को सफल बनाने में सोशल मीडिया निभाए अहम भूमिका : डीईओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के साथ बैठक कर एसआईआर-2026 को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सभी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स से अपील की कि वे अगले एक माह तक समेकित रूप से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से एसआईआर-2026 के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं।

डीईओ सह डीसी ने कहा कि एसआईआर-2026 को लेकर मतदाताओं के बीच यदि किसी प्रकार का भ्रम या आशंका है तो उसे सही जानकारी के माध्यम से दूर करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी तरह सरल, पारदर्शी और सहभागी है। इसमें किसी प्रकार की जटिलता नहीं है।

उन्होंने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स से कहा कि वे पात्र मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म समय पर भरकर अपने संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करें। मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने में मदद मिलेगी।

बैठक में डीईओ सह डीसी ने कहा कि जागरूकता अभियान का मुख्य संदेश यह होना चाहिए कि कोई भी पात्र मतदाता नहीं छूटेगा।

डीईओ सह डीसी ने कहा कि सोशल मीडिया आज जनसंपर्क का प्रभावी माध्यम है। सही और प्रमाणिक जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाकर सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स लोकतंत्र को मजबूत बनाने तथा एसआईआर-2026 को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सभी से इस जनहित अभियान में सक्रिय सहयोग देने का अपील किया।

उन्होंने एसआईआर-2026 को लेकर पूर्वाह्न 11 से 12 बजे तक 30 जून को होने वाले हैसटैग अभियान को सफल बनाने की बात कहीं।

पटना से रूठा मानसून

पटना। बिहार के कई जिलों में झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी और उमस से राहत दी है, लेकिन भागलपुर सहित पटना और गया जैसे कई इलाके अब भी आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। बादल आते हैं, मंडराते हैं। गरजते और चमकते हैं, और बिना बरसे आगे बढ़ जाते हैं। ऐसे में लोगों के बीच एक ही सवाल तैर रहा है। आखिर इन शहरों से मानसून क्यों रूठ गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, भागलपुर केंद्र के विज्ञानी अनुपम नाहर की मानें तो इसके पीछे कई मौसम वैज्ञानिक कारण हो सकते हैं। वर्तमान परिस्थितियों में मानसून द्रोणी का अधिक सक्रिय भाग उत्तर एवं उत्तर-पूर्व बिहार के समीप बना हुआ दिखाई दे रहा है। इसी कारण उन क्षेत्रों में निचले स्तर की हवाओं का मिलन अधिक प्रभावी है, जिससे संवहनीय गतिविधियां तेजी से विकसित हो रही हैं और अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है। इसके उलट भागलपुर, पटना और गया जैसे क्षेत्र मानसून द्रोणी के मुख्य सक्रिय हिस्से से कुछ दक्षिण की ओर स्थित हैं। ऐसे में यहां हवाओं का मिलन अपेक्षाकृत कमजोर पड़ रहा है।

सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता खेलने के बाद पैदल लौटी छात्राएं

सुरक्षा पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिमडेगा। ठेठईटांगर प्रखंड मुख्यालय में आयोजित सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं की सुरक्षा एवं परिवहन व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे ठेठईटांगर प्रखंड क्षेत्र के 40 मर्दन जंगल के समीप लगभग 8 स्कूली छात्राओं को टूर्नामेंट की जर्सी पहने पैदल अपने घर लौटते देखा गया।

सभी छात्राएं दसवीं कक्षा की छात्रा बताई जा रही हैं। जो प्रतियोगिता में भाग लेकर वापस लौट रही थी। इस दौरान उनके साथ ना तो कोई शिक्षक थे ना ही कोई कर्मी।

उन्होंने बताया कि वे ठेठईटांगर में फुटबॉल मैच खेलने के बाद घर लौट रही हैं। जब उनसे परिवहन व्यवस्था के बारे में पूछा गया तो छात्राओं ने इसे लेकर उदास मन से कहा कि वे पैदल ही कोरोमियां अपने स्कूल तक करीब 17 किमी दूर जा रही है।

जहां से फिर वे अपने-अपने घर जायेंगी। वहीं उन्होंने कहा कि यदि इस विषय में उन्होंने ज्यादा कुछ कहा तो अपने शिक्षकों की डांट सुननी पड़ेगी। हालांकि, डरी सहमी छात्राओं ने बाद में कहा कि शायद गाड़ी खराब हुई है, इसलिए लेने गाड़ी नहीं आयी है।

इस घटना ने आयोजन को लेकर किये व्यवस्थाओं पर कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि वाहन खराब हो गया था, तो छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? जबकि सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए प्रत्येक प्रखंड को करीब 40 हजार रुपये की राशि उपलब्ध कराई जाती है। जिसमें प्रतिभागियों के खाने-पीने और परिवहन व्यवस्था किए जाने का प्रावधान है। इधर जंगल और सुनसान रास्ते से 8 छात्राओं का पैदल लौटना बिना किसी जिम्मेवार व्यक्ति के सुरक्षा की दृष्टि से काफी चिंताजनक माना जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर देना सराहनीय पहल है। लेकिन उनकी सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना भी आयोजकों और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है।

ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पर कार्रवाई की मांग की है। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। अब सभी की निगाहें शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारियों की कार्रवाई पर टिकी हैं।

कभी पैसों की तंगी थी, आज हैं 5 करोड़ रुपये की कंपनी की मालकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले की रहने वाली कृष्णा यादव आज एक सफल महिला उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। कभी आर्थिक तंगी और मुश्किल हालात से जूझने वाली कृष्णा ने अपनी मेहनत और हिम्मत से ऐसा मुकाम हासिल किया, जो आज कई महिलाओं के लिए प्रेरणा है। कृष्णा यादव के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। हालात तब और खराब हो गए जब उनके पति की नौकरी चली गई। इसके बाद उन्हें खुद भी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा। परिवार की जिम्मेदारियों को देखते हुए कृष्णा ने कुछ नया करने का फैसला किया। बेहतर अवसर की तलाश में वह अपने पति के साथ दिल्ली आ गई।

नौकरी नहीं मिली तो खेती शुरू की

दिल्ली आने के बाद कृष्णा ने नौकरी ढूंढने की काफी कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने खेती करने का फैसला किया और कुछ सालों तक खेती से जुड़ी रहीं। साल 2001 में उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। उन्होंने फूड प्रोसेसिंग की 1 महीने की ट्रेनिंग ली। इस ट्रेनिंग से उन्हें अचार बनाने और खाद्य व्यवसाय की नई जानकारी मिली।

छोटे काम से मिली बड़ी सफलता – शुरुआत में उनके बनाए अचार से उन्हें 5250 रुपये का मुनाफा हुआ। यह रकम भले ही छोटी थी, लेकिन इससे कृष्णा का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया। उन्होंने अपने अचार के काम को आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। उनके पति सड़कों पर जाकर अचार बेचते थे। ग्राहकों को उनका स्वाद पसंद आने लगा और धीरे-धीरे कारोबार बढ़ता गया।

कमोडिटी ईटीएफ में प्राइस डिस्कवरी और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए 1 सितंबर से लागू होगा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखने के लिए सोने और चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में पैसा लगाते हैं, तो आगामी 1 सितंबर 2026 से ट्रेडिंग के नियम पूरी तरह बदलने जा रहे हैं। अब तक अक्सर देखा जाता था कि जब अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में रात के समय बड़ी उठापटक होती थी, तो भारतीय ईटीएफ बाजार अगले दिन तुरंत उस बदलाव को सही तरीके से नहीं दिखा पाते थे। इसी विसंगति को दूर करने और निवेशकों को हकीकत के करीब लाने के लिए बाजार नियामक सेबी प्री-ओपन कॉल ऑक्शन मैकेनिज्म और डायनेमिक प्राइस बैंड का नया फॉर्मूला लेकर आया है।

क्या है सेबी का नया फॉर्मूला और यह कैसे काम करेगा – नए नियमों के तहत कमोडिटी ईटीएफ (खासकर गोल्ड और सिल्वर फंड्स) के लिए ट्रेडिंग की शुरुआत प्लस/माइनस 6 प्रतिशत के शुरुआती प्राइस बैंड के साथ होगी। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव बहुत तेज होता है, तो एक निश्चित कूलिंग-ऑफ पीरियड के बाद इस प्राइस बैंड को 3-3 फीसदी के दायरे में और आगे बढ़ाया जा सकेगा। मौजूदा सिस्टम के विपरीत, अब नए नियमों में इस बात की कोई ऊपरी सीमा नहीं होगी कि एक ही ट्रेडिंग सेशन के दौरान इस बैंड को कितनी बार चौड़ा किया जा सकता है। इससे कीमतों में होने वाले वैश्विक उतार-चढ़ाव को तुरंत भारतीय बाजारों में एडजस्ट किया जा सकेगा।

आधार कीमत भी होगी नए तरीके से तय – सेबी ने ईटीएफ की आधार कीमत तय करने के तरीके में भी सुधार किया है। सितंबर 2026 से, पिछले कारोबारी दिन के आखिरी 30 मिनट के क्लोजिंग प्राइस को ही संदर्भ मूल्य माना जाएगा। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान अचानक से दिखने वाले भारी प्रीमियम या डिस्काउंट को कम करने में मदद मिलेगी।

सिल्वर ईटीएफ में क्या हो अब रणनीति – हालिया सुधार को मुख्य रूप से मुनाफावसूली और बदलती व्यापक आर्थिक उम्मीदों के संयोजन के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एक संरचनात्मक मंदी की शुरुआत के रूप में। चांदी का उपयोग सोलर पैनलों, इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण में व्यापक रूप से किया जाता है, जिससे संरचनात्मक मांग को समर्थन मिलता है। सोना-चांदी अनुपात, जो 100 से ऊपर से गिरकर लगभग 66 पर आ गया है, चांदी के हालिया बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है।

निवेशकों को फायदे

इसका सबसे बड़ा फायदा बेहतर मूल्य पारदर्शिता और निष्पक्ष निष्पादन होगा। यह नया तंत्र बाजार सहभागियों को नियमित कारोबार शुरू होने से पहले अधिक सटीक शुरुआती कीमत खोजने की अनुमति देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने और चांदी की कीमतों में रातों-रात जो भी उतार-चढ़ाव होगा, वह अगले दिन सुबह भारतीय ईटीएफ निवेशकों को अधिक सटीक रूप से दिखाई देगा। नया प्राइसिंग मैकेनिज्म और प्री-ओपन ऑक्शन सिस्टम मार्केट में कृत्रिम रूप से बढ़ने या घटने वाले प्रीमियम/डिस्काउंट को रोकेगा, जिससे आम निवेशकों को सही कीमत पर यूनिट्स मिलेंगी। डायनेमिक बैंड होने से बड़े संस्थागत निवेशकों और मार्केट मेकर्स को ट्रेडिंग करने में आसानी होगी, जिससे बाजार में तरलता बढ़ेगी। निवेशकों को कम मूल्य विस्थापन, बेहतर तरलता, ईटीएफ कीमतों और एनएवी के बीच बेहतर तालमेल, और तर्कहीन कीमतों पर घबराहट के कारण होने वाली खरीद या बिक्री की कम संभावनाओं के माध्यम से लाभ होने की उम्मीद।

अब अफ्रीका के सेशेल्स में भी चलेगा भारत की यूपीआई सर्विस

नौ देशों में पहले से बुलंद कर रही भारत का तिरंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेशेल्स यात्रा के दौरान देशों के बीच कई अहम समझौते हुए। इसमें एक समझौता यूपीआई को लेकर भी है। यानी इस पूर्वी अफ्रीकी देश में भी अब यूपीआई चलेगा। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस हाल के वर्षों में देश से निकलकर विदेशों में तेजी से फैला है। सिंगापुर, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मॉरीशस, यूएई, कतर, फ्रांस और कंबोडिया जैसे देशों में मर्चेंट पेमेंट के लिए भारतीय पर्यटक यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब इस लिस्ट में अब दसवां नाम सेशेल्स का भी जुड़ गया है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में खुद इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, सेशेल्स की इस यात्रा के अहम नतीजे निकले हैं। कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इनमें सेशेल्स में यूपीआई लागू करने और जन औषधि से जुड़े समझौते शामिल हैं। हम क्लाइमेट एक्शन, ग्रीन हाइड्रोजन, एनर्जी और ब्लू इकॉनमी जैसे भविष्य के क्षेत्रों में काम करना जारी रखेंगे।

क्या होगा फायदा

इस समझौते का मकसद भारत और सेशेल्स के बीच डिजिटल पेमेंट और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना है। इससे भारतीय पर्यटकों के लिए हिंद महासागर में स्थित इस द्वीप देश में यात्रा के दौरान पेमेंट करना होगा। सेशेल्स अपने खूबसूरत समुद्र तटों, समुद्री पर्यटन और शानदार रिसॉर्ट्स के लिए जाना जाता है। हर साल करीब 15,000 भारतीय इस देश में घूमने जाते हैं। भारतीयों को सेशेल्स घूमने के लिए पहले से वीजा लेने की आवश्यकता नहीं है। यह एक वीजा-फ्री देश है। लेकिन यात्रा के उद्देश्य से जाने वाले सभी भारतीयों को हवाई अड्डे पर पहुंचने पर विजिटर परमिट लेना पड़ता है। इस देश की आबादी में करीब 5 फीसदी भारतीय मूल के लोगों की है। भारत से चावल, दवा, कपड़े, गाड़ियां और उनके स्पेयर पार्ट्स, मशीनरी और प्लास्टिक उत्पाद सेशेल्स को निर्यात किए जाते हैं।

अडानी पावर का शेयर बनेगा लंबी रेस का घोड़ा, मॉर्गन स्टेनली ने जताया भरोसा

1 साल में दिया 100 प्रतिशत रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी पावर का शेयर इस समय लंबी रेस का घोड़ा बना हुआ है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान भी इसने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। पिछले 6 महीने में यह शेयर 60 फीसदी से ज्यादा उछल गया है। वहीं एक साल में इसका रिटर्न 90 फीसदी से ज्यादा लेकिन 100 फीसदी के करीब रहा है। जानकारों के मुताबिक इस शेयर में आने वाले समय में और तेजी आ सकती है। सोमवार को अडानी पावर के शेयर में कुछ गिरावट आई। दोपहर करीब 1 बजे यह शेयर 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 227.30 रुपये पर कारोबार कर रहा था। हालांकि कारोबार के दौरान एक समय इसमें गिरावट 224.65 रुपये तक पहुंच गई थी। लेकिन बाद में इसने कुछ बढ़त बनाई।

कितना दिया रिटर्न – पिछले एक साल में इस शेयर में करीब 94 फीसदी की तेजी आई है। आज यानी सोमवार की गिरावट से पहले यह यह शेयर एक साल में 95 फीसदी से ज्यादा उछल गया था। बात अगर 5 साल के लॉन्ग टर्म की करें तो इसने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। 5 साल में इस शेयर में 900 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। अगर आपने 5 साल पहले अडानी पावर के एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो उनकी वैल्यू आज 91 लाख रुपये से ज्यादा होती।

शेयर में तेजी का बड़ा कारण – अडानी पावर के शेयर में आने वाले समय में तेजी देखी जा सकती है। इसका बड़ा कारण अडानी ग्रुप की बड़ी प्लानिंग है।

पेपर लीक और चढ़ावे की चोरी रोकने के लिए अच्छे प्लम्बर व वेल्डर की जरूरत

शेखर सुमन ने सीईए के बयान पर ली चुटकी

नई दिल्ली, एजेंसी। मशहूर अभिनेता शेख सुमन का कॉमेडी शो शेखर टुनाइट इस समय चर्चाओं में बना हुआ है। इस शो में शेख सुमन के तीखे व्यंग्य लोगों को बहुत पसंद आ रहे हैं। अब उन्होंने भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के उस बयान पर तीखे व्यंग्य किए जिसमें उन्होंने युवाओं से कारपेंटर, प्लम्बर आदि बनने के लिए कहा था। शेखर सुमन का यह अंदाज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

क्या कहा था सीईए ने

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कुछ दिनों पहले युवाओं के रोजगार और शिक्षा को लेकर बयान दिया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि देश में अब सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर साइंस डिग्री का वह सुनहरा दौर खत्म हो चुका है, जो वैश्वीकरण के समय था।

हर्ष गोयनका ने बताया कमाई का नया रास्ता

वीडियो में युवक बोला- तिलक लगाकर महीने के 70000 पक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप कमाई का कोई नया तरीका तलाश रहे हैं तो इसका रास्ता मशहूर उद्योगपति हर्ष गोयनका ने बता दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें एक युवक धार्मिक स्थल पर श्रद्धालुओं के तिलक लगा रहा है। वीडियो में युवक का दावा है इससे महीने में 70 हजार रुपये तक कमाए जा सकते हैं। हर्ष गोयनका की ओर से शेयर किए गए वीडियो में युवक बता रहा है कि ऋषिकेश में श्रद्धालुओं के तिलक लगाकर कितने रुपये कमाए जा सकते हैं। इसके बारे में जानने के लिए वह पारंपरिक कपड़े पहनता है और श्रद्धालुओं के तिलक लगाने निकल पड़ता है। हालांकि दिन में उसे खास कमाई नहीं होती। लेकिन शाम को आरती के बाद पूरा सीन ही बदल जाता है। हर्ष गोयनका की यह पोस्ट काफी वायरल हो रही है।

दिन में कितनी हुई कमाई – वीडियो में युवक बताता है कि वह पारंपरिक कपड़े पहनकर ऋषिकेश की गलियों में श्रद्धालुओं के तिलक लगाने निकल पड़ता है। शुरू में लोग तिलक लगाने से मना कर देते हैं। शुरुआती एक घंटे में वह सिर्फ 20 लोगों को ही तिलक लगा पाता है और इस दौरान वह सिर्फ 50-60 रुपये की कमाता है। युवक के मुताबिक वह गंगा आरती के समय घाट पर जाता है और फिर पूरा सीन ही बदल जाता है। एक के बाद एक श्रद्धालु उसके पास तिलक लगवाने के लिए आने लगते हैं। इसके लिए कोई श्रद्धालु 10 रुपये देता है तो कोई 20 तो कोई 100 रुपये।

शेयर बाजार में गिरावट के बीच उछला एचडीएफसी बैंक का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में गिरावट के बीच आज एचडीएफसी बैंक के शेयरों में करीब एक फीसदी तेजी आई। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक का बोर्ड शशिधर जगदीशन को मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव के तौर पर तीसरा कार्यकाल दे सकता है। जगदीशन का मौजूदा कार्यकाल अक्टूबर में खत्म हो रहा है। पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने इस्तीफे में कुछ सवाल उठाए थे लेकिन बाहरी लॉ फर्मों का कहना है कि इनमें कोई दम नहीं है। बैंक जगदीशन की फिर से नियुक्ति की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू करने और बोर्ड के लिए नया नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन चुनने से पहले लॉ फर्मों की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा था। आरबीआई ने बैंक के अंतरिम पार्ट-टाइम चेयरमैन केकी मिस्त्री का कार्यकाल तीन महीने बढ़ाकर 18 सितंबर तक करने की मंजूरी दी थी।

- **शेयर की चाल** – ईटी की हाल में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक बैंक की नॉमिनेशन और रेमुनरेशन कमेटी ने चेयरमैन पद के लिए 5 उम्मीदवारों के शॉर्टलिस्ट किया है। इनमें आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर राजेश्वर राव भी शामिल हैं। बोर्ड मंजूरी के लिए तीन उम्मीदवारों के नाम आरबीआई को भेजेगा। अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च को एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था। अपने इस्तीफे में उन्होंने कहा कि पिछले दो साल में बैंक में जो कुछ हुआ, वह उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता से मेल नहीं खाता है। 26 जून को स्टॉक एक्सचेंज में दी गई जानकारी में बैंक ने कहा कि दो लॉ फर्मों द्वारा की गई कानूनी समीक्षा में अतनु चक्रवर्ती द्वारा उठाए गए मुद्दों पर कोई ठोस आधार नहीं मिला। जानकारों का कहना है कि लॉ फर्मों द्वारा क्लीन चिट मिलने के बाद जगदीशन को तीन साल का एक और कार्यकाल मिलने की संभावना बढ़ गई है। इससे आज बैंक के शेयरों में तेजी आई है। बीएसई पर कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 796.05 रुपये पर बंद हुआ था और आज 800.90 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 806 रुपये तक उछला।

चीन चुपचाप जीत रहा यह युद्ध, दुनियाभर में बनाया दबदबा, भारत के लिए बड़ा खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बूम के कारण भारत समेत दुनिया भर में बिजली की मांग आसमान छू रही है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए क्लीन एनर्जी (स्वच्छ ऊर्जा) प्रोजेक्ट्स को रिकॉर्ड रफ्तार से मंजूरी मिल रही है। लेकिन इस पूरी क्रांति में अभी चीन का दबदबा नजर आ रहा है। सौर ऊर्जा (सोलर पैनल्स), इलेक्ट्रिक वाहनों की लिथियम-आयन बैटरी और एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की वैश्विक सप्लाई चेन पर बीजिंग का लगभग पूरा नियंत्रण है। इसका नतीजा यह है कि ग्लोबल साउथ के गरीब देशों से लेकर दुनिया के सबसे अमीर देशों तक, चीनी क्लीन एनर्जी कंपोनेंट्स का निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर क्लीन एनर्जी में पैर पसार रहे भारत के लिए चीन का यह दबदबा खतरे की घंटी बन सकता है।

भारत के लिए कितना बड़ा खतरा – भारत में डिजिटल क्रांति और एआई बूम के कारण बिजली की मांग रिकॉर्ड रफ्तार से बढ़ रही है। नए डेटा सेंटर्स और टेक इंफ्रास्ट्रक्चर में बिजली की बहुत ज्यादा जरूरत पड़ती है। ऐसे में बिजली की इस मांग को पूरा करने के लिए देश में क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स को युद्ध स्तर पर हरी झंडी दिखाई जा रही है। भारत सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद सौर ऊर्जा, ईवी के लिए लिथियम-आयन बैटरी और ग्रिड-स्केल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की ग्लोबल सप्लाई चेन पर बीजिंग का लगभग एकछत्र राज है। नतीजा यह है कि भारत के मेक इन इंडिया और भारी कस्टम्स ड्यूटी के दावों के बीच, चीनी क्लीन एनर्जी कंपोनेंट्स का आयात भारतीय बाजारों में लगातार पैर पसार रहा है।

भारत में चीन की पैठ – भारत सरकार ने घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए पीएलआई स्कीम शुरू की है और चीनी सौर उपकरणों पर बेसिक कस्टम्स ड्यूटी भी लगाई है। इसके बावजूद हालिया ट्रेड डेटा बताते हैं कि भारतीय डेवलपर्स के लिए चीनी माल पहली पसंद बना हुआ है। भारतीय सोलर प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल होने वाले सेल्स का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी चीन से आयात हो रहा है, क्योंकि चीनी उत्पाद घरेलू बाजार के मुकाबले कहीं ज्यादा किफायती हैं। भारत में ईवी क्रांति और बड़े पावर ग्रिड्स को संभालने के लिए बैटरी स्टोरेज की मांग में सालाना रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही है, जिसका सीधा फायदा चीनी सप्लायर्स उठा रहे हैं।

ईरान युद्ध से बढ़ी मांग

मीडिया आउटलेट सेमाफोर की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस अप्रत्याशित वृद्धि के पीछे तीन मुख्य कारण हैं- अमेरिका-चीन के बीच सुधरते कूटनीतिक संबंध, टेक कंपनियों (हाइपरस्केलर्स) की मांग और ईरान में जारी युद्ध। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया। इसके बंद होने से वैश्विक तेल और गैस बाजारों में भारी उथल-पुथल मच गई है, जिससे आयात पर निर्भर देश संकट में आ गए हैं। लेकिन चीन के लिए यह संकट एक गोल्डन चांस साबित हुआ है। तेल और गैस की अनिश्चितता ने दुनिया भर के देशों को क्लीन एनर्जी की तरफ भागने पर मजबूर कर दिया है। देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए चीन से रिकॉर्ड मात्रा में सोलर पैनल और बैटरी पैक खरीद रहे हैं।

टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस ने निवेशकों को पहले दिन ही लगा दिया चूना

11 प्रतिशत गिर कर लिस्ट हुआ शेयर

मुंबई, एजेंसी। इंश्योरेंस टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रदान करने वाली कंपनी टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस के आईपीओ में पैसे लगाने वालों की पहले दिन ही जेब कट गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज आज सुबह 10 बजे यह शेयर 134.90 रुपये पर लिस्ट हुआ। यह ईश्यू प्राइस 152 रुपये के मुकाबले 11.25 फीसदी का डिस्काउंट है। मतलब कि निवेशकों हर शेयर पर 11 फीसदी से भी ज्यादा का घाटा हो गया। बीएसई पर शेयर 136.20 रुपये पर लिस्ट हुए, जो आईपीओ प्राइस से 10.39 प्रतिशत कम है।

19 जून को खुला था आईपीओ – यह आईपीओ पिछले सप्ताह 19 जून को खुला था। 883 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 144 से 152 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। बिडिंग के बाद प्राइस बैंड के ऊपरी स्तर यानी 152 रुपये शेयर का इश्यू प्राइस तय किया गया था। इस आईपीओ में 661 करोड़ रुपये का फ्रेश इशू और 222 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल शामिल था।

पहले से थे ऐसे ही अनुमान – इस आईपीओ की कमजोर लिस्टिंग ज्यादातर अनलिस्टेड मार्केट की उम्मीदों के अनुसार थी। ग्रे मार्केट में लिस्टिंग से पहले इस स्टॉक ने नेगेटिव ग्रे मार्केट प्रीमियम दिखाया था। यह संकेत देता है कि निवेशकों ने डिस्काउंटेड लिस्टिंग की उम्मीद की थी।

क्या काम करती है टर्टलमिंट कंपनी – टर्टलमिंट की स्थापना साल 2015 में हुई है। यह एक टेक्नोलॉजी-बेस्ड इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म चलाती है। यह ग्राहकों, इंश्योरेंस कंपनियों और डिजिटल पार्टनर्स को जोड़ती है। 30 सितंबर 2025 तक के आंकड़ों के मुताबिक इस प्लेटफॉर्म के 6 लाख से अधिक डिजिटल पार्टनर्स थे, जिनमें 4.85 लाख पॉइंट ऑफ सेल्स पर्सन्स शामिल थे। साथ ही इसने अप्रैल 2022 से सितंबर 2025 के बीच 1.97 करोड़ इंश्योरेंस पॉलिसी के डिस्ट्रीब्यूशन में मदद की।

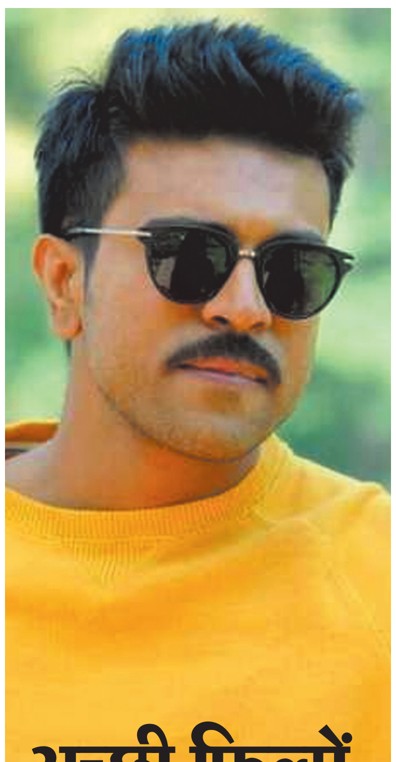

अच्छी फिल्में देखने दर्शक थिएटर जाते हैं

राम चरण इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'पेद्दी' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म अभी भी सिनेमाघरों में बनी हुई है। इस बीच राम चरण हाल ही में एक समिट में शामिल हुए, जहां उन्होंने अपनी हालिया रिलीज 'पेद्दी' और रणवीर सिंह की 'धुरंधर' के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इन फिल्मों का बॉक्स-ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि इन्होंने देश को एक साथ लाने का काम किया। एक्टर ने कहा कि महामारी के बाद भले ही सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या कम हो गई हो, लेकिन केजीएफ और पुष्पा जैसी अच्छी फिल्मों ने साबित किया है कि ऐसा नहीं है।

सिनेमा आज भी मनोरंजन का सबसे सस्ता जरिया

रिपब्लिक समिट में राम से पूछा गया कि लोग थिएटर जाना क्यों बंद कर चुके हैं और एक एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर उनकी क्या राय है? इस पर एक्टर ने कहा कि जब केजीएफ, पुष्पा 2, धुरंधर, कांतारा या आरआरआर जैसी बेहतरीन फिल्में आती हैं, तो लोग थिएटर वापस आते हैं। कोविड के असर के बाद हम सभी को थोड़ा डर था कि क्या वे वापस आएंगे। भारत में मनोरंजन का सबसे सस्ता जरिया आज भी सिनेमा ही है। परिवार के साथ फिल्म देखने जाना और फिल्म के बाद उस पर बातचीत करना, यह एक बेहतरीन सामूहिक गतिविधि भी है। बेशक अगर पॉपकॉर्न के दाम थोड़े कम हो जाएं, तो और भी अच्छा होगा।

'धुरंधर' शानदार फिल्म है

राम चरण ने आगे कहा कि 'धुरंधर' बेहतरीन, शानदार और जबरदस्त फिल्म थी और बताया कि उन्होंने इसे हाल ही में ओटीटी पर देखा। उन्होंने कहा कि इसमें सब कुछ सही तरीके से और सही रफ्तार से हुआ। क्या ऐसी और फिल्में आनी चाहिए? जरूर। हमारी आने वाली फिल्मों में राष्ट्रीय एकता जैसे इंडिया फर्स्ट बहुत जरूरी है। इसने देश को एकजुट किया है। इसने सबसे ज्यादा कमाई की है, 1800 करोड़ से ज्यादा। ऐसा क्यों हुआ? बॉक्स ऑफिस के नंबर असल में उन लोगों की संख्या है, जिन्होंने इसे पसंद किया और जो इसे देखने के लिए थिएटर गए। अगर भारत के लोग इसे अपना रहे हैं और चाहते हैं कि ऐसा हो, तो क्यों नहीं? यह हमारे देश के लिए अच्छा है।

शुभांगी अत्रे ने सोशल मीडिया और रिश्तों पर रखे विचार

टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहीं शुभांगी अत्रे ने बातचीत में अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह अकेलापन सिर्फ भीड़ या लोगों की कमी से नहीं होता, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत की कमी से होता है।

शुभांगी अत्रे ने कहा, ''मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसे लोग हैं, जो सच में मुझसे पूछते हैं, 'आप कैसी हैं?' और जवाब का इंतजार भी करते हैं। किसी इंसान के लिए सबसे बड़ा सुकून यही होता है कि कोई उसे बिना टोके, बिना जज किए ध्यान से सुने। कई बार सलाह से ज्यादा राहत सिर्फ सुन लिए जाने से मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, 'अकेलापन अक्सर इस वजह से महसूस होता है क्योंकि लोगों के बीच बातचीत तो होती है, लेकिन वह गहराई नहीं होती, जो दिल को छू सके। आजकल लोग एक-दूसरे से जुड़े तो रहते हैं, लेकिन बातचीत अक्सर सतही रह जाती है। ऐसे में इंसान भीड़ में रहते हुए भी खुद को अकेला महसूस कर सकता है। मेरा मानना है कि एक खुली बातचीत, जिसमें व्यक्ति अपने असली विचार और भावनाएं बिना डर के रख सके, वह कई रिश्तों से ज्यादा कीमती होती है।''

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ''आज के समय में लोग एक-दूसरे की जिंदगी से तो वाकिफ रहते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं से नहीं। हम यह तो देख लेते हैं कि सामने वाला क्या कर रहा है, कहां घूम रहा है या क्या पोस्ट कर रहा है, लेकिन यह नहीं जान पाते कि वह अंदर से क्या महसूस कर रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को ज्यादा विजिबल बना दिया है, लेकिन महसूस करने और समझने वाली गहराई कम हो गई है। असली बातचीत अभी भी स्क्रीन से दूर ही होती है।'' रिश्तों को लेकर उन्होंने कहा, ''आज के समय में सच्चे और भरोसेमंद रिश्ते बनाना आसान नहीं है। भरोसा, समझ और अपनापन धीरे-धीरे बनता है और इसके लिए समय और धैर्य दोनों की जरूरत होती है। जीवन में वही लोग सबसे अहम होते हैं जो अच्छे और बुरे दोनों समय में साथ खड़े रहते हैं। ऐसे रिश्ते ही इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं और अकेलेपन को दूर करते हैं।''

उन्होंने निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, ''मेरी बेटी आशी मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह 19 साल की हैं और काफी समझदार हैं। वह हमेशा मेरा हालचाल लेती रहती हैं और मेरा ख्याल रखती हैं। मेरे कुछ करीबी लोग भी हैं जिनके कारण मुझे अकेलापन महसूस नहीं होता।''

पांच साल बाद फिर डराने आ रहे इमरान हाशमी

हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'रूह' की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। इसमें यह भी जानकारी दी गई है कि यह कब रिलीज होगी।

फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म 'रूह' की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल 'रूह' लिखा नजर आता है। मेकर्स ने बताया है कि यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

ऋतिक रोशन ने पूरी की 'जेलर 2' की शूटिंग

साउथ के दिग्गज कलाकार रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म 'जेलर 2' को लेकर फैंस के बीच उत्साह बढ़ता जा रहा है। खबरों के मुताबिक बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने रजनीकांत की इस फिल्म में अपने खास कैमियो रोल की शूटिंग पूरी कर ली है। बताया जा रहा है कि एक्टर ने चेन्नई में दो दिन के शूटिंग शेड्यूल में अपना हिस्सा पूरा किया है।

कहानी को आगे बढ़ाएगा ऋतिक का किरदार

नेल्सन दिलीप कुमार ने 'जेलर 2' में ऋतिक रोशन के लिए एक बहुत ही शानदार किरदार तैयार किया है। उनका एक दमदार सीक्वेंस है। इसके बाद रजनीकांत के साथ एक सीन है। कहा जा रहा है कि यह पूरा एपिसोड 'जेलर 2' की मुख्य हाइलाइट्स में से एक होगा। यह एक दमदार कैमियो है, जिसे दर्शकों से तारीफ बटोरने के लिए डिजाइन किया गया है। उनका कैमियो फिल्म के एक अहम मोड़ पर आता है और कहानी को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाता है। फिल्म में उनका लुक एकदम अलग होगा। इसे अभी गुप्त रखा गया है।

'वेलकम टू द जंगल' पर अक्षरा सिंह ने जताई खुशी

भोजपुरी स्टार और सिंगर अक्षरा सिंह इन दिनों काफी खुश हैं। हाल ही में वे बॉलीवुड फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के गाने 'घिस घिस घिस' में अक्षय कुमार के साथ नजर आई हैं। इसके बाद अब उन्होंने गाने के बाद मिली पॉपुलैरिटी को लेकर और अक्षय कुमार के साथ काम करने पर बात की है।

मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट है

एक इंटरव्यू में अक्षरा सिंह ने कहा, 'मैं अहमद सर, गणेश आचार्य सर और अक्षय सर की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है और मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट है। मैं इसे हमेशा याद रखूंगी।'

मैं पूरी तरह से ब्लैंक हो गई

अक्षरा ने उस पल को भी याद किया जब उन्हें इस गाने के लिए फोन आया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें थोड़ा डर लगा था। अक्षरा ने कहा, 'मुझे अहमद सर के प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया और बताया गया कि 'वेलकम टू द जंगल' में एक गाना है, जो मुझे करना है। पहले मैं थोड़ा हिचकिचाई, लेकिन बाद में गणेश आचार्य सर का फोन आया और उन्होंने मुझे समझाया। जैसे ही मैंने उनका और अक्षय सर का नाम सुना, मैं पूरी तरह से ब्लैंक हो गई।'

मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था

उन्होंने आगे कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी थी, लेकिन मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था। मैं इतनी घबराई हुई थी कि वॉशरूम तक जाना पड़ा। यह मेरे लिए एक फैनगर्ल मोमेंट था। कल तक मैं टीवी पर अक्षय सर की फिल्में देखती थी और ताली बजाती थी, और आज उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हूं। मुझे लगा जैसे जिंदगी खुद अपनी कहानी लिख रही है।'

अब दर्शकों को एक अलग रजत बेदी देखने को मिलेगा

'कोई... मिल गया', 'जोड़ी नंबर 1', 'इंडियन', 'रक्त' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता रजत बेदी ने अपना 54वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर उन्होंने बात की और अपनी जिंदगी, करियर, फिटनेस और बदलते मनोरंजन जगत को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि आने वाला समय उनके लिए काफी खास रहने वाला है और दर्शकों को जल्द ही उनका एक नया रूप देखने को मिलेगा।

जब उनसे पूछा कि क्या उनकी जिंदगी में कोई ऐसा अनुभव रहा है, जिसने सब कुछ बदल दिया हो, तो रजत बेदी ने कहा, ''मुझे इस साल ऐसा महसूस हो रहा है कि मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदलने वाला है। अब तक मैंने जिन किरदारों को निभाया है, आने वाले समय में उनसे बिल्कुल अलग भूमिकाएं करने वाला हूं। कुछ ऐसे सपने थे जिन्हें मैं पहले पूरा नहीं कर पाया था, लेकिन अब उन्हें साकार करने का मौका मिल रहा है। मेरा वादा है कि आने वाली फिल्मों में दर्शकों को एक बिल्कुल अलग रजत बेदी देखने को मिलेगा।''

अभिनेता ने कहा, ''इस समय मेरा कॉन्फिडेंस लेवल बहुत ऊंचा है और मेरे भीतर काम को लेकर एक नई ऊर्जा है। पहले मैंने इंडस्ट्री में कुछ मौके खोए थे, लेकिन अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं।''

इंडस्ट्री में करियर बनाने आ रहे नए कलाकारों को सलाह देते हुए रजत बेदी ने कहा, ''किसी को भी लोगों की बातों में नहीं आना चाहिए। इंसान को हमेशा अपने दिल की सुननी चाहिए। एक समय ऐसा था, जब मैं दूसरों की बातों में आकर खुद को मायूस करने लगता था। अब मैंने सीख लिया है कि जीवन में सबसे जरूरी अपनी सोच और अपने दिल की आवाज पर भरोसा करना है। मैं भविष्य में वही करूंगा, जो मेरा दिल कहेगा और दूसरों की राय को खुद पर हावी नहीं होने दूंगा।''

रजत बेदी ने युवाओं को स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा महत्व देने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''अच्छी सेहत जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए रोजाना व्यायाम करें और अपने खानपान पर खास ध्यान दें। भोजन में पौष्टिक और स्वस्थ चीजों को शामिल करना बेहद जरूरी है। अगर शरीर स्वस्थ रहेगा तो व्यक्ति अपने जीवन और करियर में बेहतर ध्यान दे पाएगा।'

संजय दत्त हैं सबसे पसंदीदा कलाकार

रजत कहा 'मैंने सलमान खान, सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है, और ये सभी मेरे लिए खास रहे हैं। लेकिन अगर सबसे पसंदीदा कलाकार की बात करें तो संजय दत्त का नाम सबसे ऊपर आता है। वह बेहद साफ दिल के इंसान हैं, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है। संजय दत्त के साथ बिताए गए पल आज भी मेरे चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं।' सोशल मीडिया के दौर में कलाकारों की निजी जिंदगी पर लगातार नजर रखे जाने के सवाल पर रजत बेदी ने कहा, ''मैं मानता हूं कि आज के समय में सितारों की निजी जिंदगी पहले के मुकाबले काफी कम रह गई है। अब लगभग हर व्यक्ति सोशल मीडिया से जुड़ा हुआ है। ऐसे में कोई भी छोटी या बड़ी बात बहुत जल्दी इंटरनेट पर पहुंच जाती है और लोगों के बीच फैल जाती है। हालांकि सोशल मीडिया के कई सकारात्मक पहलू भी हैं।

धीमी बल्लेबाजी, कमजोर पेस अटैक, इन 5 वजहों से महिला टीम का टी20 विश्व कप भारत बाहर

बेटियों का सपना टूटा

नई दिल्ली। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतने के कारण महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम से काफी उम्मीदें थीं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को खिताब का प्रबल दावेदार भी माना जा रहा था। हालांकि, रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के साथ ही टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया।

- **मध्यक्रम की धीमी बल्लेबाजी:** भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की जोड़ी ने कई मुकाबलों में ताबड़तोड़ शुरुआत दी, लेकिन मध्यक्रम की धीमी बल्लेबाजी टीम को काफी महंगी पड़ी। खासतौर पर जेमिमा रोड्रिग्स जरूरत से ज्यादा धीमी बैटिंग करती नजर आईं, जिसका खामियाजा भारतीय टीम को भुगतना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी जेमिमा ने 34 रन बनाने के लिए 28 गेंदें खेलीं। बीच के ओवरों में अधिक डॉट गेंदें खेलने का भी भारतीय टीम को नुकसान उठाना पड़ा। खुद कप्तान हरमनप्रीत का पूरे टूर्नामेंट में स्ट्राइक रेट 131 का ही रहा।
- **खराब फील्डिंग और कैच छोड़ना पड़ा भारी:** भारतीय टीम की टूर्नामेंट में फील्डिंग बेहद साधारण रही। खिलाड़ियों ने मुकाबले के कई अहम मौके पर कैच छोड़े। इसके साथ ही भारतीय फील्डर्स ने खराब फील्डिंग के कारण कई अतिरिक्त रन भी दिए, जो टीम को अंत में भारी पड़े। खराब फील्डिंग की वजह से भारतीय गेंदबाज विपक्षी टीम की बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम रहीं।
- **तेज गेंदबाजी दिखी बेअसर:** इंग्लैंड जैसी बेहतरीन परिस्थितियों में भी भारतीय तेज गेंदबाज विकेटों के लिए जूझती हुई नजर आईं। रेणुका सिंह ने कुल 2 विकेट लिए और उनका इकोनॉमी 8.85 का रहा। वहीं, क्रांति गौड़ और नंदिनी शर्मा जैसी गेंदबाज भी बेअसर दिखाई दीं। श्री चरणी ने जरूर टूर्नामेंट में 14 विकेट चटकाए, लेकिन उन्हें तेज गेंदबाजों का साथ नहीं मिल सका।

- **जरूरत से ज्यादा स्पिनर्स पर निर्भरता:** भारतीय टीम इस विश्व कप में जरूरत से ज्यादा स्पिन गेंदबाजों पर निर्भर नजर आई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 19 ओवरों में से 14 ओवर स्पिन गेंदबाजों ने डाले। तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में स्पिनर्स पर निर्भरता हरमनप्रीत एंड कंपनी को भारी पड़ी। टूर्नामेंट में भारतीय टीम द्वारा लिए गए कुल विकेटों में से 87 प्रतिशत विकेट सिर्फ स्पिनर्स ने चटकाए।
- **कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में बेरंग दिखीं हरमनप्रीत:** भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए यह टूर्नामेंट बल्ले और कप्तानी दोनों में कुछ खास नहीं रहा। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ हरमनप्रीत की कप्तानी बेहद साधारण नजर आई। इसके साथ ही 5 मुकाबलों में वह बल्ले से सिर्फ 141 रन ही बना सकीं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 56 रनों की पारी को हटा दिया जाए, तो वह बाकी 4 पारियों में महज 85 रन ही बना पाईं।

जेमिमा रिटायर आउट होने वाली भारत की दूसरी क्रिकेटर बनीं

1 महीने पहले यह खिलाड़ी लौटी थी पवेलियन

नई दिल्ली। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में रविवार (28 जून) को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्रुपए के अहम मुकाबले के दौरान भारत की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स रिटायर्ड आउट हुई। महिला टी20 क्रिकेट में वह रिटायर आउट होने वाली दूसरी भारतीय क्रिकेट बनीं। एक महीने पहले इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 सीरीज में यास्तिका भाटिया रिटायर आउट हुई थीं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया। जेमिमा 20वें ओवर से पहले 28 गेंदों में 34 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुईं।

हरमनप्रीत कौर की तूफानी पारी– जेमिमा रोड्रिग्स की जगह आईं ऋचा घोष को सिर्फ एक गेंद खेलने को मिली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी सबसे तेज हाफ सेंचुरी बनाते हुए आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के मारे। हरमन ने 27 गेंद पर 56 रन बनाए। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 171 रनों का लक्ष्य दिया।

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

महिला क्रिकेट की सबसे सफल गेंदबाज बनीं, मूनी को आउट करके झूलन से निकलीं आगे

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप में रविवार (28 जून) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने बेथ मूनी का विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह महिला अंतराष्ट्रीय

क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। उन्होंने दिग्गज खिलाड़ी झूलन गोस्वामी को पीछे छोड़ा। दीप्ति शर्मा के महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 356 विकेट हो गए। झूलन के 355 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी ने 336, इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट ने 335, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन ने 333 और साउथ अफ्रीका की शबनिम इस्माइल ने 323 विकेट लिए हैं।

दीप्ति शर्मा का करियर

दीप्ति शर्मा के टी20 क्रिकेट में 168 विकेट हैं। टेस्ट में 22 और वनडे में 166 विकेट लिए हैं। दीप्ति ने आयरलैंड के खिलाफ ओपनर फबे मोलकेनबोअर को आउट करके झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 170 रन बनाए। हरमनप्रीत कौर ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। भारत यह मैच 6 विकेट से हारकर सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गया।

साउथ कोरिया के ग्रुप स्टेज में बाहर होने के बाद होंग म्युंगबो ने हेड कोच पद से दिया इस्तीफा

मेक्सिको सिटी। साउथ कोरिया के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से ग्रुप स्टेज में ही बाहर होने के बाद टीम के हेड कोच होंग म्युंगबो ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। साउथ कोरिया ने टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार अंदाज में की थी। टीम ने अपने पहले मुकाबले में चेकिया को 2-1 से हराया था। हालांकि, इसके बाद टीम को मेक्सिको और साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगातार 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। इन 2 हार के साथ ही टीम की राह बेहद मुश्किल हो गई। तीसरे स्थान पर रहने के बावजूद वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली 8 टीमों में भी जगह नहीं बना सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। 57 वर्षीय होंग म्युंगबो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह टीम की असफलता की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने देश के फुटबॉल प्रशंसकों से माफी मांगते हुए कहा कि वह नेशनल टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ रहे हैं। होंग ने कहा, 'मैं उन सभी कोरियाई लोगों से दिल से माफी मांगता हूं, जिन्होंने हमारी नेशनल टीम का हमेशा समर्थन किया। मैंने यह जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाने की कोशिश की, लेकिन मैं वह नतीजा नहीं दे सका जिसकी लोगों को उम्मीद थी। इसी वजह से मैं अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं।' उन्होंने कहा कि हेड कोच के रूप में अंतिम नतीजा ही सबसे अहम होता है और वह इसमें सफल नहीं रहे। उन्होंने अपने कोचिंग स्टाफ और सहयोगियों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने पूरे समर्पण के साथ उनके साथ काम किया। होंग म्युंगबो ने 2024 में दूसरी बार साउथ कोरिया की नेशनल टीम की कमान संभाली थी। उनके कार्यकाल में टीम ने 26 मैच खेले, जिनमें से टीम को 15 में जीत मिली, जबकि 6 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 5 मैच ड्रॉ रहे। इससे पहले वह 2013 और 2014 में भी नेशनल टीम के हेड कोच रह चुके हैं। कोच बनने से पहले होंग साउथ कोरिया के दिग्गज खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं।

उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर में देश के लिए 136 मैच खेले। 2009 में उन्होंने कोचिंग करियर की शुरुआत की और बाद में नेशनल टीम की जिम्मेदारी संभाली। अपने विदाई संदेश में होंग ने कहा कि वह भले ही कोच का पद छोड़ रहे हों, लेकिन कोरियाई फुटबॉल के प्रति उनका प्यार कभी कम नहीं होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि टीम भविष्य में मजबूत वापसी करेगी और वह एक समर्थक के रूप में हमेशा नेशनल टीम के साथ खड़े रहेंगे।

आयरलैंड के सामने विश्व विजेताओं ने टेके घुटने

2-0 से सीरीज में हार; जानें टीम इंडिया की हार के बड़े कारण

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी का आगाज टी20 इंटरनेशनल में भारतीय टीम के लिए एक बुरे सपने जैसा रहा है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में 2-0 की हार ने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर कई प्रश्न चिन्ह लगा दिए हैं।

सिर्फ भारतीय टीम ही नहीं यह सवाल चयनकर्ताओं और टीम इंडिया के मैनेजमेंट पर भी उठेंगे। क्या विश्व विजेता टीम के कॉम्बिनेशन को 2 महीने के बाद छेड़ते हुए नई टीम, नए कप्तान को लाना जायज था?

फिलहाल इस बात से भी नहीं मुकरा जा सकता है कि भारतीय बल्लेबाजों ने आयरलैंड के गेंदबाजों के सामने इन दोनों टी20 मुकाबलों में घुटने टेक दिए। ओपनर संजू सैमसन, इन फॉर्म इशान किशन, कप्तान श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, अक्षर पटेल बुरी तरह फ्लाप साबित हुए। इसके अलावा तिलक वर्मा ने रन बनाए लेकिन स्ट्राइक रेट फिर सवालों के घेरे में रहा।

क्या-क्या हुआ?

इस मैच की बात करें तो पहले खेलते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाए। हैरी टेक्टर ने सर्वाधिक 53 रन की पारी अपने 100वें टी20 इंटरनेशनल मैच में खेली। भारत के लिए डेब्यूटेंट प्रिंस यादव ने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 153 रन ही बना सकी और 1 रन से मुकाबला हार गई। आयरलैंड के लिए जय मूंद्रा ने 3 और मैथ्यू होलार्ड ने भी 3 विकेट झटके। हैरी टेक्टर को भी 1 विकेट मिला। इस तरह भारत ने 0-2 से सीरीज गंवा दी।

भारत की हार की 3 प्रमुख वजह

- भारतीय टीम की हार की सबसे बड़ी वजह रही है टीम के ओपनर्स का खराब प्रदर्शन और टॉप ऑर्डर का फ्लाप शो। इशान और संजू दोनों मुकाबलों में फ्लाप रहे।
- मिडिल ओवर्स में स्पिनर्स की नाकामी भी भारत की हार की वजह रही। पेसर्स ने अपना काम लगभग किया लेकिन अक्षर पटेल अपने कद के मुताबिक प्रभावित नहीं कर पाए।
- मध्यक्रम और निचले मध्यक्रम से भी इस सीरीज में खास सपोर्ट नहीं मिल पाया। पहले मैच में वाशिंगटन सुंदर फिर दूसरे मैच में सूर्यांश शेडगे ने निराश किया।

दो बार के विश्व विजेता शिवम दुबे भी कुछ खास बल्लेबाजी नहीं कर पाए।

टीम इंडिया की हार के बाद भड़के सुनील गावस्कर

'वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में खिलाओ'

नई दिल्ली। भारतीय टीम की आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में हुई हार से क्रिकेट जगत में हलचल मच चुकी है। भारत की हार के बाद टीम इंडिया के मैनेजमेंट और चयन समिति पर भी कई सवाल उठ रहे हैं। दिग्गज सुनील गावस्कर भारत की हार पर बुरी तरह भड़के हैं। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी को नहीं खिलाने पर गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने साफतौर पर यह भी कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज के पहले मैच से ही वैभव को खिलाना होगा।

वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड दौरे पर इंटरनेशनल डेब्यू नहीं मिला। वह इंग्लैंड दौरे पर भी भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। अब सवाल यह है कि क्या वहां उन्हें मौका मिलेगा? इसको लेकर दिग्गज सुनील गावस्कर ने बड़ा बयान दिया है। एक टीवी चैनल के साथ लाइव चर्चा में गावस्कर ने टीम इंडिया को साफ नसीहत दी है कि अब किसी को भी बाहर करो, आउट ऑफ फॉर्म बल्लेबाजों को हटाओ, लेकिन वैभव को पहले मैच से खिलाओ।

भारत की हार पर भड़के सुनील गावस्कर– सुनील गावस्कर ने वैभव सूर्यवंशी को मौका ना देने के सवाल पर कहा, 'मैं एक महीने से बोल रहा था कि आयरलैंड सीरीज के दोनों मैचों में वैभव को खिलाया जा सकता था। एक मैच में अभिषेक और एक मैच में संजू के साथ ओपनिंग करवा सकते थे। अगर आपको युवा खिलाड़ियों को मौका देना था तो यह दो मैच अच्छा मौका था।'

सनी पाजी ने आगे कहा, 'अब पहले मैच में ही (इंग्लैंड के खिलाफ) उन्हें (वैभव को) खिलाना होगा। बात सीधी सी है, जो आपके आउट ऑफ फॉर्म खिलाड़ी हैं उन्हें बाहर रखिए और वैभव सूर्यवंशी को खिलाएं।

कनाडा ने रचा इतिहास

पहली बार अंतिम 16 में जगह पक्की की

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 के पहले मुकाबले में कनाडा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ ही कनाडा ने इतिहास रचा। टीम ने विश्व कप में पहली बार अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है। मैच की शुरुआत से ही साउथ अफ्रीका कनाडा पर हावी नजर आई, और टीम ने लगातार आक्रामक खेल के बूते डिफेंस पर दबाव बनाने का प्रयास किया। साउथ अफ्रीका की ओर से कुछ अच्छे मूव देखने को मिले, लेकिन टीम इन्हें गोल में तब्दील नहीं कर सकी। दूसरी ओर, कनाडा के पास पहले हाफ के अंतिम मिनटों में गोल करने के दो बढ़िया मौके आए, पर टीम इन

मौकों को भुना नहीं सकी। मोइज बॉम्बिटो के शानदार हेडर को साउथ अफ्रीका के डिफेंडर ऑब्रे मॉडिबा ने गोललाइन के पास से क्लियर किया, जबकि ताजोन बुकानन के बेहतरीन शॉट का गोलकीपर रोनवेन विलियम्स सफलतापूर्वक बचाव करने में सफल रहे। पहले हाफ में दोनों टीमों की तरफ से कोई भी गोल नहीं हो सका।

दूसरे हाफ में साउथ अफ्रीका के मुकाबले कनाडा की टीम ज्यादा आक्रामक अंदाज में खेलती हुई नजर आई। टीम ने साउथ अफ्रीका के गोल पर एक के बाद एक हमले किए। हालांकि, साउथ अफ्रीका के मजबूत डिफेंस ने कनाडा को बढ़त लेने नहीं दी। मैच के 75वें मिनट में कनाडा ने बड़ी चाल चलते हुए स्टार खिलाड़ी अल्फोंसो डेविस को मैदान पर उतारा। डेविस ने मैदान पर आते के साथ ही अपनी रफ्तार और बेहतरीन ड्रिब्लिंग के बूते साउथ अफ्रीका के डिफेंस पर दबाव बनाया।

मैच अतिरिक्त समय की तरफ बढ़त हुआ दिख रहा था, लेकिन तभी इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में कनाडा के कप्तान स्टीफन यूस्टाक्वियो ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाया, जो सीधा गोल पोस्ट में पहुंचा। स्टीफन का यह गोल निर्णायक साबित हुआ और उन्होंने सह-मेजबान टीम के फैंस को झूमने का मौका दिया।

बेन स्टोक्स ने किया संन्यास का ऐलान

न्यूज़ीलैंड से टेस्ट मैच के बीच इंग्लैंड को झटका

नई दिल्ली। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मैच के बीच झटका लगा है। कप्तान बेन स्टोक्स ने रविवार (28 जून) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। इंग्लैंड के कप्तान दूसरे मैच में नाइट कर्फ्यू तोड़ने और क्लब में विवाद के बाद नहीं खेले थे। इसके बाद उन्हें कप्तानी से हटाए जाने और टीम से बाहर करने की बात चल रही थी। तब अटकलें लगाई जा रही थीं कि स्टोक्स संन्यास ले सकते हैं।

न्यूजीलैंड की दूसरे टेस्ट में जीत के बाद स्टोक्स और गस एटकिंसन की टेस्ट टीम में वापसी हुई। दोनों को नाइटक्लब मामले में लिखित चेतावनी दी गई थी। तीसरे टेस्ट में स्टोक्स की बतौर कप्तान इंग्लैंड की टीम में वापसी हुई। इसके बाद उन्होंने चौथे दिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार स्टोक्स ने रविवार सुबह खेल शुरू होने से पहले अपने टीम के साथियों और ईसीबी को अपना फैसला बताया।

संक्षिप्त समाचार

शीतला माता मंदिर में लगेगा आषाढ़ मेला, दर्शन को आने से पहले जान लें टाइमिंग-इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के प्राचीन श्री माता शीतला देवी मंदिर में एक महीने तक चलने वाला आषाढ़ मेला इस बार 30 जून से शुरू हो रहा है, जो 29 जुलाई तक चलेगा। मेले में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन और श्राइन बोर्ड ने सुरक्षा, सफाई, निर्बाध बिजली-पेयजल और यातायात प्रबंधन की तैयारियां तेज कर दी हैं। वहीं रविवार को माता मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहीं। आषाढ़ मेले में आने वाली अत्यधिक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए शुरुआती दिनों में दर्शन का समय सुबह 4ः00 बजे से रात 10ः00 बजे तक होगा। वहीं अंतिम 15 दिनों और विशेष तिथियों (रविवार-सोमवार) में मंदिर के कपाट 24 घंटे खुले रहेंगे, जिससे बाहरी श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं उठानी पड़े। माता मंदिर में दर्शन करने के लिए आने वाले बाहरी श्रद्धालुओं को पीने के पानी की सुविधा को लेकर विशेष ध्यान दिया गया है। मंदिर प्रशासन की ओर से मंदिर परिसर में 14 वाटर कूलर चालू कर दिए गए हैं। परिसर में सफाई के लिए कूड़ा उठाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को गंदगी का सामना नहीं करना पड़े। आपात स्थिति से निपटने के लिए मंदिर परिसर के पास मेडिकल टीमें और एंबुलेंस तैनात रहेंगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को तुरंत मेडिकल हेल्प मिल सके। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर डेढ़ सौ पुलिस कर्मी, फायर और एंबुलेंस की गाड़ियां तैनात रहेंगी। इसके अलावा शुद्ध पेयजल, परिसर में सफाई समेत अन्य व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है। मंदिर प्रशासन ने कहा है कि मंदिर के सभी कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए कि मेले में किसी प्रकार की अव्यवस्था देखने को न मिले।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के वडोदरा-मुंबई सेक्शन का अब थोड़ा बचा काम, जल्द होगी ओपनिंग?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का वडोदरा-मुंबई सेक्शन खुलने का इंतजार कर रहे लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि एक्सप्रेसवे का वडोदरा-मुंबई सेक्शन इस साल 31 अगस्त तक शुरू हो जाने की उम्मीद है। इसके शुरू होने के बाद मुंबई से वडोदरा के बीच यात्रा का समय घटकर आधा रह जाएगा।

6 राज्यों को जोड़ेगा एक्सप्रेसवेः 1400 किलोमीटर लंबा, 8-लेन वाला एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे देश के सबसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक है। केंद्र सरकार द्वारा इसे करीब 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। यह एक्सप्रेसवे दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों को जोड़ेगा।

8 से घटकर 4 घंटे में पूरी होगी यात्राः जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र से गुजरने वाला वडोदरा-मुंबई कॉरिडोर का यह हिस्सा करीब 157 किलोमीटर लंबा है, जिसे लगभग 24,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। इसे 7 हिस्सों में बांटकर बनाया जा रहा है, इनमें से 5 हिस्सों का काम पूरा हो चुका है और वो यातायात के लिए तैयार हैं, जबकि बाकी दो हिस्से अगस्त 2026 तक पूरे होने की उम्मीद है। यह एक्सप्रेसवे चालू हो जाने के बाद वडोदरा और मुंबई के बीच यात्रा का समय 8 घंटे से घटकर लगभग 4 घंटे रह जाएगा। इससे यात्रियों को तेज, सुरक्षित और जाम मुक्त सफर की सुविधा मिलेगी और साथ ही कमर्शियल ट्रांसपोर्ट में भी सुधार होगा।

कॉरिडोर को 31 अगस्त 2026 तक खोलने की योजनाः सीएम फडणवीस ने रविवार को एक्सप्रेसवे के वडोदरा-मुंबई सेक्शन का निरीक्षण और प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण की उच्च गुणवत्ता बनाए रखते हुए काम समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

धर्मेंद्र प्रधान के साथ गडकरी, निर्मला सीतारमण पर भी हो सकता है फैसला!

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के मंत्रालय को लेकर अटकलों का दौर जारी है। कहा जा रहा है कि उनका विभाग बदला जा सकता है। दरअसल, ये घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहे हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली कैबिनेट में फेरबदल की सुगबुगाहट है। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि इस दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण समेत कई बड़े नामों को लेकर भी विचार विमर्श का दौर जारी है। बहरहाल, भाजपा या एनडीए की तरफ से इसे लेकर अब तक आधिकारिक रूप से कुछ नहीं बताया गया है।

कब होगा कैबिनेट फेरबदल

शीर्ष स्तर से मिल रहे संकेतों के अनुसार, यह फेरबदल अब कभी भी और शायद संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले किया जा सकता है। इस संबंधी विचार-विमर्श की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी की नई टीम की घोषणा के साथ किया जाएगा।

सूत्रों ने संकेत दिया कि अगर फेरबदल होता है तो यह जुलाई में कभी भी हो सकता है। संसद का मानसून सत्र आम तौर पर जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है। मंत्रिमंडल में फेरबदल की तारीख प्रधानमंत्री के व्यस्त कार्यक्रम को ध्यान में रखकर तय किए जाने की संभावना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 से 29 जून तक सेशेल्स की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उनके छह से 11 जुलाई के बीच इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाने की भी संभावना है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची का भी एक से तीन जुलाई तक नई दिल्ली की यात्रा का कार्यक्रम है।

तैयार है सूची : भाजपा का शीर्ष नेतृत्व पदाधिकारियों की सूची को अंतिम रूप दे चुका है और नितिन नवीन की टीम की घोषणा जल्द होने की संभावना है। पार्टी के युवा चेहरों को संगठन में प्रमुख पदों की जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष ने पिछले सप्ताह कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ भी विचार-विमर्श किया था।

बदले जाएंगे विभाग : कुछ मंत्रियों के विभाग बदले जाने की भी अटकलें हैं। प्रश्नपत्र लीक और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में अनियमितताओं सहित मंत्रालय से जुड़े कई विवादों के कारण शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। इस बात की प्रबल संभावना है कि भाजपा एक व्यक्ति, एक पद के अपने नियम का पालन करेगी जिसके कारण दोनों को सरकार से हटना पड़ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नीतीश कुमार, शक्तिकांत दास, सुखेंदु शेखर रे, तरुण चुघ, राघव चड्ढा और श्रीकांत शिंदे की एंट्री कैबिनेट में हो सकती है। वहीं, मनोहर लाल खट्टर, रवनीत सिंह बिट्टू, अश्विनी वैष्णव, धर्मेंद्र प्रधान, निर्मला सीतारमण, हरदीप सिंह पुरी और नितिन गडकरी के विभागों को लेकर विचार हो सकता है। फिलहाल, इन नामों को लेकर सिर्फ अटकलें ही हैं और भाजपा ने आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा है।

लखनऊ से चाकू खरीद दिल्ली में मर्डर करने आया पति; जेठानी के घर सो रही पत्नी को काटा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा जिले के कड़कड़ूमा गांव में हुई उत्तर प्रदेश की एक 30 वर्षीय महिला की निर्मम हत्या के मामले को दिल्ली पुलिस ने महज कुछ ही घंटों में सुलझा लिया है। पुलिस ने इस हत्या के आरोप में महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका आरोपी की दूसरी पत्नी और 3 बच्चों की मां थी। हत्या की वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। डीसीपी शाहदरा राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने बताया कि 28 जून को आनंद विहार थाना पुलिस को दिल्ली के कड़कड़ूमा गांव में एक कमरे के अंदर एक महिला के खून से लथपथ हालत में पड़े होने की पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची, जहां एक महिला मृत पाई गई। उसके शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे। डीसीपी ने बताया कि इसके बाद क्राइम टीम और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (स्नस्रू) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। क्राइम टीम और एफएसएल कर्मियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण सबूत इकट्ठा किए। इसके बाद पुलिस द्वारा महिला शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक महिला की पहचान 30 वर्षीय सोनम जोशी के रूप में हुई, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ की रहने वाली थी। वर्तमान में वह नोएडा में रहकर फुल-टाइम मेड के तौर पर काम करती थी और हत्या के वक्त अपनी जेठानी कौशल के घर ठहरी हुई थी। पुलिस ने इस हत्याकांड में सोनम के 35 वर्षीय पति अनुज जोशी को गिरफ्तार किया है। वह यूपी में लखनऊ के पांडे टोला, अलीगंज का रहने वाला है।

सोनम वांगचुक के अनशन के बीच दीपके ने बढ़ाया एजेंडा, अब चुनावी सिस्टम पर भी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की। उन्होंने परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल होकर अपना समर्थन दिया। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मुद्दों का दायरा बढ़ाते हुए ऐलान किया है कि यह आंदोलन महज शिक्षा और नीट विवाद तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें अब चुनावी सिस्टम में सुधार और जवाबदेही के मुद्दों को भी शामिल किया जाएगा।

केवल नीट तक सीमित नहीं रहेगा आंदोलनः अभिजीत दीपके ने साफ किया कि आंदोलन केवल शिक्षा और नीट विवाद तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें चुनावी प्रणाली में सुधार और जवाबदेही के मुद्दों को भी शामिल किया जाएगा। संगठन चुनावी व्यवस्था में जवाबदेही का मुद्दा भी उठाएगा। उन्होंने कहा कि लोग यह मान रहे हैं कि यह सिर्फ नीट और शिक्षा का मुद्दा है। मैं बता देना चाहता हूं कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। हम चुनाव से जुड़े (मुद्दों) पर भी आएंगे। इनमें मतदाता सूचियों का एसआईआर भी शामिल है। इस आंदोलन के जरिये अन्य चिंताओं को भी उठाया जाएगा।

चुनावी सिस्टम पर भी जाएंगेः अभिजीत दीपके ने कहा कि चाहे हम चुनाव लड़ें या न लड़ें, हम चुनावी सिस्टम में सुधार के लिए काम करेंगे। मौजूदा वक्त में जो हो रहा है (वोट हटाना) उससे ईवीएम की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।वहीं सोनम वांगचुक ने कहा कि शिक्षा उनके दिल के करीब है और व्यवस्था सुधारने के लिए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जरूरी है। भूख हड़ताल शुरू करने से पहले सोनम वांगचुक ने अभिजीत दीपके के साथ राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। शिक्षा और पर्यावरण मेरे मुद्दे हैं। न्याय मेरी मंजिल है।

इसलिए सीजेपी के साथ हूं- सोनम वांगचुकः सोनम वांगचुक ने कहा कि बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं कि आप लद्दाख में आंदोलन कर रहे थे, अब आप सीजेपी के साथ क्यों हैं? शिक्षा का मुद्दा पिछले 40 वर्षों से मेरे दिल के बेहद करीब रहा है जब से मैं एक छात्र था। शिक्षा का मकसद बच्चों का जीवन संवारना और राष्ट्र को सही दिशा देना होना चाहिए। सरकार ने संवेदनशीलता दिखाई होती तो हमें यह सब नहीं झेलना पड़ता और न ही इतनी भीषण गर्मी में यहां बैठना पड़ता। जब जवाबदेही का अभाव हो तो लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन ही एकमात्र विकल्प बचता है।

पुलिस ने नहीं दाखिल की चार्जशीटः वहीं दीपके ने आरोप लगाया कि यूपी, हरियाणा और पंजाब के कई किसान नेताओं को जंतर-मंतर पहुंचने से रोकने के लिए नजरबंद किया जा रहा है। यह प्रदर्शन अन्य छात्र और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ी शिकायतों का मंच भी बन गया, जिसमें जयपुर के एक स्कूल में आत्महत्या के कथित मामले में पिछले साल चौथी मंजिल से गिरकर जान गंवाने वाली कक्षा-6 की छात्रा के परिवार ने भी अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग को लेकर आंदोलन में हिस्सा लिया।

ऑस्ट्रेलिया में चूहों का आतंकः किसानों की फसलें बर्बाद, घरों में भी घुसे लाखों चूहे

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के किसान इस समय एक भयानक प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहे हैं। देश के बड़े हिस्से में चूहों की महामारी ने तबाही मचा रखी है, जिससे न केवल फसलें बर्बाद हो रही हैं, बल्कि लोगों का घरों में रहना भी दूभर हो गया है।

फसलों और अर्थव्यवस्था पर दोहरी मारः किसान पहले से ही ईंधन और उर्वरकों की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की समस्याओं से जूझ रहे हैं। अब इस माउस प्लेग ने उनकी कमर तोड़ दी है। चूहे खेतों में बोए गए बीजों को रातभर में चट कर जाते हैं। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के किसान जेफ कॉस्ग्रोव के अनुसार, यह स्थिति 2021 के प्लेग से भी कहीं अधिक भयावह है। किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए लाखों डॉलर खर्च कर दोबारा बुवाई कर रहे हैं या जहरीला चारा डाल रहे हैं।

चूहों की संख्या में भारी उछाल के कारणः विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले साल हुई रिकॉर्ड तोड़ फसल और उसके बाद हुई गर्मियों की बारिश ने चूहों के लिए स्वर्ग जैसी स्थिति पैदा कर दी, जिससे उन्हें भरपूर भोजन और प्रजनन के अनुकूल माहौल मिला। कृषि विज्ञानी बेलिंडा ईस्टोघ के अनुसार, कुछ खेतों में प्रति हेक्टेयर (एक रग्बी मैदान के बराबर) 8,000 से 10,000 चूहे तक मौजूद हैं। सीएसआईआरओ के शोध अधिकारी स्टीव हेनरी ने बताया कि चूहे मात्र छह सप्ताह की उम्र से प्रजनन शुरू कर देते हैं और हर 19 से 21 दिनों में 6 से 10 बच्चों को जन्म दे सकते हैं।

सैन्य ऑपरेशन में छर्रे लगने से एक व्यक्ति की मौत, लापता नाव की तलाश जारी

दोहा , एजेंसी। कतर के आंतरिक मंत्रालय ने रविवार को बताया कि एक कतरी नागरिक की छर्रे लगने से मौत हो गई है। यह घटना तब प्रकाश में आई जब वह व्यक्ति एक अन्य साथी के साथ नाव पर सवार था और उनकी नाव अचानक लापता हो गई थी। मंत्रालय के अनुसार, इस नागरिक की जान इलाके में चल रहे सैन्य अभियानों के कारण लगे छर्रों से गई है। इस घटना में नाव पर सवार दूसरा व्यक्ति भी घायल हुआ है। मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को शुरू किए गए सघन खोज अभियान के बाद, रविवार तड़के इस लापता नाव का पता लगा लिया गया।

हमलों के कनेक्शन पर सस्पेंसः मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में इस घटना के सटीक लोकेशन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इसके अलावा, यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या इन छर्रों का संबंध रविवार को कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर लॉन्च किए गए ईरानी ड्रोनों से था या नहीं। फिलहाल इस घटना के पीछे के वास्तविक कारणों और इसके अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन को लेकर मंत्रालय ने चुप्पी साधी हुई है।

नासा ने शेयर की झूमर की तरह चमकते पुराने तारों के समूह की तस्वीर, हबल टेलिस्कोप ने कैद की खूबसूरती

वाशिंगटन , एजेंसी। हमारी आकाशगंगा की गहराइयों में मौजूद सितारों के प्राचीन समूह आज भी ब्रह्मांड के कई नए रहस्यों से परदा उठा रहे हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के हबल स्पेस टेलिस्कोप ने हाल ही में एक ऐसे ही तारा प्रणाली की एक शानदार तस्वीर खींची है, जिसमें हजारों चमकीले सितारों का एक विशाल झुंड दिखाई दे रहा है।

तस्वीर में दिख रहे इस क्लस्टर का नाम एनजीसी 6723 है, जिसे शैंडेलियर क्लस्टर के नाम से भी जाना जाता है। यह पृथ्वी से लगभग 27,000 प्रकाश वर्ष दूर धनु तारामंडल में स्थित है। अंतरिक्ष में यह किसी अनगिनत दीयों से सजे झूमर की तरह चमकता है, जहां चमकने वाली हर एक रोशनी वास्तव में एक विशाल तारा है। हबल द्वारा ली गई इस तस्वीर में एक ग्लोबुलर क्लस्टर दिखाई दे रहा है। यह दरअसल हजारों से लेकर लाखों सितारों का एक ऐसा समूह होता है, जो गुरुत्वाकर्षण बल के कारण आपस में बहुत मजबूती से बंधे होते हैं।

हमारी आकाशगंगा में ऐसे 150 से अधिक ग्लोबुलर क्लस्टर मौजूद हैं, हालांकि अंतरिक्ष की धूल और सितारों की भारी भीड़ के कारण इनमें से कुछ अभी भी हमारी नजरों से छिपे हो सकते हैं।

आकाशगंगा के सबसे पुराने निवासीः इन ग्लोबुलर क्लस्टर्स में मिल्की वे आकाशगंगा के कुछ सबसे पुराने सितारे मौजूद हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, इनमें से कई सितारों की उम्र 10 अरब वर्ष से भी अधिक है, यानी ये लगभग उतने ही पुराने हैं जितना कि हमारा ब्रह्मांड। माना जाता है कि ये क्लस्टर्स हमारी आकाशगंगा में बनने वाली सबसे शुरुआती संरचनाओं में से थे।

विश्व युद्ध का खतरा टला?

अमेरिका और ईरान हमले रोकने पर सहमत, कतर में होगी 'होर्मुज' पर महाबैठक

दोहा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादलों के बीच एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे अमेरिका और ईरान अब आपसी सैन्य हमलों को रोकने पर सहमत हो गए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर था और दुनिया एक बड़े सैन्य टकराव की आशंका से सहमी हुई थी।

सीजफायर के बाद भी जारी थे हमलेः अमेरिका और ईरान के बीच अभी हाल ही में सीजफायर लागू हुआ था, लेकिन उसके बाद भी पिछले 24 घंटों के भीतर ही दोनों ओर से एक-दूसरे के ठिकानों पर फिर से हमले किए गए, जिससे इस समझौते के टूटने का खतरा पैदा हो गया था। हालांकि, अब 'एक्सियोस' की एक रिपोर्ट में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि दोनों पक्ष फिलहाल 'काइनेटिक एक्टिविटी' यानी सैन्य हमलों और आक्रामक कार्रवाइयों को पूरी तरह से रोकने के लिए राजी हो गए हैं।

कतर में होगी निर्णायक बैठकः तनाव को कम करने की दिशा में अगला बड़ा कदम कतर की राजधानी दोहा में उठाया जाएगा। मंगलवार को दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल एक मेज पर बैठेंगे ताकि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को लेकर जारी विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके। होर्मुज जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए जीवन रेखा माना जाता है और इस पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है।

ट्रंप की चेतावनी : इस समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो वे युद्ध को दोबारा शुरू कर 'काम पूरा कर देंगे' और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे। वहीं, दूसरी ओर ईरान ने भी पलटवार करते हुए साफ कर दिया था कि यदि अमेरिका ने सीजफायर का उल्लंघन किया, तो भविष्य की सभी कूटनीतिक बातचीत और रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए जाएंगे।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर राहत : समझौते का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि बातचीत की प्रक्रिया जारी रहने के दौरान होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बिना किसी रोक-टोक के हो सकेगी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्ष फिलहाल पीछे हटने को तैयार हैं ताकि कतर में होने वाली बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा सके। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक ईरान का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

स्थायी आवास में रहें या अपने देश लौटें, ट्रंप प्रशासन ने घुसपैठियों को दिया अल्टीमेटम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अस्थायी निर्माणों में रह रहे अवैध रूप से आए विदेशियों से स्थायी निर्माण वाले आवासों में जाने के लिए कहा गया है। अगर वे ऐसा नहीं कर सकते हैं तो वापस अपने देश जाएं। यह बात अमेरिका के आंतरिक सुरक्षा मामलों के मंत्री मार्कवायने मुलिन ने न्यूज चैनल सीएनएन के कार्यक्रम में कही है। उन्होंने कहा कि सड़कों के किनारे, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर घुसपैठियों की रिहायश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विदित हो कि ट्रंप प्रशासन ने हैती और सीरिया में गृह युद्ध जैसे हालात के बीच वहां से आए लाखों लोगों को अमेरिका में रहने की अस्थायी अनुमति दी है। अन्य देशों के भी लाखों घुसपैठियों अमेरिका के विभिन्न शहरों में रह रहे हैं। इनमें से ज्यादातर सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी ठिकाना बनाकर रह रहे हैं। तरिक सुरक्षा विभाग ने इन सभी से अपने लिए स्थायी आवास व्यवस्था करने के लिए कहा है। ऐसा न कर पाने पर सभी तरह की अनुमतियों को रद करते हुए घुसपैठियों को उनके मूल देश के लिए निर्वासित कर दिया जाएगा।

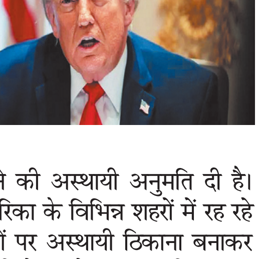

बैंकों का ऋण वितरण संतोषजनक नहीं, प्रदर्शन में शीघ्र सुधार लाएं : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति (डीसीसी), जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) एवं आरसेटी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों के क्रेडिट-डिपॉजिट (सीडी) रेशियो की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अपेक्षाकृत खराब प्रदर्शन पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक, फेडरल बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, बंधन बैंक एवं जना स्मॉल फाइनेंस बैंक आदि बैंकों के असंतोषजनक सीडी रेशियो पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने संबंधित बैंकों को अगली बैठक में बोकारो के सीडी रेशियो की तुलना राष्ट्रीय एवं राज्य औसत के साथ प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि बैंकों द्वारा ऋण वितरण का वर्तमान रवैया संतोषजनक नहीं है। उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा जिले के आर्थिक विकास में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्तमान प्रदर्शन निराशाजनक है। उन्होंने सभी बैंकों को अपने प्रदर्शन में तत्काल सुधार लाने का निर्देश दिया। साथ ही, उप विकास आयुक्त, एलडीएम, नाबार्ड, आरबीआई के प्रतिनिधि को नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय सहायता देने में सक्रिय भूमिका निभाएं बैंक

उपायुक्त ने कहा कि जिले के लोगों को छोटे-छोटे ऋण उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। झारखंड औद्योगिक (जियाडा) क्षेत्र में लगभग 300 औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं। इनके विकास एवं विस्तार के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने को लेकर बैंकों को समन्वित प्रयास करने होंगे। उन्होंने प्रत्येक बैंक को कम-से-कम दो सफल ऋण लाभार्थियों की सक्सेस स्टोरी तैयार कर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। डीडीसी की अध्यक्षता में इनका चयन किया जाएगा तथा बेहतर सक्सेस स्टोरी का प्रकाशन जिला प्रशासन द्वारा कराया जाएगा।

मानसून में विलंब को देखते हुए कृषि ऋण वितरण बढ़ाने का निर्देश

बैठक में आगामी 15 जुलाई तक कृषि क्षेत्र के लिए सभी बैंकों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि मानसून में विलंब को देखते हुए खरीफ फसल पर संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अधिकाधिक किसानों को फसल ऋण, केसीसी उपलब्ध कराने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने एलडीएम, आरबीआई के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारियों को डिजिटल टूल्स के माध्यम से बैंकों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने का निर्देश दिया। साथ ही जिले में कौन-से बैंक सक्रिय हैं तथा किनका प्रदर्शन कमजोर है, इसका समुचित आकलन करने को कहा।

आम लोगों से जुड़ें बैंक, बैठकों में जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ करें सहभागिता

उपायुक्त ने बैंकों को आम लोगों से जुड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि छोटे व्यवसायियों, किसानों एवं स्वरोजगार से जुड़े लोगों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र, फसल ऋण, शिक्षा ऋण एवं क्रेडिट लिंकेज योजनाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जेएसएलपीएस को बैंक प्रतिनिधियों के साथ स्वयं सहायता समूहों की बैठक एवं एक्सपोजर विजिट आयोजित करने का निर्देश दिया। कृषि विभाग, नाबार्ड एवं आईडीएम को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। बैठक के दौरान बैंक प्रतिनिधियों की अपेक्षित सहभागिता एवं संवाद की कमी पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों में बैंक प्रतिनिधि पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ भाग लें तथा सक्रिय संवाद सुनिश्चित करें।

आरसेटी के वार्षिक कार्ययोजना की भी हुई समीक्षा

बैठक में आरसेटी के वार्षिक कार्ययोजना एवं विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

भगवान जगन्नाथ का हुआ पवित्र जलाभिषेक, भगवान अब 15 दिनों बाद देंगे श्रद्धालुओं को दर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जगन्नाथ भक्तों के लिए अब भगवान के विश्राम और सेवा का विशेष समय शुरू हो गया है। स्नान पूर्णिमा पर 108 कलशों के पवित्र जल से महाअभिषेक के बाद भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा अस्वस्थ माने जाते हैं। इसके साथ ही मंदिर में अनवसर काल की शुरुआत हो गई है। सनातन परंपरा के अनुसार, स्नान पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का भव्य जलाभिषेक किया जाता है। मान्यता है कि अत्यधिक स्नान के कारण भगवान को ज्वर हो जाता है। इसके बाद वे करीब 15 दिनों तक विश्राम करते हैं। इस दौरान भगवान का सार्वजनिक दर्शन बंद रहता है और मंदिर के सेवायत आयुर्वेदिक औषधि, फल, काढ़ा और हल्का भोग अर्पित कर उनकी सेवा करते हैं। इसी अवधि को अनवसर या अनासार काल कहा जाता है। भक्त इस समय भगवान के दर्शन नहीं कर पाते और उनकी शीघ्र आरोग्यता की कामना करते हैं। विश्राम के बाद भगवान नए स्वरूप में भक्तों को नवयौवन दर्शन देते हैं। इसके बाद विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा का शुभारंभ होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। भगवान जगन्नाथ का बीमार पड़ना आस्था और परंपरा का प्रतीक है। यह संदेश देता है कि भगवान भी लोकाचार का पालन करते हैं और फिर स्वस्थ होकर अपने भक्तों के बीच लौटते हैं।

संक्षिप्त समाचार

विस्थापित नौजवान संघर्ष मोर्चा ने डीसी एवं डीडीसी की निकाली शव यात्रा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विस्थापित नौजवान संघर्ष मोर्चा ने आज अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर बोकारो डीसी और डीडीसी की शव यात्रा निकाली। विस्थापितों ने शव यात्रा निकालकर डीपीएलआर कार्यालय के समक्ष अंतिम संस्कार करने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने अंतिम संस्कार करने से विस्थापितों को रोक दिया। इस दौरान विस्थापित और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। विस्थापित और पुलिस के बीच दोनों अधिकारियों की अर्थी की छीना झपटी भी हुई। विस्थापित नौजवान संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अरुण महतो ने कहा कि 4 वर्षों से जांच के नाम पर कमेटी बनाकर विस्थापितों को सिर्फ धोखा देने का काम किया जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। डीपीएलआर कार्यालय के द्वारा गलत तरीके से पर्चा बनाया गया है, राष्ट्रीय राजमार्ग बनने के दौरान गलत लोगों को राशि का भुगतान किया गया है ।हम चाहते हैं कि पूरे मामले की जांच हो ।लेकिन कार्यालय के लोग भ्रष्टाचार कर पैसे की उगाही करते हैं और अपने आला अधिकारियों तक पहुंचाते हैं। यही कारण है की कार्रवाई नहीं हो रही है। हमारी मांग है हमारी मागों पर जल्द से जल्द कार्रवाई हो अन्यथा अब दोनों अधिकारियों का श्रद्धा कम भी करने का काम करेंगे।

लर्निंग लाइसेंस शिविर में जिले में 33 अभ्यर्थी हुए सफल

बोकारो /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री एवं उपायुक्त, बोकारो के निदेर्शानुसार जिला परिवहन कार्यालय, बोकारो द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों में लर्निंग लाइसेंस शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा पात्र आवेदकों को सरल एवं सुलभ तरीके से लर्निंग लाइसेंस उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में आज कसमार प्रखंड कार्यालय में लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अभ्यर्थियों की फोटोग्राफी, ऑनलाइन परीक्षा एवं लर्निंग लाइसेंस निर्गमन से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं संपन्न कराई गईं। शिविर के दौरान कुल 54 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 33 अभ्यर्थी ऑनलाइन परीक्षा में सफल हुए। सफल अभ्यर्थियों को नियमानुसार लर्निंग लाइसेंस निर्गत किया गया। जिला परिवहन कार्यालय का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग यातायात नियमों की जानकारी प्राप्त करें, उनका पालन करें तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन चालक बनें। जिला परिवहन पदाधिकारी ने जिले के पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटतम प्रखंड में आयोजित शिविर का लाभ उठाकर लर्निंग लाइसेंस प्राप्त करें तथा सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

लोक समिति का स्थापना दिवस आज, रांची में आयोजित होगा कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखण्ड प्रदेश लोक समिति के प्रांतीय संयोजक शंकर राणा ने बताया है कि लोक समिति, लोक नायक जयप्रकाश नारायण द्वारा स्थापित एक गैर दलीय राष्ट्रीय जन संगठन है । जिसका 49 वां स्थापना दिवास नव भारत जागृति केंद्र, रांची में आगामी 30 जून को मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोक समिति की स्थापना जेपी ने 30 जून 1977 को की थी। इन दिनों देश में बढती महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, शिक्षा, खेती-किसानी का संकट, पुलिस-जुल्म, बेरोजगारी तथा संविधान के खतरे को देखते हुए आज जेपी के विचारों की प्रासंगिकता पहले से ज्यादा ही बढ़ गयी है। राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन गांधी वादी चिंतक एवं लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरिजा सतीश करेंगे तथा राष्ट्रीय संयोजक कौशल गणेश आजाद मुख्य वक्ता होंगे। श्री सिंह ने बताया कि झारखंड से सम्मेलन में बोकारो, हजारीबाग, रामगढ़, धनबाद, गोड्डा , गिरिडीह, सिंहभूम, पलामू, सराइकेला, कोडरमा , लोहरदगा जिला से जिला से प्रतिनिधी शामिल होंगे। साथ ही बिहार से लगभग 40-50 की संख्या में पुरूष एवं महिला प्रतिनिधि भाग लेंगे । सम्मेलन में सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों से संबंधित प्रस्तावों को पारित किया जाएगा।

एसआईआर-2026 पूरी तरह पारदर्शी एवं सहभागी प्रक्रिया, सभी पात्र मतदाता भरें एन्यूमरेशन फॉर्म : डीसी

30 जून से घर-घर जाकर बीएलओ करेंगे फॉर्म का वितरण, प्रारूप मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का मिलेगा अवसर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों के साथ आयोजित संवाददाता सम्मेलन में 30 जून से प्रारंभ होने वाले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)-2026 की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं, क्योंकि झारखंड में यह 23 वर्षों के बाद आयोजित किया जा रहा है। यह एक 'डी-नोवो' (नए सिरे से) प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची का व्यापक एवं अद्यतन पुनरीक्षण किया जाएगा।

दो चरणों में पूरी होगी विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया

डीईओ सह डीसी ने बताया कि एसआईआर-2026 दो चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण में मतदाता सूची में दर्ज सभी मौजूदा मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। जो मतदाता विधिवत हस्ताक्षर कर यह फॉर्म जमा करेंगे, उन्हें बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज की मांग किए प्रारूप मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। भारत के पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए दावा प्रस्तुत कर सकेंगे, वहीं अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाने के लिए प्रपत्र-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज की जा सकेगी।

देश में दसवीं बार हो रहा है विशेष गहन पुनरीक्षण

उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के बाद अब तक देश में नौ बार विशेष गहन पुनरीक्षण कराया जा चुका है तथा वर्ष 2025-26 का एसआईआर देश का दसवां विशेष गहन पुनरीक्षण है। यह प्रक्रिया विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की तरह ही पूरी तरह पारदर्शी, सहभागी एवं लोकतांत्रिक है, जिसमें मतदाताओं एवं राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

75.5 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी, 30 जून से घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

डीईओ सह डीसी ने बताया कि जिले में लगभग 75.5 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। 30 जून को मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक के बाद बीएलओ घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण प्रारंभ करेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि भारत के प्रत्येक पात्र नागरिक अपना एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करें, ताकि उनका नाम प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड करने की अपील

डीईओ सह डीसी ने आम नागरिकों से ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड कर निर्वाचन संबंधी सेवाओं एवं जानकारी का लाभ उठाने की अपील की।

बीएलओ के सहयोगी होंगे वॉलिंटियर्स उन्होंने बताया कि बीएलओ के कार्य में सहयोग के लिए शिक्षकों को वॉलिंटियर के रूप में लगाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वॉलिंटियर्स बीएलओ के पर्यवेक्षक नहीं, बल्कि फ्रेंड, फिलॉसफर एवं गाइड की भूमिका निभाते हुए उन्हें सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने सभी से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मौके पर अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीसीएलआर पूर्णिमा कुमारी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की मासिक रचना गोष्ठी सम्पन्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की मासिक रचना गोष्ठी संघ कार्यालय जनवृत 2 में दयानंद सिंह की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। रचना गोष्ठी में कबीर पंथ एवं सामाजिक समरसता पर एक से बढ कर एक रचना की कवित्रियों एवं साहित्यकारों ने प्रस्तुति दी। रचना गोष्ठी की शुरूआत कवित्री करुणा कलिका की सरस्वती वंदना से हूई। इसके अलावा विभा तिवारी, डॉ. आशा पुष्प, रेणुका सिन्हा, गंगेश कुमार पाठक, डॉ.रंजना श्रीवास्तव एवं डॉ. परमेश्वर भारती सहित अन्य कवियों ने अपनी अपनी कविता पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन परिषद् के उपसचिव दीनानाथ ठाकुर ने किया। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के संरक्षक सुधीर कुमार मधुकर भी उपस्थित रहे।

कलाकारों ने संगीतकार आर डी बर्मन को दी स्वरमयी श्रद्धांजलि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। फिल्म संगीत के मशहूर संगीतकार राहुल देव बर्मन (आर डी बर्मन) की जयंती के उपलक्ष्य में सेक्टर 12 में बोकारो के कलाकारों ने संगीत संध्या आयोजित कर उन्हें स्वरमयी श्रद्धांजलि दी। स्वरागिनी म्यूजिकल ग्रुप के बैनर तले रमण चौधरी व रागिनी सिन्हा अंबष्ठ के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत चर्चित गायक अरुण पाठक, रमण चौधरी, गायिका रंजू सिंह, सुनीता गुप्ता, रंजना सिन्हा, रिद्धिमा रिया, शिक्षक नीरज सिंह, मंच संचालक पूर्णेंदु कुमार सिंह द्वारा आर डी बर्मन की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन से हुई। कलाकारों ने आर डी बर्मन के कुछ यादगार गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से उन्हें याद किया। इस अवसर पर श्वेता प्रियदर्शिनी, किरण, प्रीति सिंह आदि उपस्थित रहे।

बलियापुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 16 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के बलियापुर थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से करीब 16 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। सोमवार को धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि 29 जून की रात बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्ती और छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि रखितपुर रेलवे गुमटी के पास दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूम रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस ने वरीय अधिकारियों को जानकारी देते हुए कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम जब बलियापुर-झरिया मुख्य सड़क स्थित हनुमान मंदिर परघा के पास पहुंची तो दो व्यक्ति पीठ पर बैग लादकर पैदल कुसमाटांड़ की ओर जाते दिखे।

एसआईआर-2026 की सफलता में राजनीतिक दल निभाएं सक्रिय भूमिका : डीईओ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मंगलवार, 30 जून से प्रारंभ होने वाले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)-2026 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में डीईओ सह डीसी ने कहा कि एसआईआर-2026 की प्रक्रिया को सफल बनाने में सभी राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी दलों से अपने-अपने बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट-2) को मंगलवार सुबह 10:30 बजे तक संबंधित मतदान केंद्रों पर अनिवार्य रूप से भेजने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए-2 की संयुक्त बैठक होगी, जिसमें एसआईआर-2026 की पूरी प्रक्रिया, दायित्वों एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। डीईओ सह डीसी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आम मतदाताओं को गणना (एन्यूमरेशन) प्रपत्र भरने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता को अपना एन्यूमरेशन फॉर्म अवश्य भरना चाहिए, ताकि मतदाता सूची अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली में उपलब्ध नहीं है, वे अपने माता-पिता अथवा अभिभावकों का विवरण देकर आवश्यक जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं। इससे पात्र मतदाताओं का नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करने में सुविधा होगी। डीईओ सह डीसी ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित नहीं रहे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस अभियान में सक्रिय सहयोग देने तथा अधिक से अधिक पात्र नागरिकों तक इसकी जानकारी पहुंचाने का आग्रह किया। वहीं, 18 वर्ष पूरा करने वाले युवक - युवतियों को प्रपत्र 06 भरने के लिए कार्रवाई करें। बैठक में अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पर्यावरण संरक्षण को कैंप-2 स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में 'एक वृक्ष मां के नाम' वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वीरेंद्र कुमार चौबे, जिला सहसंयोजक, स्वच्छ भारत अभियान एवं शशि भूषण ओझा 'मुकुल, प्रदेश संयोजक, स्वच्छ भारत अभियान शामिल हुए। इस अवसर भाजपा के प्रांतीय उपाध्यक्ष सह प्रदेश के पूर्व बीस सूत्री समिति उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कागजी बादाम के पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। राकेश प्रसाद ने कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार हैं। आज पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। यदि हम प्रकृति को सुरक्षित रखेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और स्वस्थ जीवन मिल सकेगा इसलिए सबों को अवश्य ही वृक्षारोपण करना चाहिए तथा उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। अंत में कार्यक्रम के आयोजक वीरेंद्र कुमार चौबे ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का आंदोलन बनना चाहिए। कार्यक्रम में भाजपा के जिला प्रभारी सतनारायण सिंह, सुरेंद्र कुमार पांडेय, मृणाल चौबे, संजय सिंहा, अनिल स्वर्णकार, संजय त्यागी, लक्ष्मण नायक, बबलू पांडेय, अक्षय दुबे, ललित कुमार, विशाल गौतम, गुड्डू पांडेय, जय नारायण मरांडी सहित भाजपा और स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में बीएसएल की नई पहल

कौशल विकास हेतु एमओए पर हस्ताक्षर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग ने महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 29 जून को 'डोलन्स बुटीक एंड हैंडीक्राफ्ट ट्रस्ट' के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किया है. इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत 'रचयित्री' प्रोजेक्ट के तहत बोकारो के परिक्षेत्रीय गांवों की जरूरतमंद महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने हेतु कांथा स्टिच एम्ब्रॉयडरी, ब्यूटी थेरेपिस्ट कोर्स और ऑर्गेनिक साबुन बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा. इस अवसर पर बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन के साथ महाप्रबंधक (सीएसआर), 'डोलन्स बुटीक एंड हैंडीक्राफ्ट ट्रस्ट' की सेक्रेटरी डोलन मुखर्जी सहित सीएसआर टीम के सदस्य उपस्थित थे. 'डोलन्स बुटीक एंड हैंडीक्राफ्ट ट्रस्ट' ने इस प्रोजेक्ट के महत्व और इससे जुड़ी महिलाओं को होने वाले फायदों के बारे में इस दौरान जानकारी साझा की. ज्ञातव्य है कि इस प्रोजेक्ट में बोकारो के आस-पास के क्षेत्रों की 25 जरूरतमंद महिलाओं को शामिल किया जाएगा, जिन्हें कांथा स्टिच, ऑर्गेनिक साबुन बनाना और ब्यूटीशियन कोर्स की ट्रेनिंग दी जाएगी. पूरे प्रोजेक्ट की अवधि 12 महीने है, जिसमें प्रशिक्षण प्रदान कर हैंडहोल्डिंग और प्रोजेक्ट से जुड़ी महिलाओं के लिए आय के साधन सुनिश्चित करना शामिल है. यह पहल बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने परिधीय क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है. कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर बीएसएल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि निगमित सामाजिक दायित्व के माध्यम से एक समृद्ध और समावेशी समाज के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK